Paperex®

a Hyve event

14th International Exhibition & Conference on Pulp, Paper and Allied industries

3- 6 December 2019 | Pragati Maidan, New Delhi

WORLD'S LARGEST PAPER SHOW

Co-located Events

WORLD of PAPER®
International Exhibition on Paper, Printing, Packaging Publishing and Allied Industries
www.worldofpaper.in

TISSUEEX®
International Exhibition on
Tissue Products, Machinery & Technologies
www.tissueex.com

CORRUGEX®
International Exhibition on
Corrugated Box, Machinery, Technology & Allied Industries
www.corrugex.com

Media Coverage

Media Coverage

SOCIALNEWS.XYZ
The Millennial Media

Home » Gallery » Other » New Delhi: 14th International Technical Conference and Exhibition on Pulp, Paper and Allied Industry #Gallery

New Delhi: 14th International Technical Conference and Exhibition on Pulp, Paper and Allied Industry #Gallery

POSTED BY: GOPI DECEMBER 3, 2019

शो पेपर एक्स 2019 में अपनी उपस्थिति दर्ज करेगा उत्तर प्रदेश

वाराणसी (ईएमएस न्यूज)। 268 प्रतिभागियों के साथ, पेपर-एक्स 2019 में इस बार उत्तर प्रदेश से एक विशेष राज्य मंडप होगा पेपर-एक्स का उद्घाटन 3 दिसंबर 2019 को भारत के सड़क परिवहन और राज मार्ग मंत्री और भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के शिपिंग मंत्रालय के मंत्री श्री नितिन जयराम गडकरी द्वारा किया जाएगा।पैपरेक्स 2019 ह्वका पर्दा उठाने वाला, दुनिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण लखनऊ में किया गया।भारत में कागज का सबसे बड़ा उत्पादक होने के नाते, इस बार उत्तर प्रदेश से एक विशेष राज्य मंडप विश्व के सबसे बड़े पेपर शो में वर्ल्ड क्लास बिजनेस टू बिजनेस का अनुभव प्राप्त करने के लिए पहली बार आ रहे हैं।उत्तर प्रदेश में 139 पेपर मीले हैं, जो प्रतिवर्ष 75 लाख टन के करीब कागज का उत्पादन करती हैं। कम लागत के निमार्ता के रूप में, उत्तर प्रदेश भारत के कुल उत्पादन में 23ः का योगदान देता है। पिछले 3 वर्षों में भारत से कागज निर्यात 660,000 टन से बढ़कर 15,00,000 टन हो गया।कागज और संबद्ध उद्योग उत्तर प्रदेश में प्रत्यक्ष औरअप्रत्यक्ष रूप से लगभग 15 लाख नौकरियों का सृजन करते हैं।ग्रामीण क्षेत्रों में पहले से स्थापित पेपरमिल्स बड़े पैमाने पर रोजगार और अर्धकुशल श्रमिकों से हैं।बढ़ते प्रदूषण के स्तर को ध्यान में रखते हुए, प्रदर्शनी में बी 2 बी सम्मेलन में पर्यावरण, ग्रीन रसायन विज्ञान और रीसाइक्लिंग पर जोर देने के साथ एक विशेष सत्र ळे गगन साहनी, निदेशक, व्यवसाय विकास, भ्लअम प्दकपं ने बताया, ह्व14 वीं पैपरेक्स इंटरनेशनल प्रदर्शनी दुनिया का सबसे बड़ा पेपर शो है। हम उत्तर प्रदेश सेअधिकतम एमएसएमई भागीदारी प्राप्त करने के लिए उत्साहित हैं।उत्तर प्रदेश विश्व के सबसे बड़े कागजात के सबसे बड़े पर्चे के रूप में देखा जा सकता है जो व्यापार आगंतुक औरअंतिम उपयोगकर्ता को दर्शाता है। पैपरेक्स एक ओपरस्टाफी के लिए प्रतिफ्ताट

अगले 5 वर्षों के लिए भारतीय पेपर उद्योग में 12 प्रतिशत प्रति वर्ष वृद्धि की संभावना

2024-25 में कुल कागज खपत वर्तमान में 15 मिलियन टन से बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान

चंडीगढ़, (आपका फैसला)। 'पेपर- एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। गॉर्डन पायने, क्षेत्रीय निदेशक-एशिया हैट व ग्रुप पीएलसी ने कहा, पेपर-एक्स आपके लिए खुद को देखने के लिए, नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुराने परिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है। भारत को कागज और संबद्ध उद्योगों के ऐसे प्रमुख प्रदर्शन की मेजबानी करने के लिए सही गर्व होना चाहिए जो दुनिया को इस वास्तविक रूप से उद्यमी देश की तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करता है। 14वीं पेपर-एक्स इंटरनेशनल प्रदर्शनी दुनिया का सबसे बड़ा पेपर शो है। इस साल पेपर-एक्स 2019 सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है,जिसमें 28 देशों के 700 + लीडिंग एग्जीबिटर्स मौजूद हैं। पेपर-एक्स नए व्यवसाय के अवसरों, संयुक्त उद्यमों, निवेश और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए कागज और संबद्ध उद्योगों में पेपर उद्योग के लिए एक एकीकृत व्यापार मंच है। इस वर्ष, पेपर-एक्स2019 28 देशों के 700 + अग्रणी प्रदर्शकों की उपस्थिति के साथ सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है। पेपर-एक्स, को भारत में किसी भी शो में व्यापार आगंतुक द्वारा सबसे अधिक भागीदारीमिलती है। हमारे पास दो और कॉन-करंट शिप्-एक्स और क्रगेस (Corrugex) हैं। पेपर-एक्स दिल्ली में 3 दिसंबर 2019 से शुरू होगा और व्यापारिक और व्यावसायिक दोनों आगंतुकों के लिए सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक 6 दिसंबर 2019 तक खुला रहेगा। 2 दिनों के दौरान, बी2बी सम्मेलन में पर्यावरण, ग्रीन रसायन विज्ञान और रीसाइक्लिंग पर जोर देने के साथ एक विशेष सत्र है। जेपी नारायण, सीपी, इंडियन पेपर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और कुछ बड़ी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही हैं-विशिष्ट मांग। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024-25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। मेरा मानना है कि उद्योग के भीतर एक समेकन होगा औरइस अधिक खिलाड़ियों को एक-दूसरे के चूक के लिए विलय और अधिग्रहण गतिविधि करते देखेंगे। चूंकि यह एक जनशक्ति संचालित उद्योग है, इसलिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दोनों ही नौकरियां पैदा होंगी। राष्ट्र के विकास में योगदान करते हुए, भारत के गुणवत्ता वाले कागज निर्माता मुद्रण, लेखन, पैकेजिंग, प्रकाशन, नोटबुक और स्टेशनरी क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करते हैं।

Media Coverage

NetApp
Master the Cloud and Be a Data Thriver
Get the HCI paper

Paper consumption may touch 24 mt by 2025; industry may add 50 mn jobs

Industry officials said 59 running mills in Tamil Nadu produce close to 31 lakh tonnes of paper annually

Press Trust of India | Chennai
Last Updated at November 26, 2019 21:14 IST

Moving mails from GSuite or O365? Migrate to ZOHO Mail with no data loss. Migrate for free

Companies Overview GO

LATEST NEWS

IN THIS SECTION | ALL

Dilip Buildcon bags Bundelkhand Expressway Project worth Rs 1,362 cr in UP

Karvy Stock Broking moves SAT against Sebi order; hearing on Friday

Procter & Gamble India sets up Rs 200-crore fund focused on climate

SBI Caps to give report on four bidders for Anil Ambani's RCom to CoC

ਦੁਨੀਆਂ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਪੇਪਰ ਸ਼ੋਅ ਪੇਪਰ ਐਕਸ 20190 ਤੋਂ ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ 3 ਦਸੰਬਰ 2019 ਤੋਂ 6 ਦਸੰਬਰ 2019 ਤੱਕ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 26 ਨਵੰਬਰ-ਪੇਪਰ ਐਕਸ 2019, ਦੁਨੀਆਂ ਦੀ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੀ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪੇਪਰ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨੀ ਤੇ ਸਮਾਗਮ ਦਾ 14ਵਾਂ ਐਡੀਸ਼ਨ ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਹੋਣ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਸ੍ਰੀ ਗਾਰਡਨ ਪਾਸਨੇ, ਖੇਤਰੀ ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ - ਏਸ਼ੀਆ ਹੈਡ ਤੇ ਗਰੁਪ ਪੀਐਲਸੀ ਨੇ ਕਿਹਾ, ਪੇਪਰ ਐਕਸ ਤਹਾਡੇ ਲਈ ਖੁਦ ਨੂੰ ਦੇਖਣ ਲਈ, ਨਵੀਨਤਮ ਰੁਝਾਨਾਂ ਤੇ ਪ੍ਰੋਦਗਿਕੀਆਂ, ਨਵੇਂ ਵਪਾਰਕ ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਮਿਲਣ ਤੇ ... ਅਸਲੀ ਰੂਪ ਨਾਲ ਉਦਮੀ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਨੂੰ ਦਰਸਾਉਂਦਾ ਹੈ 14ਵੀਂ ਪੇਪਰ ਐਕਸ ਇੰਟਰਨੈਸ਼ਨਲ ਦੁਨੀਆਂ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਪੇਪਰ ਸ਼ੋਅ ਹੈ ਇਸ ਸਾਲ ਪੇਪਰ ਐਕਸ 2019 ਸਫਲਤਾ ਦੀ ਕਹਾਣੀ ਦਹੁਰਾਉਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਿਚ 28 ਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ 700+ ਟਾਪ ਔਰਗੀਨਾਈਜ਼ਰਸ ਮੌਜੂਦ ਹਨ ਪੇਪਰ ਐਕਸ ਨਵੇਂ ਵਪਾਰ ਦੇ ਮੌਕਿਆਂ, ਸਾਂਝੇ ਉਦਯੋਗਾਂ ਤੇ ਪ੍ਰੋਦਗਿਕੀ ਦਖਲ ਅੰਦਾਜ਼ੀ ਕਾਗਜ਼ ਤੇ ਸੰਬੰਧਿਤ ਉਦਯੋਗਾਂ ਵਿਚ ਪੇਪਰ ਉਦਯੋਗ ਦੇ ਲਈ ਇਕ ਸਾਂਝਾ ਵਪਾਰਕ ਮੰਚ ਹੈ ਇਸ ਸਾਲ ਪੇਪਰ ਐਕਸ 2019, 28 ਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ

ਦੁਨੀਆਂ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਪੇਪਰ ਸ਼ੋਅ ਪੇਪਰ ਐਕਸ 2019 ਤੋਂ ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ 'ਚ 3 ਦਸੰਬਰ ਤੋਂ 6 ਦਸੰਬਰ ਤੱਕ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ

Media Coverage

वाराणसी। २६८ प्रतिभागियों के साथ, पेपर-एक्स २०१९ में इस बार उत्तर प्रदेश से एक विशेष राज्य मंडप होगा पेपर.एक्स का उद्घाटन ३ दिसंबर २०१९ को भारत के सड़क परिवहन और राज मार्ग मंत्री और भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के शिपिंग मंत्रालय के मंत्री नितिन जयराम गडकरी द्वारा किया जाएगा। पेपर और संबद्ध उद्योगों में है।

पेपर शो 'पेपर-एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 से 6 दिसंबर तक

जयपुर। विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर- ऐक्स 2019' नई दिल्ली में 3 दिसंबर से 6 दिसंबर तक आयोजित किया जाना है। 30000 व्यापार आगंतुक के साथ, 29 देशों के 600 से अधिक प्रतिभागियों को भी प्रगति मैदान की पहली बार नई इमारतों का अनुभव होगा।

निदेशक गॉर्डन पायने ने कहा कि पेपर-एक्स आपके लिए खुद को देखने के लिएए नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुराने परिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है। भारत को कागज और संबद्ध उद्योगों के ऐसे

Edition: International | About Us | Contact Us | Privacy Policy | Terms of Use | News Release | Article Submission | Business Wire India

Sunday 01 December, 2019

BREAKING NEWS
Kicking Gender Boundaries

NEW DELHI TIMES

TRENDING

HEADLINES Kicking Gender Boundaries

Business | World | India | Sports | Politics | Entertainment | Environment | Technology | Health | Op – eds | International Political Scenario

Latest Stories | Art & Lifestyle | Travel | Videos | Press Release | E- Paper

Press Release

Paperex 2019- World's Largest Paper Show

By New Delhi Times Bureau on November 26, 2019

Election Commission extends last date of online verification of voter ID cards

xXx : The Return of Xander Cage to be promoted in India by Vin Diesel

The need for Moral Education

The Indian Paper Industry

Paper is human innovation & a wonderful product. It is hard to imagine what life would be like without paper. Despite the technological revolution leading to increased computerization of operations, paper still holds on to its instance and has become an essential commodity of our everyday life.

India is the largest growing paper market in the world and globally the focus of foreign paper manufacturers. India's share in world production of paper is about 3.7%, with estimated production of over 17-million tpa. The industry provides direct employment to 0.5-million people, and around 1.5-million indirectly.

Future looks more promising as the domestic demand is on the rise. The per capita paper consumption in India is currently around 14-kgs, while the global average is 57-kgs. This is projected to increase to at least 17-kgs by 2024-25 (IPMA). The annual turnover of the paper industry is estimated to be US$ 8.6 bn. to $ 13.4 billion by 2024, exhibiting a CAGR of 7.8% during 2019-2024.

The paper industry is changing, undergoing and developing with exciting prospects for new growth. The industry is going through the most substantial transformation it has seen in many decades. Packaging is growing all over the world, along with tissue papers, and pulp for hygiene products.

The Paper Industry – Cultivating More Trees for Sustainable Growth

TWITTER

Tweets by @NewDelhiTimes

New Delhi Times @NewDelhiTimes
Kicking Gender Boundaries
newdelhitimes.com/kicking-gender...

New Delhi Times @NewDelhiTimes
Congress nominates MLA Nana Patole as party's candidate for Maharashtra Assembly Speaker's election newdelhitimes.com/congress-nanan...

Media Coverage

INDIA TV PAISA | बिज़नेस | ऑटो | गैजेट | मेरा पैसा | फायदे की खबर | बाजार | टैक्स | इंडिया टीवी हिंदी | LIVE TV

YOU ARE AT: India TV › पैसा › बिज़नेस › Paperex 2019: गडकरी का कागज आयात कम करने पर जोर, घरेलू उद्योगों को मिले बढ़ावा

Paperex 2019: गडकरी का कागज आयात कम करने पर जोर, घरेलू उद्योगों को मिले बढ़ावा

देश में विविध प्रकार के कागज उद्योग की मौजूदगी के बावजूद बड़ी मात्रा में कागज के आयात पर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने घरेलू कागज उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत बताई।

India TV Paisa Desk
Published on: December 03, 2019 18:53 IST

Google ने विज्ञापन बंद कर दिया है
यह विज्ञापन देखना बंद करें
यह विज्ञापन क्यों?

लेटेस्ट न्यूज

संगीता रेड्डी बनीं Ficci अध्यक्ष, उदय शंकर ने संभाला वरिष्ठ उपाध्यक्ष का पद

સિંગલ યુઝ પ્લાસ્ટિકનાં વિકલ્પ તરીકે પર્યાવરણમિત્ર પેપરનો વપરાશ વધશે

અમદાવાદ: હાઈવ ગ્રુપ, પીએલસી લંડનની સંપૂર્ણ સબસિડયરી હાઈવ ઈન્ડિયા દ્વારા નવી દિલ્હીમાં યોજાઈ રહેલા વિશ્વનાં સૌથી મોટા પેપર ફેર

3 दिसम्बर को दिल्ली में आयोजित होगा पेपर शो 'पेपर-एक्स 2019'

देहरादून। 'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। समारोह में बोलते हुए, श्री जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, ''पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और कुछ बड़ी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही हैं- विशिष्ट मांग। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024-25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। मेरा मानना है कि उद्योग के भीतर एक समेकन

Media Coverage

प्लास्टिक, तकनीकी परिवर्तन और पुनर्चक्रण के एकल उपयोग से पर्यावरण बड़े पैमाने पर सुरक्षित रहेगा: निदेशक राजीव बत्रा

चंडीगढ़, (विनोद कुमार)। हायवे इंडिया द्वारा आयोजित दुनिया के सबसे बड़े कागजी मेले में हायवे ग्रुप पीएलसी लंदन की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी, ने पर्यावरणीय उपयोग से संबंधित एक विषय पर एक अध्ययन प्लास्टिक विज-ए-विज पैकिंग पेपर के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें कई मुख्य बिंदु सामने आए। हायवे इंडिया के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कि से यस टू पेपर मौलिक और तकनीकी क्रांति के कारण, आज हम जो 100 प्रतिशत कागज का उत्पादन करते हैं, वह पुनर्नवीनीकरण और बायोडिग्रेडेबल है। पेपरेक्स-2019 ने पर्यावरण को बचाने के लिए आम आदमी पर जोर दिया और हमारे रोजमर्रा के जीवन में इस आवश्यक वस्तु का उपयोग प्रदूषण को कम करने और पुनर्चक्रण को बढ़ावा दे सकता है। आज, कागज के उपयोग को पर्यावरण पर प्रभाव के रूप में नहीं माना जा रहा है, जबकि शिक्षा में कागज के उपयोग को भी फिर से महत्व दिया जा रहा है। यह इस तथ्य से सराहना और अच्छी तरह से स्वीकार किया जा रहा है कि डिजिटल माध्यम के बजाय कागज से अध्ययन करने पर अवधारण स्तर बहुत अधिक है। पेपरेक्स 2019 में हमने इस सेगमेंट में ट्रेड विजिटर से अधिकतम ट्रैक्शन देखा है। हमने आम उपभोक्ता के हित को भी देखा है जो नए उत्पादों को सीखना और अनुभव करना चाहते हैं जो प्लास्टिक की तरह मजबूत हैं और खाद्य क्षेत्र में प्लास्टिक के लिए बेहतर विकल्प हैं। पेपर उद्योग 3आर (कम, पुन: उपयोग और रीसायकल) सिद्धांत द्वारा मतदान को कम कर रहा है। एफएमसीजी, खाद्य वितरण और ईकॉमर्स कंपनियों के जिम्मेदार और सूचित कॉर्पोरेट्स विशेष रूप से रीसाइक्लिंग पेपर के उपयोग को बढ़ाने और अपनी नियमित पैकिंग आवश्यकताओं से एकल-उपयोग प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास कर रहे हैं। जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और अब तकनीकी परिवर्तन के कारण पेपर उद्योग कम बिजली और पानी का उपयोग करता है। रीसायकल पेपर की उत्पादन की लागत पुनर्नवीनीकरण प्लास्टिक की तुलना में स्थान के आधार पर कम से कम 30 से 40 प्रतिशत सस्ती है। बेहतर गुणवत्ता वाले पैकेजिंग उत्पादों की आवश्यकता और अन्य कागज उत्पादों, जैसे टिशू पेपर, फिल्टर पेपर, टी बैग, कार्डबोर्ड आदि की मांग आने वाले वर्षों में भारत में पेपर और पेपर उत्पादों के बाजार को चलाने की उम्मीद है। दिलचस्प बात यह है कि पेपर उद्योग का केंद्र भी अधिक पर्यावरण के अनुकूल सामान और प्रौद्योगिकी की ओर बढ़ रहा है। पेपर उद्योग के लिए एक बड़ा अवसर है, क्योंकि भारत में एकल-उपयोग प्लास्टिक बाजार 80000 करोड़ रुपए (लगभग) के करीब है। इसके अलावा कागज उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। नए उत्पादों में नवीनता के साथ स्थिर कच्चे माल की कीमतें जो अधिक चमकदार और मजबूत हैं, यह 100 प्रतिशत पुन: प्रयोज्य भविष्य के उत्पाद में और अधिक निवेश करने के लिए उद्यमियों को प्रभावित करेगा।

ਪਲਾਸਟਿਕ, ਤਕਨੀਕੀ ਬਦਲਾਅ ਅਤੇ ਰੀਸਾਈਕਲਿੰਗ ਦੀ ਸੋਲੋ ਵਰਤੋਂ ਦੇ ਰੂਪ 'ਚ ਪਰਿਆਵਰਣ ਨੂੰ ਵੱਡੇ ਪੱਧਰ ਤੇ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਕਰਨ 'ਚ ਮਦਦ ਮਿਲੇਗੀ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 6 ਦਸੰਬਰ- ਹਾਯਵੇ ਇੰਡੀਆ ਵੱਲੋਂ ਆਯੋਜਿਤ ਦੁਨੀਆ ਦੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੇ ਕਾਗਜ਼ੀ ਮੇਲੇ 'ਚ ਹਾਯਵੇ ਗ੍ਰੁਪ ਪੀਐਲਸੀ, ਲੰਡਨ ਦੀ 100 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਸਹਾਇਕ ਕੰਪਨੀ, ਨੇ ਪਰਿਆਵਰਣ ਉਪਯੋਗ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਇੱਕ ਵਿਸ਼ੇ 'ਤੇ ਇੱਕ ਅਧਿਐਨ ਪਲਾਸਟਿਕ ਵਿਜ-ਏ-ਵਿਜ ਪੈਕਿੰਗ ਪੇਪਰ ਦੇ ਬਾਰੇ 'ਚ ਵਿਸਥਾਰ ਨਾਲ ਦੱਸਿਆ। ਹਾਯਵੇ ਇੰਡੀਆ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ ਸ਼੍ਰੀ ਸੰਜੀਵ ਬੱਤਰਾ ਨੇ ਕਿਹਾ, SAY YES TO PAPER ਮੌਲਿਕ ਅਤੇ ਤਕਨੀਕੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੇ ਕਾਰਨ, ਅੱਜ ਅਸੀਂ ਜੋ ਕਾਗਜ਼ ਦਾ 100 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਉਤਪਾਦਨ ਕਰਦੇ ਹਾਂ, ਉਹ ਪੁਨਰਨਵੀਨੀਕਰਣ ਅਤੇ ਬਾਯੋਡਿਗ੍ਰੇਡੇਬਲ ਹੈ। ਪੇਪਰਐਕਸ 2019 'ਚ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਪਰਿਆਵਰਣ 'ਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵ ਦੇ ਰੂਪ 'ਚ ਨਹੀਂ ਮੰਨਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ, ਸਦੋਂ ਕਿ ਸਿੱਖਿਆ 'ਚ ਕਾਗਜ਼ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਫਿਰ ਤੋਂ ਮਹੱਤਵ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਹ ਇਸ ਤੱਥ ਨਾਲ ਸ਼ਲਾਘਾ ਅਤੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਮੰਨਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਡਿਜੀਟਲ ਮਾਧਿਅਮ ਦੀ ਬਜਾਏ ਕਾਗਜ਼ ਨਾਲ ਅਧਿਅਨ ਕਰਨ 'ਤੇ ਅਵਧਾਰਣਾ' ਪੱਧਰ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ। ਪੇਪਰਐਕਸ 2019 'ਚ

SAY YES TO PAPER: प्लास्टिक, तकनीकी परिवर्तन और पुनर्चक्रण के एकल उपयोग के रूप में पर्यावरण को बड़े पैमाने पर सुरक्षित करने में मदद मिलेगी

चंडीगढ़, (आपका फैसला)। हायवे इंडिया द्वारा आयोजित दुनिया के सबसे बड़े कागजी मेले में हायवे ग्रुप पीएलसी लंदन की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी, ने पर्यावरणीय उपयोग से संबंधित एक विषय पर एक अध्ययन प्लास्टिक विज-ए-विज पैकिंग पेपर के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें कई मुख्य बिंदु सामने आए। हायवे इंडिया के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कि से यस टू पेपर मौलिक और तकनीकी क्रांति के कारण, आज हम जो 100 प्रतिशत कागज का उत्पादन करते हैं, वह पुनर्नवीनीकरण और बायोडिग्रेडेबल है। पेपरेक्स-2019 ने पर्यावरण को बचाने के लिए आम आदमी पर जोर दिया और हमारे रोजमर्रा के जीवन में इस आवश्यक वस्तु का उपयोग प्रदूषण को कम करने और पुनर्चक्रण को बढ़ावा दे सकता है। आज, कागज के उपयोग को पर्यावरण पर प्रभाव के रूप में नहीं माना जा रहा है, जबकि शिक्षा में कागज के उपयोग को भी फिर से महत्व दिया जा रहा है। यह इस तथ्य से सराहना और अच्छी तरह से स्वीकार किया जा रहा है कि डिजिटल माध्यम के बजाय कागज से अध्ययन करने पर अवधारण स्तर बहुत अधिक है। पेपरेक्स 2019 में हमने इस सेगमेंट में ट्रेड विजिटर से अधिकतम ट्रैक्शन देखा है। हमने आम उपभोक्ता के हित को भी देखा है जो नए उत्पादों को सीखना और अनुभव करना चाहते हैं जो प्लास्टिक की तरह मजबूत हैं और खाद्य क्षेत्र में प्लास्टिक के लिए बेहतर विकल्प हैं। पेपर उद्योग 3आर (कम, पुन: उपयोग और रीसायकल) सिद्धांत द्वारा मतदान को कम कर रहा है। एफएमसीजी, खाद्य वितरण और ईकॉमर्स कंपनियों के जिम्मेदार और सूचित कॉर्पोरेट्स विशेष रूप से रीसाइक्लिंग पेपर के उपयोग को बढ़ाने और अपनी नियमित पैकिंग आवश्यकताओं से एकल-उपयोग प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास कर रहे हैं। जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और अब तकनीकी परिवर्तन के कारण पेपर उद्योग कम बिजली और पानी का उपयोग करता है। रीसायकल पेपर की उत्पादन की लागत पुनर्नवीनीकरण प्लास्टिक की तुलना में स्थान के आधार पर कम से कम 30 से 40 प्रतिशत सस्ती है। बेहतर गुणवत्ता वाले पैकेजिंग उत्पादों की आवश्यकता और अन्य कागज उत्पादों, जैसे टिशू पेपर, फिल्टर पेपर, टी बैग, कार्डबोर्ड आदि की मांग आने वाले वर्षों में भारत में पेपर और पेपर उत्पादों के बाजार को चलाने की उम्मीद है। दिलचस्प बात यह है कि पेपर उद्योग का केंद्र भी अधिक पर्यावरण के अनुकूल सामान और प्रौद्योगिकी की ओर बढ़ रहा है। पेपर उद्योग के लिए एक बड़ा अवसर है, क्योंकि भारत में एकल-उपयोग प्लास्टिक बाजार 80000 करोड़ रुपए (लगभग) के करीब है। इसके अलावा कागज उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। नए उत्पादों में नवीनता के साथ स्थिर कच्चे माल की कीमतें जो अधिक चमकदार और मजबूत हैं, यह 100 प्रतिशत पुन: प्रयोज्य भविष्य के उत्पाद में और अधिक निवेश करने के लिए उद्यमियों को प्रभावित करेगा।

Media Coverage

ગુજરાત ટુડે

બુધવાર ૨૭-૧૧-૨૦૧૯

આગામી વર્ષોમાં ભારતીય પેપર ઉદ્યોગનો વૃદ્ધિદર વધવાની શક્યતા

વિશ્વનો સૌથી મોટો પેપર શૉ ૩થી ૬ ડિસેમ્બર સુધી દિલ્હીમાં યોજાશે

અમદાવાદ, તા.૨૬

ભારતીય પેપર ઉદ્યોગ આગામી પાંચ વર્ષમાં ૧૨ ટકાના વાર્ષિક વૃદ્ધિદર નોંધાવે તેવી શક્યતાઓ છે. આ વૃદ્ધિદરને કારણે વર્ષ ૨૦૨૪૨૫ સુધીમાં સમગ્ર પેપર વપરાશ ૨૪ મિલિયન ટનનો થાય તેવી ધારણા છે. હાલમાં આ વપરાશ વાર્ષિક ૧૫ મિલિયન ટનનો છે. વિશ્વનો સૌથી મોટો પેપર શૉ 'પેપરેક્સ ૨૦૧૯' તા.૩ ડિસેમ્બર ૨૦૧૯થી તા.૬ ડિસેમ્બર ૨૦૧૯ નવી દિલ્હીમાં યોજાઈ રહ્યો છે. પેપરેક્સ ૨૦૧૯નું ઉદ્‌ઘાટન કેન્દ્રિય માર્ગ, પરિવહન અને હાઈવેઝ વિભાગના મંત્રી નીતિન ગડકરીના હસ્તે થશે. આ વર્ષે પેપરેક્સ ૨૦૧૯માં ગુજરાતનું વિશેષ પેવિલિયન પણ પ્રથમવાર રાખવામાં આવ્યું છે. *

India's Paper industry likely to acquire 25% market share of single use plastics market by 2025

By: PTI | Published: December 8, 2019 1:47:59 PM

"Paper industry is going through the transformation phase and now the paper industry uses less power and water due to technological changes. Cost of production of recycled paper is at least 30 to 40 per cent cheaper depending upon the location than the recycled plastic," J P Narain, VP, Indian Paper & Manufacturers Association and CEO of Century Paper said.

Advertisement

EXPAND

The most powerful MacBook ever.

Available Now

MacBook Pro

HDFC BANK

₹2000* cashback on HDFC Bank Debit and Credit Cards.

Calculate your post-Budget 2019 tax liability with our comprehensive income tax calculator

T A X

Calculate Now

SAY YES TO PAPER

LUCKNOW: At the world's largest paper fair organised by Hyve India, 100% subsidiary of Hyve Group Plc, London, a study on the environmental issues related to single-use plastic vis-à-vis packing paper was deliberated in detail. Sanjeev Batra, director, Hyve India said, "Say yes to paper. Paperex 2019 urges the common man to save the environment and how this essential commodity's use in our everyday life can reduce pollution and promote recycling."

HTC

Media Coverage

The World News Monitor
Business Information for Sustainable Development

Paper Industry Can Capture 25% Of Rs 80,000 Crore Single-Use Plastics

Bloomberg Quint | Dec 8, 2019 at 2:10 PM

- Packaging accounts for a third of India's plastic consumption, and 70 percent of plastic packaging is turned into waste in a short span.
- More importantly, average cost of recycling of paper is Rs 32 per kilogram– Rs 20 for cost of collecting paper trash and Rs 12 conversion cost.

3 दिसम्बर को दिल्ली में आयोजित होगा पेपर शो 'पेपर-एक्स 2019'

देहरादून। 'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। समारोह में बोलते हुए, श्री जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, ''पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और कुछ बड़ी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही हैं- विशिष्ट मांग। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024-25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। मेरा मानना है कि उद्योग के भीतर एक समेकन होगा और हम अधिक खिलाड़ियों को एक-दूसरे के पूरक के लिए विलय और अधिग्रहण गतिविधि करते देखेंगे। चूंकि यह एक जनशक्ति संचालित उद्योग है, इसलिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दोनों ही नौकरियां पैदा होंगी। राष्ट्र के विकास में योगदान करते हुए, भारत के गुणवत्ता वाले कागज निर्माता मुद्रण, लेखन, पैकेजिंग, प्रकाशन, नोटबुक और स्टेशनरी क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करते हैं।''गॉर्डन पायने, क्षेत्रीय निदेशक- एशिया हैइव ग्रुप पीएलसी ने कहा, ''पेपर-एक्स आपके लिए खुद को देखने के लिए, नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुराने परिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है। भारत को कागज और संबद्ध उद्योगों के ऐसे प्रमुख प्रदर्शन की मेजबानी करने के लिए सही गर्व होना चाहिए जो दुनिया को इस वास्तविक रूप से उद्यमी देश की तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करता है। 14 वीं पेपर-एक्स इंटरनेशनल प्रदर्शनी दुनिया का सबसे बड़ा पेपर शो है। इस साल पेपर-एक्स 2019 सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है, जिसमें 28 देशों के 700 लीडिंग एग्जीबिटर्स मौजूद हैं।

Media Coverage

they happen.

No Thanks | Yes Please

JUST IN Harsimrat-led panel clears Rs 271-cr projects to boost food processing

You are here: Home » Economy & Policy » News

MITSUBISHI ELECTRIC
Changes for the Better
PARTNERING INDIA'S DREAM TO BE NO.1
DISCOVER

India's overall paper consumption likely to increase to 24 MT in FY'25

The industry is witnessing a transformation and several industry leaders are investing in capex to expand their capacity to meet the expected demand growth

Press Trust of India | New Delhi
Last Updated at November 25, 2019 23:14 IST

MARUTI SUZUKI ARENA
PRESENTING THE RANGE OF AUTOMATIC CARS
KNOW MORE

Beyond Business

Dale Carnegie
Recognizing Inn
and Leadership
Development si
4th December 201

LATEST NEWS

IN THIS SECTION

GDP growth
there be som

पेपरेक्स प्रदर्शनी में पर्यावरण बचाने पर जोर

नयी दिल्ली। हेवे इण्डिया ने पर्यावरणीय उपयोग से संबंधित एक विषय पर एक अध्ययन प्लास्टिक विज़ ए विज़ पैकिंग पेपर के बारे में विस्तार से जानकारी दी है। कम्पनी के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कागज़ अपनाओ, मौलिक और तकनीकी क्रांति के कारणए आज हम जो 100 प्रतिशत कागज का उत्पादन करते हैं, वह पुनर्नवीनीकरण और बायोडिग्रेडेबल है। पेपरेक्स 2019 ने पर्यावरण को बचाने के लिए आम आदमी पर जोर दिया और हमारे रोजमर्रा के जीवन में इस आवश्यक वस्तु का उपयोग प्रदूषण को कम करने और पुनर्चक्रण को बढ़ावा दे सकता है। आजए कागज के उपयोग को पर्यावरण पर प्रभाव के रूप में नहीं माना जा रहा हैए जबकि शिक्षा में कागज के उपयोग को भी फिर से महत्व दिया जा रहा है। यह इस तथ्य से सराहना और अच्छी तरह से स्वीकार किया जा रहा है कि डिजिटल माध्यम के बजाय कागज से अध्ययन करने पर अवधारण स्तर बहुत अधिक है। पेपरेक्स 2019 में हमने इस सेगमेंट में ट्रेड विजिटर से अधिकतम ट्रैक्शन देखा है। हमने आम उपभोक्ता के हित को भी देखा है जो नए उत्पादों को सीखना और अनुभव करना चाहते हैं जो प्लास्टिक की तरह मजबूत हैं और खाद्य क्षेत्र में प्लास्टिक के लिए बेहतर विकल्प हैं।

Media Coverage

BREAKING NEWS
Kicking Gender Boundaries

NEW DELHI TIMES

TRENDING

Press Release

Paperex 2019- World's Largest Paper Show

By New Delhi Times Bureau on November 26, 2019

Paperex

The Indian Paper Industry

Paper is human innovation & a wonderful product. It is hard to imagine what life would be like without paper. Despite the technological revolution leading to increased computerization of operations, paper still holds on to its instance and has become an essential commodity of our everyday life.

India is the largest growing paper market in the world and globally the focus of foreign paper manufacturers. India's share in world production of paper is about 3.7%, with estimated production of over 17-million tpa. The industry provides direct employment to 0.5-million people, and around 1.5-million indirectly.

Future looks more promising as the domestic demand is on the rise. The per capita paper consumption in India is currently around 14-kgs, while the global average is 57-kgs. This is projected to increase to at least 17-kgs by 2024-25 (IPMA). The annual turnover of the paper industry is estimated to be US$ 8.6 bn. to $ 13.4 billion by 2024, exhibiting a CAGR of 7.8% during 2019-2024.

The paper industry is changing, undergoing and developing with exciting prospects for new growth. The industry is going through the most substantial transformation it has seen in many decades. Packaging is growing all over the world, along with tissue papers, and pulp for hygiene products.

The Paper Industry – Cultivating More Trees for Sustainable Growth

Election Commission extends last date of online verification of voter ID cards

xXx : The Return of Xander Cage to be promoted in India by Vin Diesel

The need for Moral Education

TWITTER

Tweets by @NewDelhiTimes

New Delhi Times @NewDelhiTimes
Kicking Gender Boundaries
newdelhitimes.com/kicking-gender...

5h

New Delhi Times @NewDelhiTimes
Congress nominates MLA Nana Patole as party's candidate for Maharashtra Assembly Speaker's election newdelhitimes.com/congress-

प्लास्टिक का कहीं बेहतर विकल्प है पेपरः हायवे इंडिया

भास्कर न्यूज | चंडीगढ़

आज बाजार में कई तरह के नए पेपर उपलब्ध हैं जो कि प्लास्टिक का बेहतर विकल्प साबित हो रहे हैं। इस संबंध में हायवे इंडिया ने दुनिया के सबसे बड़े पेपर फेयर का आयोजन किया और इस दौरान कई तरह के पेपर को प्रस्तुत किया गया। पैकिंग पेपर भी काफी ध्यान दिया गया। हायवे इंडिया के डायरेक्टर संजीव बत्रा ने कहा कि कागज को स्वीकार करने की जरूरत है क्योंकि आज हम जो 100 प्रतिशत कागज का उत्पादन करते हैं, वह रिसाइकलेबल और बायोडिग्रेडेबल है। जे पी

Media Coverage

BT ECONOMY CORPORATE MARKETS MONEY INDUSTRY TECH OPINION PHO

Paper industry to capture 25% market share of Rs 80,000 crore single-use plastics by 2025

The single-use plastic industry is close to Rs 80,000 crore right now and growing. Packaging accounts for a third of India's plastic consumption, and 70 per cent of plastic packaging is turned into waste in a short span

PTI Last Updated: December 8, 2019 | 15:44 IST

3 को दिल्ली में आयोजित होगा पेपर शो 'पेपर-एक्स 2019'

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून, । 'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बडी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। समारोह में बोलते हुए, श्री जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, ''पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और कुछ बडी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही हैं- विशिष्ट मांग। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024-25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। मेरा मानना है कि उद्योग के भीतर एक समेकन होगा और हम अधिक खिलाडियों को एक-दूसरे के पूरक के लिए विलय और अधिग्रहण गतिविधि करते देखेंगे। चूंकि यह एक नौकरियां पैदा होंगी। राष्ट्र के विकास में योगदान करते हुए, भारत के गुणवत्ता वाले कागज निर्माता मुद्रण, लेखन, पैकेजिंग, प्रकाशन, नोटबुक और स्टेशनरी क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करते हैं।''गॉर्डन पायने, क्षेत्रीय निदेशक-एशिया हैइव ग्रुप पीएलसी ने कहा, ''पेपर-एक्स आपके लिए खुद को देखने के लिए, नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुराने परिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है। भारत को कागज और संबद्ध उद्योगों के ऐसे प्रमुख प्रदर्शन की मेजबानी करने के लिए सही गर्व होना चाहिए जो दुनिया को इस वास्तविक रूप से उद्यमी देश की तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करता है। 14 वीं पेपर-एक्स इंटरनेशनल प्रदर्शनी दुनिया का सबसे बडा पेपर शो है। इस साल पेपर-एक्स 2019 सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है, जिसमें 28 देशों के 200

Media Coverage

Paper Industry Can Capture 25% Of Rs 80,000 Crore Single-Use Plastics

PTI
@PTI_News

Bookmark

Published on December 08 2019, 2:10 PM
Last Updated on December 08 2019, 2:10 PM

Amid a growing debate over impact of single-use plastics on environment, paper offers a sustainable option and can capture a fourth of the Rs 80,000 crore single-use plastics market by 2025, if its use is totally banned by the government, a new study said.

India generated 26,000 tonnes per day of plastic waste in 2017-18, of that only 60 percent was recycled and the rest ended up as litter on roads, in landfills or streams. Single-use plastic industry is close to Rs 80,000 crore right now and growing. Packaging accounts for a third of India's plastic consumption, and 70 percent of plastic packaging is turned into waste in a short span.

While uncollected plastic waste poses a huge threat to species on land and in water, single-use plastic bags and styrofoam containers can take up to 1,000 years to decompose, said a study released at the world's largest paper fair, PAPEREX organised by Hyve India, a 100 percent

પ્રભાત તા. ૨૭-૧૧-૨૦૧૯ બુધવાર

ભારતીય પેપર ઉદ્યોગ આગામી પાંચ વર્ષમાં ૧૨ ટકાનો વાર્ષિક વૃદ્ધિદર નોંધાવે તેવી શક્યતા

ભારતીય પેપર ઉદ્યોગ આગામી ચ વર્ષમાં ૧૨ ટકાના વાર્ષિક દ્ધિદર નોંધાવે તેવી શક્યતાઓ છે. વૃદ્ધિદરને કારણે વર્ષ ૨૦૨૪-પ સુધીમાં સમગ્ર પેપર વપરાશ ૨૪ લિયન ટનનો થાય તેવી ધારણા . હાલમાં આ વપરાશ વાર્ષિક ૧૫ લિયન ટનનો છે.

વિશ્વનો સૌથી મોટો પેપરશો પરેક્સ ૨૦૧૯ તા. ૩ ડિસેમ્બર ૦૧૯?? તા. ૬ ડિસેમ્બર ૨૦૧૯ ી દિલ્હીમાં યોજાઈ રહ્યો છે. પરેક્સ ૨૦૧૯??? ઉદ્ઘાટન ન્દ્રિય માર્ગ, પરિવહન અને હાઈવેઝ

કેટલીક મોટી લિસ્ટેડ કંપનીઓ ભાગ લઈ રહી છે. વિશ્વનાં સૌથી મોટા પેપર શોમાં આ વર્ષ પ્રથમવાર ૭૦૦ એમએસએમઈ નવી કંપનીઓ / ટ્રેડર્સ પણ ભાગ લેશે.

ગુજરાતમાં હાલમાં ૧૨૨ કાર્યરત મિલ્સ છે જે વાર્ષિક ૬૨ લાખ ટન જેટલા કાગળનું ઉત્પાદન કરે છે.

દેશમાં પેપરનું સૌથી વધુ ઉત્પાદન ગુજરાતમાં

અંદાજે ૫૦ મિલિયન જેટલા લોકો પ્રત્યક્ષ અથવા અપ્રત્યક્ષ રી રોજગારી પૂરી પાડે છે.

હાઈવ ઈન્ડિયાનાં ડાયરેક્ટર બિઝનેસ ડેવલપમેન્ટ શ્રી ગ સહાનીએ જણાવ્યું હતું કે "૧૪ પેપરેક્સ ઈન્ટરને શન એક્ઝિબિશન વિશ્વનો સૌથી મો પેપર શો છે. પેપરેક્સ તે પેપર ઉદ્યો માટેનું યુનિફાઈડ બિઝનેસ પ્લેટફો છે. આ વર્ષ પેપરેક્સમાં ૨૮ દેશો ૭૦૦ થી વધુ ટોચનાં એક્ઝિબિટ ભાગ લઈ રહ્યા છે. પેપરેક્સમ ભારતમાંથી સૌથી વધુ વિઝિટર્સ આ

Media Coverage

Gadkari pitches for reducing paper imports

Press Trust of India | New Delhi
Last Updated at December 3, 2019 17:30 IST

Shenzhen Intl Import Fair 2020
3,000 Large Exhibitors and 150K+ Professional Buyers from Overseas will Join the SIIF.
Shenzhen Intl Import Fair
OPEN

ALSO READ

Rama Pulp and Paper fixes Record date for share consolidation

Shree Ajit Pulp and Paper get reaffirmation in credit ratings

Finnish paper giant invests $2.7 bln to build Uruguay mill

Shree Ajit Pulp and Paper consolidated net profit declines 40.20% in the June 2019 quarter

Shree Ajit Pulp and Paper consolidated net profit declines 13.04% in the September 2019 quarter

India needs to discourage large-scale paper imports to boost the domestic paper industry, Union Minister Nitin Gadkari said on Tuesday.

The MSME minister also pitched for use of bamboo as a raw material by the industry as different types of papers can be made using bamboo. The government has allocated Rs 1,300 crore towards 'Bamboo Mission', he said.

"India is witnessing large-scale paper imports despite the presence of diversified paper sector in the country. I am especially concerned about the growth prospects of small scale paper and pulp industries, an important part of MSME sector.

"The imports in paper sector need to be discouraged while exports should be enhanced to support the domestic industry," Gadkari said in a video message at the inauguration of Paperex 2019.

कागद उद्योगाला सुगीचे दिवस

२०२४-२५ पर्यंत २.४ कोटी टनावर पोहचेल वापर

दिल्ली. भारतीय कागद उद्योगाला सध्या सुगीचे दिवस आले असून देशातील कागद उद्योग सरासरी वार्षिक १२ टक्क्यांच्या दराने वाढू शकते आणि आणि याचबरोबर पुढील पाच वर्षांत म्हणजेच २०२४-२५ पर्यंत कागदाचा घरगुती वापर २.४ कोटी टनावर पोहचण्याचा अंदाज आहे. कागद उत्पादक संघटना इंडियन पेपर अँड मॅन्यूफॅक्चरर्स असोसिशएनच्या एका प्रसिद्धीपत्रकानुसार, सद्यस्थितीत कागदाचा वापर १.५ कोटी टन एवढा आहे. राजधानीत पुढील आठवड्यात आयोजित करण्यात आलेल्या कागद उद्योग प्रदर्शनी पेपर एक्स २०१९ पूर्वी असोसिएशनचे उपाध्यक्ष आणि सेंचूरी पेपरचे मुख्य कार्यकारी अधिकारी जे. पी. नारायण यांनी प्रसिद्धीपत्रकात म्हटले आहे की, कागद उद्योगात मोठे बदल होत आहे. काही मोठ्या कागद कंपन्या उत्पादन आणि श्रेणी विशेष मागणी पूर्ण करण्यासाठी उत्पादन क्षमतेचा विस्तारकरीत आहे. ते पुढे म्हणाले की, सध्या देशातील कागदाचा एकूण वापर दिड कोटी टन आहे, जो २०२४-२५ पर्यंत वाढून २.४ कोटी टन होण्याचा अंदाज आहे.

कागद उद्योगाची वार्षिक वाढ सुमारे १२ टक्के राहिल, अशी अपेक्षा आहे. पेपरएक्स, कागद उद्योगाशी संबंधित जगातील सर्वात मोठ्या प्रदर्शनीपैकी एक आहे. यावर्षी ही प्रदर्शनी ३ ते ६ डिसेंबरदरम्यान दिल्लीच्या प्रगती मैदानावर आयोजित करण्यात आली आहे. सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग मंत्री नितीन गडकरी यांच्या हस्ते या प्रदर्शनीचे उद्घाटन केले जाईल. कागद उद्योग क्षेत्रातील जागतिक समूह एशिया हाईव्ह ग्रुपचे प्रादेशिक संचालक गार्डन पेनी यांच्या मते, ही प्रदर्शनी उद्योजकांना या उद्योगातील नाविण्यपूर्ण ट्रेंड आणि तंत्रज्ञानाची माहिती मिळवून घेण्यासाठी महत्त्वाची ठरेल. उल्लेखनीय आहे की, या प्रदर्शनीत २८ देशांतील ७०० पेक्षा अधिक कंपन्या सहभागी होतील. प्रदर्शनीत सुमारे ३०,००० व्यवसाय अभ्यागत सहभागी होण्याची अपेक्षा आहे.

दिल्ली में आयोजित होगी दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी

देहरादून/एक्शन इंडिया ब्यूरो

'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है।

चूंकि यह एक जनशक्ति संचालित उद्योग है, इसलिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दोनों ही नौकरियां पैदा होंगी

Media Coverage

3 को दिल्ली में आयोजित होगा पेपर शो 'पेपर-एक्स 2019'

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून, । 'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बडी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। समारोह में बोलते हुए, श्री जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, ''पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और कुछ बडी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही हैं- विशिष्ट मांग। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024-25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढकर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। मेरा मानना है कि उद्योग के भीतर एक समेकन होगा और हम अधिक खिलाडियों को एक-दूसरे के पूरक के लिए विलय और अधिग्रहण गतिविधि करते देखेंगे। चूंकि यह एक जनशक्ति संचालित उद्योग है, इसलिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दोनों ही नौकरियां पैदा होंगी। राष्ट्र के विकास में योगदान करते हुए, भारत के गुणवत्ता वाले कागज निर्माता मुद्रण, लेखन, पैकेजिंग, प्रकाशन, नोटबुक और स्टेशनरी क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करते हैं।''गॉर्डन पायने, क्षेत्रीय निदेशक-एशिया हैइव ग्रुप पीएलसी ने कहा, ''पेपर-एक्स आपके लिए खुद को देखने के लिए, नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुराने परिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है। भारत को कागज और संबद्ध उद्योगों के ऐसे प्रमुख प्रदर्शन की मेजबानी करने के लिए सही गर्व होना चाहिए जो दुनिया को इस वास्तविक रूप से उद्यमी देश की तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करता है। 14 वीं पेपर-एक्स इंटरनेशनल प्रदर्शनी दुनिया का सबसे बडा पेपर शो है। इस साल पेपर-एक्स 2019 सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है, जिसमें 28 देशों के 700 लीडिंग एग्जीबिटर्स मौजूद है।

PTI | DEC 3, 2019, 17:32 IST

BUSINESS INSIDER INDIA

New Delhi, Dec 3 () India needs to discourage large-scale paper imports to boost the domestic paper industry, Union Minister Nitin Gadkari said on Tuesday.

The MSME minister also pitched for use of bamboo as a raw material by the industry as different types of papers can be made using bamboo. The government has allocated Rs 1,300 crore towards 'Bamboo Mission', he said.

"India is witnessing large-scale paper imports despite the presence of diversified paper sector in the country. I am especially concerned about the growth prospects of small scale paper and pulp industries, an important part of MSME sector.

"The imports in paper sector need to be discouraged while exports should be enhanced to support the domestic industry," Gadkari said in a video message at the inauguration of Paperex 2019.

Media Coverage

पैपरेक्स 2019 पेपर उद्योग के लिए एकीकृत व्यापार मंच: गडकरी

Share:

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री नितिन गडकरी नेआज प्रगति मैदान पर पैपरेक्स 2019 की 14वीं अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और कांफ्रेस का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह आयोजन पेपर उद्योग के लिए एकीकृत व्यापार क

Indian Paper Industry is likely to grow @ 12% per annum for next 5 years

Chennai, November 27 : A curtain raiser of 'Paperex 2019', the 14th edition of the World largest international exhibition and conference of the Paper Industry was done in Chennai. There are 59 running mills in Tamilnadu producing close to 31 Lakhs tonne per annum of Paper. Paper exports in last 3 years grew from 660,000 tonne to 15,00,000 tonne from India.

Paper mills are pre-dominantly set up in rural areas, provide large-scale employment and lively hoods directly and indirectly to almost 50 lakhs people, majority are from lower income group of society i.e. marginal farmers, skilled and semi-skilled workers. Keeping in view of rising pollution levels, there is a special Session with in emphasis on environment, Green Chemistry and recycling in the B2B conference within the exhibition.

While speaking at the curtain raiser Mr J P Narain, VP, Indian Paper & Manufacturers Association and CEO of Century Paper said, "Paper industry is going through the transformation phase and few big paper company's are doing expansion to meet their region or product or category-specific demand. Overall paper consumption is projected to increase to 24 million tonnes in 2024-25 from 15 million tonnes currently. I believe there will be a consolidation within the industry and we will see more players doing Merger & Acquistions activity to complement each other. Since it's a manpower driven industry the same will generate jobs both directly and indirectly. Contributing to Nation's development, India's quality paper producers serve the need for Printing, writing, packaging, publishing, notebook and stationery sectors."

Gagan Sahni, Director, Business Development, Hyve India, "The 14th Paperex International Exhibition is the World's largest Paper show. Paperex is a "A Unified Business Platform for Paper Industry" for new business opportunities, joint ventures, investments and technology transfer in paper and allied industries. This year Paperex 2019 is ready to repeat the success story with presence of 700 + Leading Exhibitors from 28 Countries. Paperex, gets one of the highest participation by the business visitor in any show in India. This year Paperex 2019 is ready to repeat the success story with presence of 700 + Leading Exhibitors from 28 Countries. We have two more concurrent Tissue-Ex and Corrugex. Paperex will start in Delhi from 3rd Decmeber 2019 and will be

नई दिल्ली में होगा विश्व का सबसे बड़ा पेपर एक्स2019

ब्यूरो/नवज्योति,जयपुर

विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर- एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 दिसंबर 2019 से 6 दिसंबर 2019 तक आयोजित किया जाना है।

30000 व्यापार आगंतुक के साथ, 29 देशों के 600 से अधिक प्रतिभागियों को भी प्रगति मैदान की पहली बार नई इमारतों का अनुभव होगा। 'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है।

अगले 5 वर्षों के लिए भारतीय पेपर उद्योग में 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की वृद्धि होने की संभावना है और 2024-25 में कुल कागज खपत वर्तमान में 15 मिलियन टन से बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है।

'से यस टु पेपर': સિંગલ યુઝ પ્લાસ્ટીકનાં વિકલ્પ તરીકે પર્યાવરણમિત્ર પેપરનો વપરાશ વધશે

અમદાવાદ

હાઈવ ગ્રુપ, પીએલસી લંડનની સંપૂર્ણ સબસિડયરી હાઈવ ઈન્ડિયા દ્વારા નવી દિલ્હીમાં યોજાઈ રહેલા વિશ્વનાં સૌથી મોટા પેપર ફેર પેપરેક્સ ૨૦૧૯માં સિંગલ યુઝ પ્લાસ્ટીકનાં પર્યાવરણને લગતાં મુદ્દાઓની ચર્ચા હાથ ધરવામાં આવી હતી. આ ચર્ચામાંથી તારવેલા મહત્વનાં મુદ્દાઓમાં આગામી સમયમાં પ્લાસ્ટીકનું સ્થાન પેપર લેશે તેવું જાણવા મળ્યું છે. ગુજરાતમાં હાલમાં ૧૨૨ કાર્યરત મિલ્સ છે જે વાર્ષિક ૬૨ લાખ ટન જેટલા કાગળનું ઉત્પાદન કરે છે. ભારતના કુલ પેપર ઉત્પાદનમાં ગુજરાતનાં ૨૧ ટકાનો હિસ્સો છે. ભારતમાંથી છેલ્લા ત્રણ વર્ષમાં કાગળની નિકાસ વાર્ષિક ૬,૬૦,૦૦૦ ટનથી વધીને ૧૫,૦૦,૦૦૦ ટનની થઈ છે. પેપર અને સંબંધિત ઉદ્યોગો ભારતમાં અંદાજે ૫૦ મિલિયન જેટલા લોકોને પ્રત્યક્ષ અથવા અપ્રત્યક્ષ રીતે રોજગારી પુરી પાડે છે.

હાઈવ ઈન્ડિયાનાં ડાયરેકટર શ્રી સંજીવ બાત્રાનાં જણાવ્યા અનુસાર હવેનો સમય સે યસ ટુ પેપર કહેવાનો છે. મૂળભૂત અને ટેકનોલોજીકલ ક્રાંતિને કારણે આજે આપણે જે પેપરનું ઉત્પાદન કરીએ છીએ તે ૧૦૦ ટકા રિસાયકલેબલ અને બાયોડિગ્રેડેબલ છે. પેપરનાં વપરાશથી આપણે પર્યાવરણને પણ બચાવીએ છીએ. પેપર ઉદ્યોગ થ્રી આર (રિડયુસ, રિયુઝ, અને રિસાયકલ) સિધ્ધાંત પર પ્રદુષણ ઘટાડી રહ્યો છે. જવાબદાર અને માહિતગાર કોર્પોરેટ્સ, એફએમસીજી, ફૂડ ડિલવરી અને ઈકોમર્સ કંપનીઓ પણ રિસાયકલીગ પેપરનાં વપરાશને પ્રાધાન્ય આપી રહી છે.

ઈન્ડિયન પેપર એન્ડ મેન્યુ. એસોસિએશનનાં વાઈસ પ્રેસિડેન્ટ અને સેન્ચુરી પેપરનાં સીઈઓ શ્રી જે પી નારાયણનાં જણાવ્યા અનુસાર "પેપર ઉદ્યોગ પરિવર્તનનાં તબક્કામાંથી પસાર થઈ રહ્યો છે. ટેકનોલોજીકલ પરિવર્તનોને કારણે પેપર ઉદ્યોગ ઓછામાં ઓછો પાવર અને પાણીનો વપરાશ કરે છે. રિસાયકલ્ડ પ્લાસ્ટીક કરતા રિસાયકલ પેપરનો ખર્ચ ૨૦ થી ૨૮ ટકા ઓછો આવે છે. ભારતમાં સિંગલ યુઝ પ્લાસ્ટીકનું બજાર રૂ. ૮૦,૦૦૦ કરોડનું છે, આથી પેપર ઉદ્યોગ માટે વૃધ્ધિની મોટી તક રહેલી છે."

Media Coverage

विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर-एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 से 6 दिसंबर तक होगा आयोजित

जयपुर। विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर- एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 दिसंबर 2019 से 6 दिसंबर 2019 तक आयोजित किया जाना है। 30000 व्यापार आगंतुक के साथ, 29 देशों के 600 से अधिक प्रतिभागियों को भी प्रगति मैदान की पहली बार नई इमारतों का अनुभव होगा। 'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा

रहा है। अगले 5 वर्षों के लिए भारतीय पेपर उद्योग में 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की वृद्धि होने की संभावना है और 2024-25 में कुल कागज खपत वर्तमान में 15 मिलियन टन से बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। समारोह में बोलते हुए गॉर्डन पायने, क्षेत्रीय निदेशक-एशिया हैइव ग्रुप पीएलसी ने कहा, 'पेपर-एक्स आपके लिए खुद को देखने के लिएए नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुराने परिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है। 14 वीं पेपर-एक्स इंटरनेशनल प्रदर्शनी दुनिया का सबसे बड़ा पेपर शो है। इस साल पेपर-एक्स 2019 सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है, जिसमें 28 देशों के 700 से ज्यादा लीडिंग एग्जीबिटर्स मौजूद हैं। समारोह में बोलते हुए, जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, "पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और कुछ बड़ी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही हैं। विशिष्ट मांग।

विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर-एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 से 6 दिसंबर 2019 तक

जयपुर। विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर- एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 दिसंबर 2019 से 6 दिसंबर 2019 तक आयोजित किया जाना है। 30000 व्यापार आगंतुक के साथ, 29 देशों के 600 से अधिक प्रतिभागियों को भी प्रगति मैदान की पहली बार नई इमारतों का अनुभव होगा । 'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। अगले 5 वर्षों के लिए भारतीय पेपर उद्योग में 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की वृद्धि होने की संभावना है और 2024-25 में कुल कागज खपत वर्तमान में 15 मिलियन टन से बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है।

समारोह में बोलते हुए श्री गॉर्डन पायने, क्षेत्रीय निदेशक- एशिया हैइव ग्रप पीएलसी ने कहा, 'पेपर-एक्स आपके लिए खुद को देखने के लिएए नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुराने परिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है। भारत को कागज और संबद्ध उद्योगों के ऐसे प्रमुख ...करने के लिए सही गर्व होना चाहिए जो दुनिया ... से उद्यमी देश की तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित ...र-एक्स इंटरनेशनल प्रदर्शनी दुनिया का सबसे ... साल पेपर-एक्स 2019 सफलता की कहानी ... है, जिसमें 28 देशों के 700 से ज्यादा लीडिंग

... हुए, श्री जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड ...एशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, ... के दौर से गुजर रहा है और कुछ बड़ी पेपर ... उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार ...ग। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024- ... कागज की खपत बढ़कर 24 मिलियन टन होने

विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर-एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 से 6 दिसंबर 2019 तक

जयपुर। विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर-एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 दिसंबर 2019 से 6 दिसंबर 2019 तक आयोजित किया जाना है। 30000 व्यापार आगंतुक के साथ, 29 देशों के 600 से अधिक प्रतिभागियों को भी प्रगति मैदान की पहली बार नई इमारतों का अनुभव होगा ।

'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। अगले 5 वर्षों के लिए भारतीय पेपर उद्योग में 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की वृद्धि होने की संभावना है और 2024-25 में कुल कागज खपत वर्तमान में 15 मिलियन टन से बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है।

समारोह में बोलते हुए श्री गॉर्डन पायने, क्षेत्रीय ... एक्स आपके लिए खुद को देखने के लिएए नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुराने परिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है। भारत को कागज और संबद्ध उद्योगों के ऐसे प्रमुख प्रदर्शन की मेजबानी करने के लिए सही गर्व होना चाहिए, जो दुनिया के इस शानदार रूप से उद्यमी देश की तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करता है। 14 वीं पेपर-एक्स इंटरनेशनल प्रदर्शनी दुनिया का सबसे बड़ा पेपर शो है। इस साल पेपर-एक्स 2019 सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है, जिसमें 28 देशों के 700 से ज्यादा लीडिंग एग्जीबिटर्स मौजूद हैं।

समारोह में बोलते हुए, श्री जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन और ... के दौर से गुजर रहा है और कुछ बड़ी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही हैं विशिष्ट मांग।

वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024-25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। मेरा मानना है कि उद्योग के भीतर एक समेकन होगा और हम अधिक खिलाड़ियों को एक-दूसरे के पूरक के लिए विलय और अधिग्रहण गतिविधि करते देखेंगे। चूंकि यह एक जनशक्ति संचालित उद्योग है, इसलिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दोनों ही नौकरियां पैदा होंगी। राष्ट्र के विकास में योगदान करते हुए, भारत के गुणवत्ता वाले कागज निर्माता मुद्रण, लेखन, पैकेजिंग, प्रकाशन, नोटबुक और स्टेशनरी क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा

અવધ ટાઇમ્સ
અમરેલી ૦૯ તા.૨૭-૧૧-૨૦૧૯ બુધવાર

ભારતીય પેપર ઉદ્યોગ આગામી પાંચ વ... ટકાનો વાર્ષિક વૃદ્ધિદર નોંધાવે તેવી શક્યતા

Media Coverage

Business | India Business | International Business | Sensex | Photos | Videos | GST | Budget | Tax Calculator | FAQs

Budget | IFSC | PAN Card | Aadhaar Card | IPO | Income Tax | Savings Growth Calculator | Income Tax S

NEWS / BUSINESS NEWS / INDIA BUSINESS NEWS / PAPER INDUSTRY TO CAPTURE 25 PC MARKET SHARE OF RS 80,000 CR SINGLE U

TOP SEARCHES: Nirmala Sitharaman | SBI IFSC Code | Sensex Today | Air India | Mukesh Ambani | Ratan T

Paper industry to capture 25 pc market share of Rs 80,000 cr single use plastics by 2025

PTI | Dec 8, 2019, 12:47 IST

A- A+

Ad
3 & 4 nights Cruises from Singapore starting at 34,000/-INR
Tirun

TOI

New Delhi, Dec 8 () Amid a growing debate over impact of single use plastics on environment, paper offers a sustainable option and can capture a fourth of the Rs 80,000 crore single use plastics market by 2025, if its use is totally banned by the government, a new study said.

ਦੁਨੀਆਂ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਪੇਪਰ ਸੋਅ ਪੇਪਰ ਐਕਸ 2019 ਤੋਂ ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ 3 ਤੋਂ 6 ਦਸੰਬਰ ਤੱਕ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ

ਚੰਡੀਗੜ, 26 ਨਵੰਬਰ (ਪ.ਪ.): ਪੇਪਰ ਐਕਸ 2019, ਦੁਨੀਆਂ ਦੀ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੀ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪੇਪਰ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨੀ ਤੇ ਸਮਾਗਮ ਦਾ 14ਵਾਂ ਐਡਿਸ਼ਨ ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਹੋਣ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸ੍ਰੀ ਗਾਰਡਨ ਪਾਯਨੇ, ਖੇਤਰੀ ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ - ਏਸੀਆ ਹੈਡ ਤੇ ਗਰੁਪ ਪੀਐਲਸੀ ਨੇ ਕਿਹਾ, ਪੇਪਰ ਐਕਸ ਤਹਾਡੇ ਲਈ ਖੁਦ ਨੂੰ ਦੇਖਣ ਲਈ, ਨਵੀਨਤਮ ਰੁਝਾਨਾਂ ਤੇ ਪ੍ਰੌਦੋਗਿਕੀਆਂ, ਨਵੇਂ ਵਪਾਰਕ ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਮਿਲਣ ਤੇ ਪਹਿਲਾਂ ਤੋਂ ਜਾਣੂੰ ਦਾ ਨਵੀਨੀਕਰਨ ਕਰਨ ਦਾ ਇਕ ਵਧੀਆ ਮੌਕਾ ਹੈ। ਭਾਰਤ ਨੂੰ ਕਾਗਜ ਤੇ ਸਬੰਧਿਤ ਉਦਯੋਗਾਂ ਦੇ ਅਜਿਹੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਦੀ ਮੇਜਬਾਨੀ ਕਰਨ ਦਾ ਮਾਣ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਦੁਨੀਆਂ ਨੂੰ ਇਸ ਅਸਲੀ ਰੂਪ ਨਾਲ ਉਦਮੀ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਨੂੰ ਦਰਸਾਉਂਦਾ ਹੈ। 14ਵੀਂ ਪੇਪਰ ਐਕਸ ਇੰਟਰਨੈਸ਼ਨਲ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨੀ ਦੁਨੀਆਂ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਪੇਪਰ ਸੋਅ ਹੈ। ਇਸ ਸਾਲ ਪੇਪਰ ਐਕਸ 2019 ਸਫਲਤਾ ਦੀ ਕਹਾਣੀ ਦਹੁਰਾਉਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਿਚ 28 ਦੇਸਾਂ ਦੇ 700+ ਟਾਪ ਐਗਜੀਬਿਟਰਸ ਮੌਜੂਦ ਹਨ। ਪੇਪਰ ਐਕਸ ਨਵੇਂ ਵਪਾਰ ਦੇ ਮੌਕਿਆਂ, ਸਾਂਝੇ ਉਦਯੋਗਾਂ ਤੇ ਪ੍ਰੌਦੋਗਿਕੀ ਦਖਲ ਅੰਦਾਜੀ ਕਾਗਜ ਤੇ ਸਬੰਧਿਤ ਉਦਯੋਗਾਂ ਵਿਚ ਪੇਪਰ ਉਦਯੋਗ ਦੇ ਲਈ ਇਕ ਸਾਂਝਾ ਵਪਾਰਕ ਮੰਚ ਹੈ। ਇਸ ਸਾਲ ਪੇਪਰ ਐਕਸ 2019, 28 ਦੇਸਾਂ ਦੇ 700+ ਮੋਹਰੀ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਮੌਜੂਦਗੀ ਦੇ ਨਾਲ ਸਫਲਤਾ ਦੀ ਕਹਾਣੀ ਦਹੁਰਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ। ਪੇਪਰ ਐਕਸ, ਨੂੰ ਭਾਰਤ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਸੋਅ ਵਿਚ ਵਪਾਰ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਸਭ ਨਾਲੋਂ ਜਿਆਦਾ ਭਾਗੀਦਾਰੀ ਮਿਲੀ ਹੈ। ਸਾਡੇ ਕੋਲ ਦੋ ਹੋਰ ਕੌਨ-ਕਰੰਟ ਟ੍ਰਿਊ-ਐਕਸ ਤੇ ਸਾਡੇ। ਕਾਰੂਗੋਸ ਹਨ। ਪੇਪਰ ਐਕਸ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ 3 ਦਸੰਬਰ ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਵੇਗਾ ਤੇ ਵਿਅਕਤੀਗਤ ਤੇ ਵਪਾਰਕ ਤੌਰ ਤੇ ਆਉਣ ਜਾਣ ਵਾਲਿਆਂ ਲਈ ਸਵੇਰੇ 10 ਵਜੇ ਤੋਂ ਸਾ ਮ 6 ਵਜੇ ਤੱਕ 6 ਦਸੰਬਰ ਤੱਕ ਖੁੱਲਾ ਰਹੇਗਾ।

दिल्ली में आयोजित होगा पेपर शो 'पेपर-एक्स 2019'

देहरादून। 'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। समारोह में बोलते हुए, श्री है। मेरा मानना है कि उद्योग के भीतर एक समेकन होगा और हम अधिक खिलाड़ियों को एक-दूसरे के पूरक के लिए विलय और अधि ग्रहण गतिविधि करते देखेंगे। चूंकि देखने के लिए, नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुराने परिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है। भारत को कागज

'PAPEREX2019' TO BE ORGANIZED

Chandigarh: A curtain raiser of 'Paperex 2019', the 14th edition of the World largest international exhibition and conference of the Paper Industry was done with Gordon Payne, Regional Director- Asia Hyve Group PLC saying it is a chance to see the latest trends and technologies, to meet with new business partners and to renew old acquaintances. The 14th Paperex International Exhibition is the World's largest Paper show. This year Paperex 2019 will have a presence of 700 plus leading exhibitors from 28 countries.

Media Coverage

Prokeraia.com

HOME SPORTS MOVIES ENTERTAINMENT PHOTOS NATIONAL INTERNATIONAL VIDEO

Home → Latest News

14th International Technical Conference and Exhibition on Pulp, Paper and Allied Industry

Published on Tue, Dec 3 2019 17:15 IST | 64 Views

New Delhi: Paper directory being released by JK Paper MD Harsh Pati Singhania accompanied by other dignitaries, releases Paperex Event Book during 14th International Technical Conference and Exhibition on Pulp, Paper and Allied Industry at Pragati Maidan in New Delhi on Dec 3, 2019.

ਪਲਾਸਟਿਕ, ਤਕਨੀਕੀ ਬਦਲਾਅ ਅਤੇ ਗੈਸਾਈਕਲਿੰਗ ਦੀ ਸੋਲੋ ਵਰਤੋਂ ਦੇ ਰੂਪ 'ਚ ਵਾਤਾਵਰਨ ਨੂੰ ਵੱਡੇ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਕਰਨ 'ਚ ਮਦਦ ਮਿਲੇਗੀ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 6 ਦਸੰਬਰ (ਐਸ.ਡੀ. ਮੀਡੀਆ)- ਹਾਯਵੇ ਇੰਡੀਆ ਵੱਲੋਂ ਆਯੋਜਿਤ ਦੁਨੀਆਂ ਦੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੇ ਕਾਗਜ਼ੀ ਮੇਲੇ 'ਚ ਹਾਯਵੇ ਗਰੁੱਪ ਪੀਐਲਸੀ, ਲੰਡਨ ਦੀ 100 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਸਹਾਇਕ ਕੰਪਨੀ, ਨੇ ਪਰਿਆਵਰਣ ਉਪਯੋਗ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਇੱਕ ਵਿਸ਼ੇ 'ਤੇ ਇੱਕ ਅਧਿਅਨ ਪਲਾਸਟਿਕ ਵਿਜ-ਏ-ਵਿਜ ਪੈਕਿੰਗ ਪੇਪਰ ਦੇ ਬਾਰੇ 'ਚ ਵਿਸਥਾਰ ਨਾਲ ਦੱਸਿਆ। ਹਾਯਵੇ ਇੰਡੀਆ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ ਸ਼੍ਰੀ ਸੰਜੀਵ ਬੱਤਰਾ ਨੇ ਕਿਹਾ, SAY YES TO PAPER ਮੰਤਿਕ ਅਤੇ ਤਕਨੀਕੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੇ ਕਾਰਨ, ਅੱਜ ਅਸੀਂ ਜੋ 100 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਕਾਗਜ਼ ਦਾ ਉਤਪਾਦਨ ਕਰਦੇ ਹਾਂ, ਉਹ ਦੁਬਾਰਾ ਨਵੀਨੀਕਰਣ ਅਤੇ ਬਾਯੋਡਿਗ੍ਰੇਡੇਬਲ ਹੈ। ਪੇਪਰਐਕਸ-2019 ਨੇ ਪਰਿਆਵਰਣ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਆਮ ਆਦਮੀ 'ਤੇ ਜੋਰ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਰੋਜਾਨਾ ਦੇ ਜੀਵਨ 'ਚ ਇਸ ਜ਼ਰੂਰੀ ਵਸਤੂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ

ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕਰਨ ਅਤੇ ਗੈਸਾਈਕਲਿੰਗ ਨੂੰ ਹੁਲਾਰਾ ਦੇ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਅੱਜ, ਕਾਗਜ਼ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਪਰਿਆਵਰਣ 'ਤੇ ਪ੍ਰਭਵ ਦੇ ਰੂਪ 'ਚ ਨਹੀਂ ਮੰਨਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਸਿੱਖਿਆ 'ਚ ਕਾਗਜ਼ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਫਿਰ ਤੋਂ ਮਹੱਤਵ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਹ ਇਸ ਤੱਥ ਨਾਲ ਸ਼ਲਾਘਾ ਅਤੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਮੰਨਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਡਿਜੀਟਲ ਮਾਧਿਅਮ ਦੀ ਬਜਾਏ ਕਾਗਜ਼ ਨਾਲ ਅਧਿਅਨ ਕਰਨ 'ਤੇ ਅਵਧਾਰਣਾਂ ਪੱਧਰ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ। ਪੇਪਰਐਕਸ 2019 'ਚ ਅਸੀਂ ਇਸ ਸੈਗਮੈਂਟ 'ਚ ਟ੍ਰੇਡ ਵਿਜੀਟਰ ਨਾਲ ਜ਼ਿਆਦਾ ਟ੍ਰੈਕਸ਼ਨ ਦੇਖਿਆ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਆਮ ਉਪਭੋਗਤਾ ਦੇ ਹਿੱਤ ਨੂੰ ਵੀ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਨਵੇਂ ਉਤਪਾਦਾਂ ਨੂੰ ਸਿੱਖਣਾ ਅਤੇ ਅਨੁਭਵ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਪਲਾਸਟਿਕ ਦੀ ਤੁਰ੍ਹਾਂ ਮਜ਼ਬੂਤ ਹਨ ਅਤੇ ਖਾਦ ਖੇਤਰ 'ਚ ਪਲਾਸਟਿਕ ਦੇ ਲਈ ਬਿਹਤਰ ਵਿਕਲਪ ਹਨ। ਪੇਪਰ ਉਦਯੋਗ 3ਆਰ (ਘੱਟ, ਮੁੜ ਵਰਤੋਂ ਅਤੇ ਰੀਸਾਈਕਲ) ਸਿਧਾਂਤ ਨਾਲ ਵੇਟਿਗ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਐਫਐਮਸੀਜੀ, ਖਾਦ ਡਿਸਟ੍ਰੀਬਿਊਸ਼ਨ ਅਤੇ ਈਕਾਮਰਸ ਕੰਪਨੀਆਂ ਦੇ ਜਿੰਮੇਦਾਰ ਅਤੇ ਸੂਚਿਤ ਕਾਰਪੋਰੇਟਸ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੂਪ ਨਾਲ ਰੀਸਾਇਕੌਲਿੰਗ ਪੇਪਰ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਨਿਯਮਿਤ ਪੈਕਿੰਗ ਜ਼ਰੂਰਤਾਂ 'ਚ ਸੋਲੋ ਵਰਤੋਂ ਪਲਾਸਟਿਕ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਖਮ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਉੱਚ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ਾਂ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ।

पेपर शो पेपर-एक्स 2019 नई दिल्ली में 3 दिसम्बर से

चंडीगढ़, 29 नवम्बर (ब्यूरो) : 'पेपर- एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। श्री गॉर्डन पायने, क्षेत्रीय निदेशक- एशिया हैड व ग्रुप पीएलसी ने कहा, पेपर-एक्स आपके लिए खुद को देखने के लिए, नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुरानेपरिचितों को कहानी दोहराने के लिए तैयार है,जिसमें 28 देशों के 700 + लीडिंग एग्जीबिटर्स मौजूद हैं। पेपर-एक्स नए व्यवसाय के अवसरों, संयुक्त उद्यमों, निवेश और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए कागज और संबद्ध उद्योगों में पेपर उद्योग के लिए एक एकीकृत व्यापार मंच है। इस वर्ष, पेपर-एक्स2019 28 देशों के 700 + अग्रणी प्रदर्शकों की उपस्थिति के साथ सफलता की कहानी दोहराने के लिए

Media Coverage

दिल्ली में आयोजित किया जाएगा 'पेपर-एक्स 2019'

• परिवर्तन के दौर से गुजर रहा उद्योगः जेपी

नई दिल्ली। 'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है।

सेंचुरी पेपर के सीईओ एवं वीपी इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के जेपी नारायण ने कहा कि पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और कुछ बड़ी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही है। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024-25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। उद्योग के भीतर एक समेकन ...

... विलय और अधिग्रहण गतिविधि करते देखेंगे। यह एक जनशक्ति संचालित उद्योग है, इसलिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दोनों ही नौकरियां पैदा होंगी।

वहीं, एशिया हैड्व ग्रुप पीएलसी के क्षेत्रीय निदेशक गॉर्डन पायने ने कहा कि पेपर-एक्स आपके लिए खुद को देखने, नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुराने परिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है। भारत को कागज और संबद्ध उद्योगों के ऐसे ...

டெல்லியில் டிசம்பர் 3 முதல் 6 வரை உலகின் மிகப்பெரிய பேப்பர்ஷோ 'பேப்பரெக்ஸ் 2019'

சென்னை, நவ. 28 உலகின் மிகப்பெரிய சர்வதேச கண்காட்சியின் 14 வது பதிப்பான 'பேப்பரெக்ஸ் 2019' இன் திரைச்சீலை மற்றும் காகிதத் தொழிலின் மாநாடு சென்னையில் செய்யப்பட்டது. தமிழ் நாட்டில் 59 இயங்கும் ஆலைகள் ஆண்டுக்கு 31 லட்சம் டன் உற்பத்தி செய்கின்றன. கடந்த 3 ஆண்டுகளில் காகித ஏற்றுமதி இந்தியாவில் இருந்து 660,000 டன்னிலிருந்து 15,00, 000 டன்னாக அதிகரித்துள்ளது.

காகித ஆலைகள் கிராமப்புறங்களில் ஆதிக்கம் செலுத்துகின்றன, பெரிய அளவிலான வேலைவாய்ப்பு மற்றும் உயிரோட்டமான ஹூலிட்களை கிட்டத்தட்ட 50 லட்சம் மக்களுக்கு நேரடியாகவும் மறைமுகமாகவும் வழங்குகின்றன, பெரும்பான்மையானவர்கள் சமூகத்தின் குறைந்த வருமானம் கொண்டவர்கள், அதாவது குறு விவசாயிகள், திறமையான மற்றும் அரை திறமையான தொழிலாளர்கள். கண்காட்சிக்குள்ளேயே பி 2 பி மாநாட்டில் சுற்றுச் சூழல், பசுமை வேதியியல் மற்றும் மறுசுழற்சி ஆகியவற்றை வலியுறுத்தி ஒரு சிறப்பு அமர்வு உள்ளது.

திரைச்சீலை ரைசரில் பேசிய வி.பி., இந்திய காகிதம் மற்றும் உற்பத்தியாளர்கள் சங்கம் மற்றும் செஞ்சுரி பேப்பரின் தலைமை நிர்வாக அதிகாரி, "காகிதத் தொழில் உருமாறும் கட்டத்தில் சென்று கொண்டிருக்கிறது. சில பெரிய காகித நிறுவனங்களும் தங்கள் பிராந்தியத்தை அல்லது தயாரிப்பு அல்லது வகையை பூர்த்தி செய்ய விரிவாக்கம் செய்கின்றன. குறிப்பிட்ட தேவை. ஒட்டுமொத்த காகித நுகர்வு தற்போது 15 மில்லியன் டன்னிலிருந்து 2024-25 ஆம் ஆண்டில் 24 மில்லியன் டன்னாக அதிகரிக்கும் என்று எதிர்பார்க்கப்படுகிறது. தொழிற்துறையில் ஒரு ஒருங்கிணைப்பு இருக்கும் என்று நான் நம்புகிறேன், மேலும் ஒருவருக்கொருவர் பிளவுபடுத்துதல் மற்றும் கையகப்படுத்துதல் செயல்பாட்டை அதிக வீரர்கள் செய்வார்கள். இது ஒரு மனிதவளத்தால் இயக்கப்படும் தொழில் என்பதால், இது நேரடியாகவும் மறைமுகமாகவும் வேலைகளை உருவாக்கும். தேசத்தின் வளர்ச்சிக்கு பங்களிக்கும் வகையில், இந்தியாவின் தரமான காகித உற்பத்தியாளர்கள் அச்சிடுதல், எழுதுதல், பேக்கேஜிங், வெளியீடு, நோட்புக் மற்றும் எழுதுபொருள் துறைகளின் தேவையை பூர்த்தி செய்கிறார்கள், என்றார்.

பேப்பரெக்ஸ் 2019 என்பது பல்வேறு தொழில்களில் இருந்து உலகளாவிய இறுதி பயனருக்கு அதன் திறன்கள், வலிமை மற்றும் வாய்ப்புகளை வெளிப்படுத்த காகிதத் தொழிலுக்கு ஒரு முக்கிய தளமாகும். 3 மத்திய அமைச்சர்கள், 14 நாடுகளைச் சேர்ந்த வர்த்தக ஆணையர்கள் மற்றும் 30 பெரிய பொது பட்டியலிடப்பட்ட நிறுவனங்களின் தலைமை நிர்வாக அதிகாரிகள் மற்றும் 200 க்கும் மேற்பட்ட சர்வதேச நிறுவனங்கள் ஒரே மேடையில். காகிதத் துறை மற்றும் அதனுடன் தொடர்புடைய தொழில்துறையின் வளர்ந்து வரும் புதிய பயன்பாடு குறித்த விழிப்புணர்வை உருவாக்குவதற்கும் பலப்படுத்துவதற்கும் வெற்றிகரமான உத்திகளைக் கொண்டுவருவதும், உற்பத்தித்திறனை மேம்படுத்த பயன்பாட்டு தொழில்நுட்பங்களை முன்னிலைப்படுத்துவதும் இந்த முயற்சியாகும்.

இந்நிகழ்ச்சியில் தொழில்துறை தலைமை நிர்வாக அதிகாரிகள், பொறியாளர்கள், தொழில்நுட்ப வல்லுநர்கள் மற்றும் விஞ்ஞானிகள் இருப்பதைக் காணலாம்; சந்தைப்படுத்தல் தலைவர்கள், கொள்முதல் தலைவர்கள், தொழில் வல்லுநர்கள் மற்றும் ஆலோசகர்கள்; கொள்கை வகுப்பாளர்கள் மற்றும் வெளிநாட்டு விளம்பரப் படைகள்; தலை ஆர் மற்றும் டி, ஒழுங்குமுறை விவகாரங்கள் மற்றும் தர மேலாளர்கள்; தொழில் சங்கங்கள் மற்றும் சர்வதேச வர்த்தக பிரதிநிதிகள்; உற்பத்தி, தொழில்முனைவோர், உரிமையாளர்கள், இறுதி பயனர்கள்; மற்றும் ஆலோசகர்கள், ஒப்பந்த ஆராய்ச்சி அமைப்பு, ஒப்பந்தம் உலகளாவிய மற்றும் இந்திய சந்தைகளில் இருந்து பயனர் வாங்குபவர்களை தயாரிக்கிறது.

प्लास्टिक का कहीं बेहतर विकल्प है पेपरः हायवे इंडिया

भास्कर न्यूज | चंडीगढ़

आज बाजार में कई तरह के नए पेपर उपलब्ध हैं जो कि प्लास्टिक का बेहतर विकल्प साबित हो रहे हैं। इस संबंध में हायवे इंडिया ने दुनिया के सबसे बड़े पेपर फेयर का आयोजन किया और इस दौरान कई तरह के पेपर को प्रस्तुत किया गया। पैकिंग पेपर भी काफी ध्यान दिया गया। हायवे इंडिया के डायरेक्टर संजीव बत्रा ने कहा कि कागज को स्वीकार करने की जरूरत है क्योंकि आज हम जो 100 प्रतिशत कागज का उत्पादन करते हैं, वह रिसाइक्लेबल और बायोडिग्रेडेबल है। जे पी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और अब तकनीकी परिवर्तन के कारण पेपर उद्योग कम बिजली और पानी का उपयोग करता है।

Indian Paper Industry is likely to grow @ 12% per annum for next 5 years

Chennai, November 27 : A curtain raiser of 'Paperex 2019', the 14th edition of the World largest international exhibition and conference of the Paper Industry was done in Chennai. There are 59 running mills in Tamilnadu producing close to 31 Lakhs tonne per annum of Paper. Paper exports in last 3 years grew from 660,000 tonne to 15,00,000 tonne from India.

Paper mills are pre-dominantly set up in rural areas, provide large-scale employment and lively hoods directly and indirectly to almost 50 lakhs people, majority are from lower income group of society i.e. marginal farmers, skilled and semi-skilled workers. Keeping in view of rising pollution levels, there is a special Session with in emphasis on environment, Green Chemistry and recycling in the B2B conference within the exhibition.

While speaking at the curtain raiser Mr J P Narain, VP, Indian Paper & Manufacturers Association and CEO of Century Paper said, "Paper industry is going through the transformation phase and few big paper company's are doing expansion to meet their region or product or category-specific demand. Overall paper consumption is projected to increase to 24 million tonnes in 2024-25 from 15 million tonnes currently. I believe there will be a consolidation within the industry and we will see more players doing Merger & Acquistions activity to complement each other. Since it's a manpower driven industry the same will generate jobs both directly and indirectly. Contributing to Nation's development, India's quality paper producers serve the need for Printing, writing, packaging, publishing, notebook and stationery sectors."

Gagan Sahni, Director, Business Development, Hyve India, "The 14th Paperex International Exhibition is the World's largest Paper show. Paperex is a "A Unified Business Platform for Paper Industry" for new business opportunities, joint ventures, investments and technology transfer in paper and allied industries. This year Paperex 2019 is ready to repeat the success story with presence of 700 + Leading Exhibitors from 28 Countries. Paperex, gets one of the highest participation by the business visitor in any show in India. This year Paperex 2019 is ready to repeat the success story with presence of 700 + Leading Exhibitors from 28 Countries. We have two more concurrent Tissue-Ex and Corrugex. Paperex will start in Delhi from 3rd Decmeber 2019 and will be open for both business and trade visitors from 10am to 6pm till 6th December 2019."

Paperex 2019 is a flagship platform for the Paper industry to showcase its capabilities, strength and opportunities to the global end user from different industries. 3 Union Ministers, trade commissioners from 14 countries and CEOs of 30 big public listed companies and more than 200 international companies on a single Platform. The endeavor is to bring out winning strategies for building and strengthening the awareness of emerging new application of paper sector & allied industry and highlight the application technologies to enhance productivity. The event will witness the presence of industry CEOs, engineers, technocrats & scientists; marketing heads, purchase heads, professionals & consultants; policy makers and foreign commercials corps; head R&D, regulatory affairs & quality managers; Industry associations and international trade delegations; manufactures, entrepreneurs, owners, end users; and consultants, contract research organization, contract manufactures and end user buyers from both Global and Indian markets.

our customers. We shall continue to surprise smartphone lovers and continue to focus on creating a seamless experience."

This year vivo has completed five glorious years in the country and will continue to build a strong foundation to create a successful long-term brand in India by bringing innovative products backed by an aggressive marketing strategy.

Media Coverage

पोर्टफोलियो में बीएस 6 कार खरीदने के में कदम रखना अब वाकई रोमांचक है।

पेपर शो 'पेपर-एक्स 2019'

देहरादून। 'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। समारोह में बोलते हुए, श्री जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, ''पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और कुछ बड़ी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही हैं- विशिष्ट मांग। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024-25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। मेरा मानना है कि उद्योग के भीतर एक समेकन होगा और हम अधिक खिलाड़ियों को एक-दूसरे के पूरक के लिए विलय और अधिग्रहण गतिविधि करते देखेंगे। चूंकि यह एक जनशक्ति संचालित उद्योग है, इसलिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दोनों ही नौकरियां पैदा होंगी। राष्ट्र के विकास में योगदान करते हुए, भारत के गुणवत्ता वाले कागज निर्माता मुद्रण, लेखन, पैकेजिंग, प्रकाशन, नोटबुक और स्टेशनरी क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करते हैं।''गॉर्डन पायने, क्षेत्रीय निदेशक-एशिया हैइव ग्रुप पीएलसी ने कहा, ''पेपर-एक्स आपके लिए खुद को देखने के लिए, नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुराने परिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है। भारत को कागज और संबद्ध उद्योगों के ऐसे प्रमुख प्रदर्शन की मेजबानी करने के लिए सही गर्व होना चाहिए जो दुनिया को इस वास्तविक रूप से उद्यमी देश की तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करता है। 14 वीं पेपर-एक्स इंटरनेशनल प्रदर्शनी दुनिया का सबसे बड़ा पेपर शो है। इस साल पेपर-एक्स 2019 सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है, जिसमें 28 देशों के 700 लीडिंग एग्जीबिटर्स मौजूद हैं।

'से नस टू पेपर' पर की चर्चा

चंडीगढ़, 7 दिसम्बर (दीपेंद्र): हायवे इंडिया की ओर से आयोजित कागजी मेले में हायवे ग्रुप पी.एल.सी. लंदन की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी ने प्लास्टिक विज़-ए-विज़ पैकिंग पेपर के बारे में विस्तार से बताया। हायवे इंडिया के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कि 'से नस टू पेपर' मौलिक और तकनीकी क्रांति के कारण आज जो 100 प्रतिशत कागज का उत्पादन करते हैं, वह पुनर्नवीनीकरण और बायोडिग्रेडेबल है। यह जानकारी जे.पी. नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सी.ई.ओ. ने दी है।

புதுதில்லியில் டிசம்பர் 3 முதல் 6 வரை

உலகின் மிகப்பெரிய பேப்பர் ஷோ 'பேப்பரெக்ஸ் 2019'

சென்னை,

உலகின் மிகப்பெரிய சர்வதேச கண்காட்சியின் 14வது பதிப்பான 'பேப்பரெக்ஸ் 2019'ன் திரைச்சீலை மற்றும் காகிதத் தொழிலின் மாநாடு சென்னையில் செய்யப்பட்டது. தமிழ்நாட்டில் 59 இயங்கும் ஆலைகள் ஆண்டுக்கு 31 லட்சம் டன் உற்பத்தி செய்கின்றன. கடந்த 3 ஆண்டுகளில் காகித ஏற்றுமதி இந்தியாவில் இருந்து 660,000 டன்னிலிருந்து 15,00, 000 டன்னாக அதிகரித்துள்ளது.

காகித ஆலைகள் கிராமப்புறங்களில் ஆதிக்கம் செலுத்துகின்றன, பெரிய அளவிலான வேலைவாய்ப்பு மற்றும் உயிரோட்டமான ஹூக்களை கிட்டத்தட்ட 50 லட்சம் மக்களுக்கு நேரடியாகவும் மறைமுகமாகவும் வழங்குகின்றன, பெரும்பான்மையானவர்கள் சமூகத்தின் குறைந்த வருமானம் கொண்டவர்கள், அதாவது குறு விவசாயிகள், திறமையான மற்றும் அரை திறமையான தொழிலாளர்கள். கண்காட்சிக்குள்ளேயே பி 2 பி மாநாட்டில் சுற்றுச்சூழல், பசுமை வேதியியல் மற்றும் மறுசுழற்சி ஆகிய வற்றை வலியுறுத்தி ஒரு சிறப்பு அமர்வு உள்ளது.

திரைச்சீலை ரைசரில் பேசிய வி.பி., இந்திய காகிதம் மற்றும் உற்பத்தியாளர்கள் சங்கம் மற்றும் செஞ்சி பேப்பரின் தலைமை நிர்வாக அதிகாரி, "காகிதத் தொழில் உருமாறும் கட்டத்தில் சென்று கொண்டிருக்கிறது, சில பெரிய காகித நிறுவனங்களும் தங்கள் பிராந்தியத்தை அல்லது தயாரிப்பு அல்லது வகையை பூர்த்தி செய்ய விரிவாக்கம் செய்கின்றன. குறிப்பிட்ட தேவை. ஒட்டுமொத்த காகித நுகர்வு தற்போது 15 மில்லியன் டன்னிலிருந்து 2024-25 ஆம் ஆண்டில் 24 மில்லியன் டன்னாக அதிகரிக்கும் என்று எதிர்பார்க்கப்படுகிறது. தேசத்தின் வளர்ச்சிக்கு பங்களிக்கும் வகையில், இந்தியாவின் தரமான காகித உற்பத்தியாளர்கள் அச்சிடுதல், எழுதுதல், பேக்கேஜிங், வெளியீடு, நோட்புக் மற்றும் எழுது பொருள் துறைகளின் தேவையை பூர்த்தி செய்கிறார்கள், என்றார்.

3 மத்திய அமைச்சர்கள், 14 நாடுகளைச் சேர்ந்த வர்த்தக ஆணையர்கள் மற்றும் 30 பெரிய பொது பட்டியலிடப்பட்ட நிறுவனங்களின் தலைமை நிர்வாக அதிகாரிகள் மற்றும் 200 க்கும் மேற்பட்ட சர்வதேச நிறுவனங்கள் ஒரே மேடையில். உற்பத்தித் திறனை மேம்படுத்தி பயன்பாட்டு தொழில்நுட்பங்களை முன்னிலைப்படுத்துவதே இந்த முயற்சியாகும்.

இந்நிகழ்ச்சியில் தொழில்துறை தலைமை நிர்வாக அதிகாரிகள், பொறியாளர்கள், தொழில்நுட்ப வல்லுநர்கள் மற்றும் விஞ்ஞானிகள் இருப்பதைக் காணலாம். சந்தைப்படுத்தல் தலைவர்கள், கொள்முதல் தலைவர்கள், தொழில் வல்லுநர்கள் மற்றும் ஆலோசகர்கள், கொள்கை வகுப்பாளர்கள் மற்றும் வெளிநாட்டு விளம்பரப் படைகள், தலை ஆர் மற்றும் டி, ஒழுங்குமுறை விவகாரங்கள் மற்றும் தர மேலாளர்கள்; தொழில் சங்கங்கள் மற்றும் சர்வதேச வர்த்தக பிரதிநிதிகள்; உற்பத்தி, தொழில் முனைவோர், உரிமையாளர்கள், இறுதி பயனர்கள்; மற்றும் ஆலோசகர்கள், ஒப்பந்த ஆராய்ச்சி அமைப்பு, ஒப்பந்தம் உற்பத்தியாளர்கள் மற்றும் இந்திய சந்தைகளில் இருந்து பயனர் வாங்குபவர்களை தயாரிக்கிறது.

SAY YES TO PAPER

LUCKNOW: At the world's largest paper fair organised by Hyve India, 100% subsidiary of Hyve Group Plc, London, a study on the environmental issues related to single-use plastic vis-à-vis packing paper was deliberated in detail. Sanjeev Batra, director, Hyve India said, "Say yes to paper. Paperex 2019 urges the common man to save the environment and how this essential commodity's use in our everyday life can reduce pollution and promote recycling."

HTC

Indian Paper Industry is likely to grow @ 12% per annum for next 5 years

Chennai, November 27 : A curtain raiser of 'Paperex 2019', the 14th edition of the World largest international exhibition and conference of the Paper Industry was done in Chennai. There are 59 running mills in Tamilnadu producing close to 31 Lakhs tonne per annum of Paper. Paper exports in last 3 years grew from 660,000 tonne to 15,00,000 tonne from India.

Paper mills are pre-dominantly set up in rural areas, provide large-scale employment and lively hoods directly and indirectly to almost 50 lakhs people, majority are from lower income group of society i.e. marginal farmers, skilled and semi-skilled workers. Keeping in view of rising pollution levels, there is a special Session with in emphasis on environment, Green Chemistry and recycling in the B2B conference within the exhibition.

While speaking at the curtain raiser Mr J P Narain, VP, Indian Paper & Manufacturers Association and CEO of Century Paper said, "Paper industry is going through the transformation phase and few big paper company's are doing expansion to meet their region or product or category-specific demand. Overall paper consumption is projected to increase to 24 million tonnes in 2024-25 from 15 million tonnes currently. I believe there will be a consolidation within the industry and we will see more players doing Merger & Acquisitions activity to complement each other. Since it's a manpower driven industry the same will generate jobs both directly and indirectly. Contributing to Nation's development, India's quality paper producers serve the need for Printing, writing, packaging, publishing, notebook and stationery sectors."

Gagan Sahni, Director, Business Development, Hyve India, "The 14th Paperex International Exhibition is the World's largest Paper show. Paperex is a "A Unified Business Platform for Paper Industry" for new business opportunities, joint ventures, investments and technology transfer in paper and allied industries. This year Paperex 2019 is ready to repeat the success story with presence of 700 + Leading Exhibitors from 28 Countries. Paperex, gets one of the highest participation by the business visitor in any show in India. This year Paperex 2019 is ready to repeat the success story with presence of 700 + Leading Exhibitors from 28 Countries. We have two more concurrent Tissue-Ex and Corrugex. Paperex will start in Delhi from 3rd December 2019 and will be open for both business and trade visitors from 10am to 6pm till 6th December 2019."

Paperex 2019 is a flagship platform for the Paper industry to showcase its capabilities, strength and opportunities to the global end user from different industries. 3 Union Ministers, trade commissioners from 14 countries and CEOs of 30 big public listed companies and more than 200 international companies on a single Platform. The endeavor is to bring out winning strategies for building and strengthening the awareness of emerging new application of paper sector & allied industry and highlight the application technologies to enhance productivity. The event will witness the presence of industry CEOs, engineers, technocrats & scientists; marketing heads, purchase heads, professionals & consultants; policy makers and foreign commercials corps; head R&D, regulatory affairs & quality managers; Industry associations and international trade delegations; manufactures, entrepreneurs, owners, end users; and consultants, contract research organization, contract manufactures and end user buyers from both Global and Indian markets.

our customers. We shall continue to surprise smartphone lovers and continue to focus on creating a seamless experience."

This year vivo has completed five glorious years in the country and will continue to build a strong foundation to create a successful long-term brand in India by bringing innovative products backed by an aggressive marketing strategy

Media Coverage

दिल्ली में आयोजित होगा पेपर शो पेपर-एक्स

देहरादूनः पेपर-एक्स 2019 दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। समारोह में बोलते हुए जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा कि पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और कुछ बड़ी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही हैं- विशिष्ट मांग। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024-25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है।

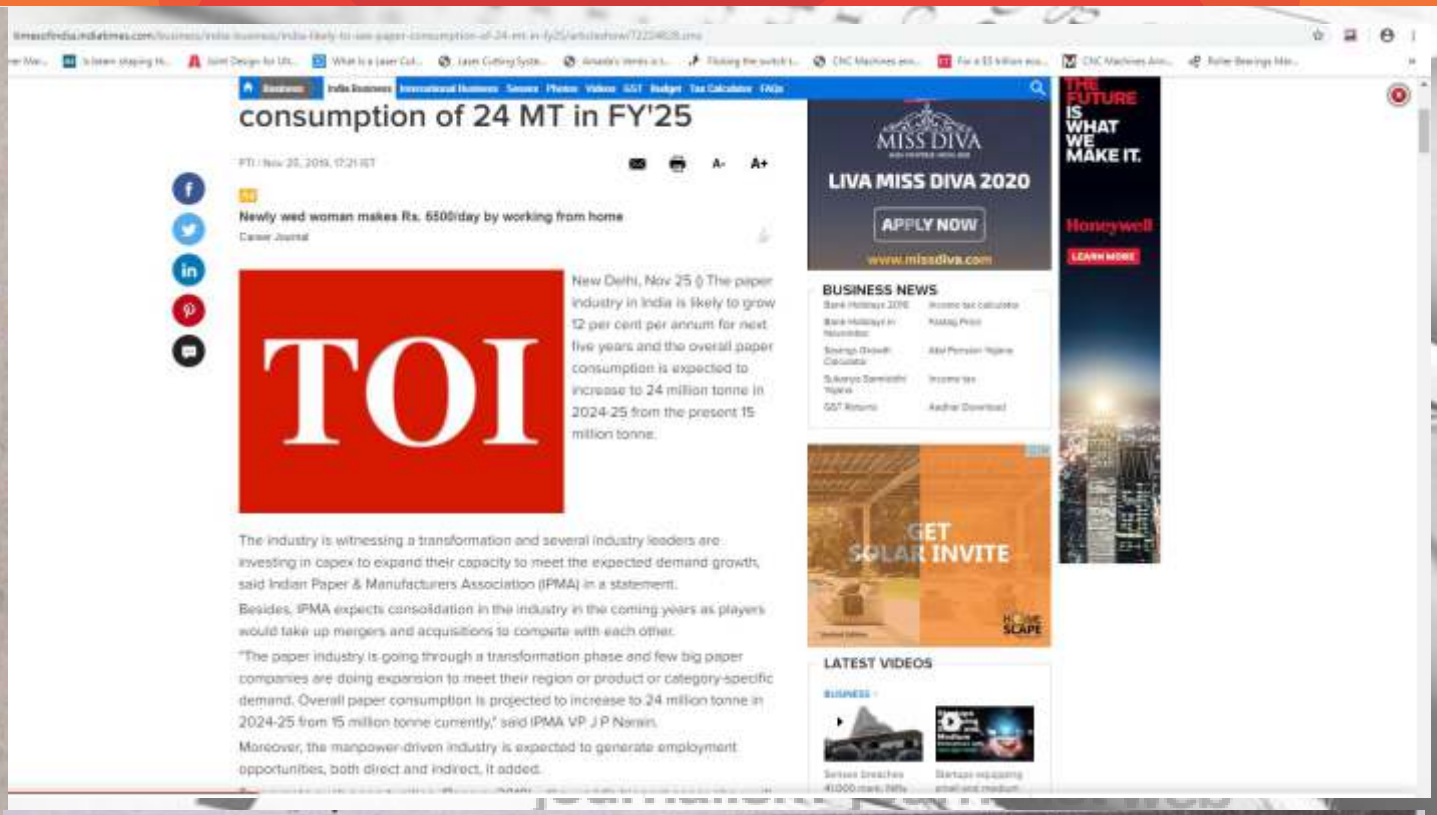

consumption of 24 MT in FY'25

PTI / Nov 25, 2019, 07:21 IST

Newly wed woman makes Rs. 6500/day by working from home

Career Journal

TOI

New Delhi, Nov 25 () The paper industry in India is likely to grow 12 per cent per annum for next five years and the overall paper consumption is expected to increase to 24 million tonne in 2024-25 from the present 15 million tonne.

The industry is witnessing a transformation and several industry leaders are investing in capex to expand their capacity to meet the expected demand growth, said Indian Paper & Manufacturers Association (IPMA) in a statement.

Besides, IPMA expects consolidation in the industry in the coming years as players would take up mergers and acquisitions to compete with each other.

"The paper industry is going through a transformation phase and few big paper companies are doing expansion to meet their region or product or category-specific demand. Overall paper consumption is projected to increase to 24 million tonne in 2024-25 from 15 million tonne currently," said IPMA VP J P Narain.

Moreover, the manpower-driven industry is expected to generate employment opportunities, both direct and indirect, it added.

MISS DIVA

LIVA MISS DIVA 2020

APPLY NOW

www.missdiva.com

BUSINESS NEWS

GET SOLAR INVITE

LATEST VIDEOS

THE FUTURE IS WHAT WE MAKE IT.

Honeywell

LEARN MORE

3 दिसम्बर को दिल्ली में आयोजित होगा पेपर शो पेपर.एक्स 2019

देहरादून। पेपर.एक्स 2019, दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। समारोह में बोलते हुए जेपी नारायण वीपी इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और कुछ बड़ी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही हैं. विशिष्ट मांग। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 20 24.25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढ़कर 24 मिलि यन टन होने का अनुमान है। मेरा मानना है कि उद्योग के भीतर एक समेकन होगा और हम अधिक खिलाड़ियों को एक.दूसरे के पूरक के लिए विलय और अधिग्रहण गतिविधि करते देखेंगे। चूंकि यह एक जनशक्ति संचालित उद्योग है इसलिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दोनों ही नौकरियां पैदा होंगी। राष्ट्र के विकास में योगदान करते हुएए भारत के गुणवत्ता वाले कागज निर्माता मुद्रण लेखन पैकेजिंग प्रकाशन नोटबुक और स्टेशनरी क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करते हैं। श्री गॉर्डन फायने क्षेत्रीय निदेशक. एशिया हैइव ग्रुप पीएलसी ने कहा पेपर.एक्स आपके लिए खुद को देखने के लिए नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुराने परिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है। भारत को कागज और संबद्ध उद्योगों के ऐसे प्रमुख प्रदर्शन की मेजबानी करने के लिए सही गर्व होना चाहिए जो दुनिया को इस वास्तविक रूप से उद्यमी देश की तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करता है। 14 वीं पेपर.एक्स इंटरनेशनल प्रदर्शनी दुनिया का सबसे बड़ा पेपर शो है। इस साल पेपर एक्स 2019 सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है जिसमें 28 देशों के 700 लीडिंग एग्जीबिटर्स मौजूद हैं।

Media Coverage

'पेपर-एक्स कल से दिल्ली में, 28 देशों की कंपनियां लेंगी हिस्सा

जयपुर | अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी का 14 वां संस्करण 'पेपर-एक्स-2019' 3 से 6 दिसंबर तक दिल्ली स्थित प्रगति मैदान में आयोजित किया जाएगा। इसमें भारतीय कागज उद्योग के 30,000 से ज्यादा उद्यमी व व्यापारियों के साथ 28 देशों के 700 से अधिक प्रतिभागियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। काबिलेगौर है कि अगले 5 वर्ष के दौरान भारतीय कागज उद्योग की सालाना वृद्धि दर 12 फीसदी रहने की संभावना व्यक्त की गई है। इसके मद्देनजर वर्ष 2024-25 में कागज की खपत मौजूदा 1.5 करोड़ टन से बढ़कर 2.4 करोड़ टन होने की अनुमान है। देश में कुल 462 पेपर मिलें है।

दुनिया का सबसे बड़ा कागज शो

एशिया हैडव ग्रुप पीएलसी के क्षेत्रीय निदेशक गॉर्डन पायने ने कहा कि पेपर-एक्स में नए ट्रेंड व नई प्रौद्योगिकी देखने का मौका मिलेगा। पेपर-एक्स दुनिया का सबसे बड़ा कागज शो है। भारत को इसकी मेजबानी का मौका मिला है। इसके मद्देनजर भारतीय कागज उद्योग व उद्यमियों के लिए यह एक अवसर है। इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ जेपी नारायण ने कहा कि कागज उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। बड़ी कागज कंपनियां प्रोडक्ट रेंज और कारोबार का विस्तार कर रही है। कागज उद्योग में विलय और अधिग्रहण गतिविधियां भी दिखाई देगी। कागज उद्योग श्रम आधारित है, नई नौकरियां भी पैदा होगी। पेपर-एक्स नए व्यवसाय के अवसरों, संयुक्त उद्यमों, निवेश और कागज और संबद्ध उद्योगों में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए यह 'एकीकृत व्यापार मंच' है। इसमें पर्यावरण, ग्रीन रसायन विज्ञान और री-साइक्लिंग पर विशेष सत्र आयोजित होगा।

विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर-एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 से 6 दिसंबर 2019 तक

जयपुर, (कासं)। विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर- एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 दिसंबर 2019 से 6 दिसंबर 2019 तक आयोजित किया जाना है। 30000 व्यापार आगंतुक के साथ, 29 देशों के 600 से अधिक प्रतिभागियों को भी प्रगति मैदान की पहली बार नई इमारतों का अनुभव होगा । 'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। अगले 5 वर्षों के लिए भारतीय पेपर उद्योग में 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की वृद्धि होने की संभावना है और 2024-25 में कुल कागज खपत वर्तमान में 15 मिलियन टन से बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। समारोह में बोलते हुए श्री गॉर्डन पायने, क्षेत्रीय निदेशक- एशिया हैडव ग्रुप पीएलसी ने कहा, 'पेपर-एक्स आपके लिए खुद को देखने के लिएए नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुराने परिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है। भारत को कागज और संबद्ध उद्योगों के ऐसे प्रमुख प्रदर्शन की मेजबानी करने के लिए सही गर्व होना चाहिए जो दुनिया को इस वास्तविक रूप से उद्यमी देश की तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करता है। 14 वीं पेपर-एक्स इंटरनेशनल प्रदर्शनी दुनिया का सबसे बड़ा पेपर शो है। इस साल पेपर-एक्स 2019 सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है, जिसमें 28 देशों के 700 से ज्यादा लीडिंग एग्जीबिटर्स मौजूद हैं। समारोह में बोलते हुए, श्री जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, ''पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और कुछ बड़ी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही हैं- विशिष्ट मांग। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024-25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। मेरा मानना है कि उद्योग के भीतर एक समेकन होगा और हम अधिक खिलाड़ियों को एक-दूसरे के पूरक के लिए विलय और अधिग्रहण गतिविधि करते देखेंगे। चूंकि यह एक जनशक्ति संचालित उद्योग है, इसलिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दोनों ही नौकरियां पैदा होंगी। राष्ट्र के विकास में योगदान करते हुए, भारत के गुणवत्ता वाले कागज निर्माता मुद्रण, लेखन, पैकेजिंग, प्रकाशन, नोटबुक और स्टेशनरी क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करते हैं। पेपर-एक्स नए व्यवसाय के अवसरों, सयुक्त उद्यमों, निवेश और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए कागज और संबद्ध उद्योगों में 'पेपर उद्योग के लिए एक एकीकृत व्यापार मंच' है। इस वर्ष, पेपर-एक्स 2019, 28 देशों के 700 से ज्यादा अग्रणी प्रदर्शकों की उपस्थिति के साथ सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है।

विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर-एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 से 6 दिसंबर 2019 तक

Media Coverage

HOME | MARKETS | COMPANIES | OPINION | TECH | SPECIALS | PF | PORTFOLIO | MUL

Buy now

Paper consumption may touch 24 mt by 2025; industry may add 50 mn jobs

Industry officials said 59 running mills in Tamil Nadu produce close to 31 lakh tonnes of paper annually

Press Trust of India | Chennai
Last Updated at November 26, 2019 21:14 IST

vivo Super Night Camera | View Display Buy Now

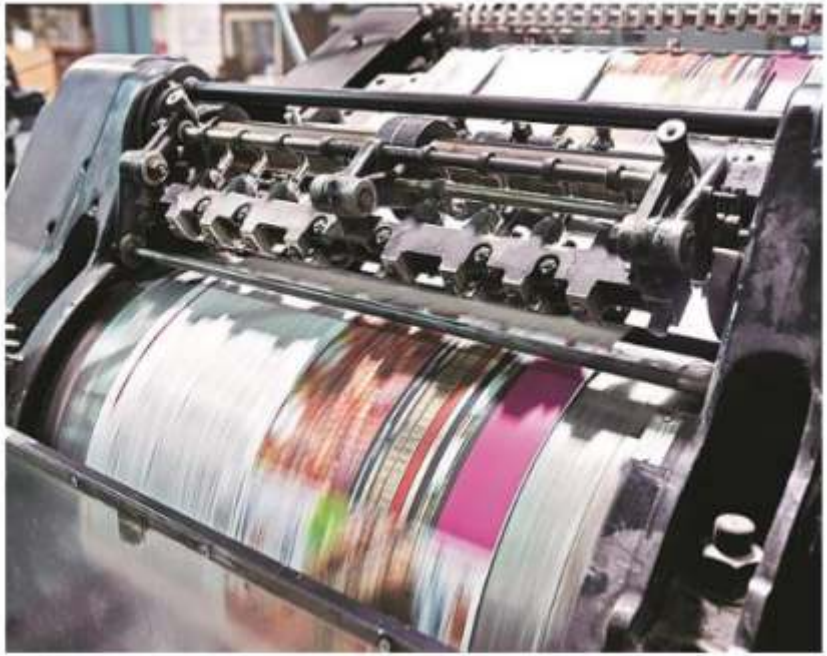

Indian Paper Industry is likely to grow @ 12% per annum for next 5 years

Chennai, November 27 : A curtain raiser of 'Paperex 2019', the 14th edition of the World largest international exhibition and conference of the Paper Industry was done in Chennai. There are 59 running mills in Tamilnadu producing close to 31 Lakhs tonne per annum of Paper. Paper exports in last 3 years grew from 660,000 tonne to 15,00,000 tonne from India.

Paper mills are pre-dominantly set up in rural areas, provide large-scale employment and lively hoods directly and indirectly to almost 50 lakhs people, majority are from lower income group of society i.e. marginal farmers, skilled and semi-skilled workers. Keeping in view of rising pollution levels, there is a special Session with in emphasis on environment, Green Chemistry and recycling in the B2B conference within the exhibition.

While speaking at the curtain raiser Mr J P Narain, VP, Indian Paper & Manufacturers Association and CEO of Century Paper said, "Paper industry is going through the transformation phase and few big paper company's are doing expansion to meet their region or product or category-specific demand. Overall paper consumption is projected to increase to 24 million tonnes in 2024-25 from 15 million tonnes currently. I believe there will be a consolidation within the industry and we will see more players doing Merger & Acquistions activity to complement each other. Since it's a manpower driven industry the same will generate jobs both directly and indirectly. Contributing to Nation's development, India's quality paper producers serve the need for Printing, writing, packaging, publishing, notebook and stationery sectors."

Gagan Sahni, Director, Business Development, Hyve India, "The 14th Paperex International Exhibition is the World's largest Paper show. Paperex is a "A Unified Business Platform for Paper Industry" for new business opportunities, joint ventures, investments and technology transfer in paper and allied industries. This year Paperex 2019 is ready to repeat the success story with presence of 700 + Leading Exhibitors from 28 Countries. Paperex, gets one of the highest participation by the business visitor in any show in India. This year Paperex 2019 is ready to repeat the success story with presence of 700 + Leading Exhibitors from 28 Countries. We have two more concurrent Tissue-Ex and Corrugex. Paperex will start in Delhi from 3rd Decmeber 2019 and will be

'पेपर- एक्स 2019' तीन दिसंबर से आयोजित

नई दिल्ली. विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर- एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 दिसंबर 2019 से 6 दिसंबर 2019 तक आयोजित किया जाना है। 30,000 व्यापार आगंतुक के साथ, 29 देशों के 600 से अधिक प्रतिभागियों को भी प्रगति मैदान की पहली बार नई इमारतों का अनुभव होगा। 'पेपर-एक्स 2019' दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। अगले 5 वर्षों के लिए पेपर

Media Coverage

विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर-एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 से 6 दिसंबर 2019 तक

जयपुर। विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर- एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 दिसंबर 2019 से 6 दिसंबर 2019 तक आयोजित किया जाना है। 30000 व्यापार आगंतुक के साथ, 29 देशों के 600 से अधिक प्रतिभागियों को भी प्रगति मैदान की पहली बार नई इमारतों का अनुभव होगा। 'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। अगले 5 वर्षों के लिए भारतीय पेपर उद्योग में 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की वृद्धि होने की संभावना है और 2024-25 में कुल कागज खपत वर्तमान में 15 मिलियन टन से बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है।

समारोह में बोलते हुए श्री गॉर्डन पायने, क्षेत्रीय निदेशक- एशिया हैव ग्रुप पीएलसी ने कहा, 'पेपर-एक्स आपके लिए खुद को देखने के लिए नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुराने परिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है। भारत को कागज और संबद्ध उद्योगों के ऐसे प्रमुख प्रदर्शन की मेजबानी करने के लिए सही गर्व होना चाहिए जो दुनिया को इस वास्तविक रूप से उद्यमी देश की तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करता है। 14 वीं पेपर-एक्स इंटरनेशनल प्रदर्शनी दुनिया का सबसे बड़ा पेपर शो है। इस साल पेपर-एक्स 2019 सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है, जिसमें 28 देशों के 700 से ज्यादा लीडिंग एग्जीबिटर्स मौजूद हैं।

समारोह में बोलते हुए, श्री जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, ''पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और कुछ बड़ी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही है- विशिष्ट मांग। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024-25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। मेरा मानना है कि उद्योग के भीतर एक समेकन होगा और हम अधिक खिलाड़ियों को एक-दूसरे के पूरक के लिए विलय और अधिग्रहण गतिविधि करते देखेंगे। चूंकि यह एक जनशक्ति संचालित उद्योग है, इसलिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दोनों ही नौकरियां पैदा होंगी। राष्ट्र के विकास में योगदान करते हुए, भारत के गुणवत्ता वाले कागज निर्माता मुद्रण, लेखन, पैकेजिंग, प्रकाशन, नोटबुक और स्टेशनरी क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करते हैं।''

पेपर-एक्स नए व्यवसाय के अवसरों, संयुक्त उद्यमों, निवेश और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए कागज और संबद्ध उद्योगों में 'पेपर उद्योग के लिए एक एकीकृत व्यापार मंच' है। इस वर्ष, पेपर-एक्स 2019, 28 देशों के 700 से ज्यादा अग्रणी प्रदर्शकों की उपस्थिति के साथ सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है। पेपर-एक्स, को भारत में किसी भी शो में व्यापार आगंतुक द्वारा सबसे अधिक भागीदारी मिलती है। पेपर-एक्स दिल्ली में 3 दिसंबर 2019 से शुरू होगा और व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों आगंतुकों के लिए सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक 6 दिसंबर 2019 तक खुला रहेगा।'

2 दिनों के दौरान, बी 2 बी सम्मेलन में पर्यावरण, ग्रीन रसायन विज्ञान और रीसाइक्लिंग पर जोर देने के साथ एक विशेष सत्र है। भारत में 462 पेपर मिलें हैं, जो पिछले 3 वर्षों में 300 लाख टन प्रति वर्ष के करीब कागज निर्यात का उत्पादन करती हैं, जो भारत से 660,000 टन से बढ़कर 15,00,000 टन हो गया है। भारत के सभी हिस्सों से 1100 से अधिक एमएसएमई नई कंपनियां हैं। जो इस विश्व के सबसे बड़े पेपर शो में वर्ल्ड क्लास बिजनेस टू बिजनेस का अनुभव देखने के लिए पहली बार आ रहे हैं।

पेपर-एक्स 2019 पेपर उद्योग के लिए विभिन्न उद्योगों से वैश्विक अंत उपयोगकर्ता के लिए अपनी क्षमताओं, ताकत और अवसरों का प्रदर्शन करने के लिए एक प्रमुख मंच है। 3 केंद्रीय मंत्री, 14 देशों के व्यापार आयु?त और 30 बड़ी सार्वजनिक सूचीबद्ध कंपनियों के सीईओ और 200 से अधिक अंतराष्ट्रीय कंपनियां एक ही मंच पर। प्रयास यह है कि कागज क्षेत्र और संबद्ध उद्योग के उभरते अनुप्रयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मजबूत करने के लिए जीतने की रणनीति तैयार की जाए और उत्पादकता बढ़ाने के लिए एप्लिकेशन प्रौद्योगिकियों को उजागर किया जाए। पेपर-एक्स उद्योग से संबंधित सीईओ, इंजीनियर, टेक्नोक्रेट और वैज्ञानिकों की उपस्थिति का गवाह होगा; विपणन प्रमुख, खरीद प्रमुख, पेशेवर और सलाहकार; नीति निर्माता और विदेशी विज्ञापन वाहिनी; हेड रिसर्च एंड डेवलपमेंट, नियामक मामले और गुणवत्ता प्रबंधक; उद्योग संघ और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल; विनिर्माण, उद्यमी, मालिक, अंतिम उपयोक्ता; और सलाहकार, अनुबंध अनुसंधान संगठन, कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स और ग्लोबल और इंडियन दोनों बाजारों के यूजर बायर्स को समाप्त करते हैं।

ਪਲਾਸਟਿਕ, ਤਕਨੀਕੀ ਬਦਲਾਅ ਅਤੇ ਰੀਸਾਈਕਲਿੰਗ ਦੀ ਸੋਲੋ ਵਰਤੋਂ ਦੇ ਰੂਪ 'ਚ ਵਾਤਾਵਰਨ ਨੂੰ ਵੱਡੇ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਕਰਨ 'ਚ ਮਦਦ ਮਿਲੇਗੀ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 6 ਦਸੰਬਰ (ਐਸ.ਡੀ. ਮੀਡੀਆ)- ਹਾਯਵੇ ਇੰਡੀਆ ਵੱਲੋਂ ਆਯੋਜਿਤ ਦੁਨੀਆਂ ਦੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੇ ਕਾਗਜ਼ੀ ਮੇਲੇ 'ਚ ਹਾਯਵੇ ਗਰੁੱਪ ਪੀਐਲਸੀ, ਲੰਡਨ ਦੀ 100 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਸਹਾਇਕ ਕੰਪਨੀ, ਨੇ ਪਰਿਆਵਰਣ ਉਪਯੋਗ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਇੱਕ ਵਿਸ਼ੇ 'ਤੇ ਇੱਕ ਅਧਿਅਨ ਪਲਾਸਟਿਕ ਵਿਜ-ਏ-ਵਿਜ ਪੈਕਿੰਗ ਪੇਪਰ ਦੇ ਬਾਰੇ 'ਚ ਵਿਸਥਾਰ ਨਾਲ ਦੱਸਿਆ। ਹਾਯਵੇ ਇੰਡੀਆ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ ਸ਼੍ਰੀ ਸੰਜੀਵ ਬੱਤਰਾ ਨੇ ਕਿਹਾ, SAY YES TO PAPER ਮੌਲਿਕ ਅਤੇ ਤਕਨੀਕੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੇ ਕਾਰਨ, ਅੱਜ ਅਸੀਂ ਜੋ 100 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਕਾਗਜ਼ ਦਾ ਉਤਪਾਦਨ ਕਰਦੇ ਹਾਂ, ਉਹ ਦੁਬਾਰਾ ਨਵੀਨੀਕਰਣ ਅਤੇ ਬਾਯੋਡਿਗ੍ਰੇਡੇਬਲ ਹੈ। ਪੇਪਰਐਕਸ-2019 ਨੇ ਪਰਿਆਵਰਣ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਆਮ ਆਦਮੀ 'ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਰੋਜਾਨਾ ਦੇ ਜੀਵਨ 'ਚ ਇਸ ਜ਼ਰੂਰੀ ਵਸਤੂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ

ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕਰਨ ਅਤੇ ਰੀਸਾਈਕਲਿੰਗ ਨੂੰ ਹੁਲਾਰਾ ਦੇ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਅੱਜ, ਕਾਗਜ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਪਰਿਆਵਰਣ 'ਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵ ਦੇ ਰੂਪ 'ਚ ਨਹੀਂ ਮੰਨਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਸਿੱਖਿਆ 'ਚ ਕਾਗਜ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਫਿਰ ਤੋਂ ਮਹੱਤਵ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਹ ਇਸ ਤੱਥ ਨਾਲ ਸ਼ਲਾਘਾ ਅਤੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਮੰਨਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਡਿਜੀਟਲ ਮਾਧਿਅਮ ਦੀ ਬਜਾਏ ਕਾਗਜ ਨਾਲ ਅਧਿਅਨ ਕਰਨ 'ਤੇ ਅਵਧਾਰਣਾਂ ਪੱਧਰ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ। ਪੇਪਰਐਕਸ 2019 'ਚ ਅਸੀਂ ਇਸ ਸੈਗਮੈਂਟ 'ਚ ਟ੍ਰੇਡ ਵਿਜ਼ੀਟਰ ਨਾਲ ਜ਼ਿਆਦਾ ਟ੍ਰੈਕਸ਼ਨ ਦੇਖਿਆ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਆਮ ਉਪਭੋਗਤਾ ਦੇ ਹਿੱਤ ਨੂੰ ਵੀ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਨਵੇਂ ਉਤਪਾਦਾਂ ਨੂੰ ਸਿੱਖਣਾ ਅਤੇ ਅਨੁਭਵ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਪਲਾਸਟਿਕ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਜ਼ਬੂਤ ਹਨ ਅਤੇ ਖਾਦ ਖੇਤਰ 'ਚ ਪਲਾਸਟਿਕ ਦੇ ਲਈ ਬਿਹਤਰ ਵਿਕਲਪ ਹਨ। ਪੇਪਰ ਉਦਯੋਗ 3ਆਰ (ਘੱਟ, ਮੁੜ ਵਰਤੋਂ ਅਤੇ ਰੀਸਾਈਕਲ) ਸਿਧਾਂਤ ਨਾਲ ਵੇਟਿੰਗ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਐਫਐਮਸੀਜੀ, ਖਾਦ ਡਿਸਟ੍ਰੀਬਿਊਸ਼ਨ ਅਤੇ ਈਕਾਮਰਸ ਕੰਪਨੀਆਂ ਦੇ ਜ਼ਿੰਮੇਦਾਰ ਅਤੇ ਸੂਚਿਤ ਕਾਰਪੋਰੇਟਸ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੂਪ ਨਾਲ ਰੀਸਾਇਕਲਿੰਗ ਪੇਪਰ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਨਿਯਮਿਤ ਪੈਕਿੰਗ ਜ਼ਰੂਰਤਾਂ 'ਚ ਸੋਲੋ ਵਰਤੋਂ ਪਲਾਸਟਿਕ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਖਮ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਉੱਚ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ਾਂ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ।

भारतीय कागद उद्योगात १२ टक्क्यांनी होणार वाढ

। मुंबई : कागद उद्योग हा परिवर्तनाच्या टप्प्यातून जात असून काही मोठ्या कागद कंपन्या क्षेत्राच्या किंवा उत्पादनाच्या अथवा एखाद्या वर्गाच्या विशिष्ट मागण्या पूर्ण करण्यासाठी त्यांचा विस्तार वाढवत आहेत. परिणामी कागद उद्योगात पुढील पाच वर्षात १२ टक्क्यांनी वाढ होणार आहे. वर्तमान काळाच्या तुलनेत २०२४-२५ मध्ये एकूण कागद वापर हा १५ दशलक्ष टनावरून २४ दशलक्ष टन होण्याची शक्यता दिसून येत आहे, असे मत इंडियन पेपर अॅण्ड मॅन्युफॅक्चरर्स असोसिएशनचे उपाध्यक्ष आणि सेंच्युरी पेपरचे सीईओ जे. पी. नरेन यांनी व्यक्त केले.

आयोजित केलेल्या कार्यक्रमात जे. पी. नरेन म्हणाले, या उद्योगात मानवी शक्तीचा वापर होत असल्याने यातून प्रत्यक्ष आणि अप्रत्यक्षरीत्या नव्या रोजगार संधी उपलब्ध होतील. देशाच्या विकासाला हातभार लावत, भारतातील गुणवत्तापूर्ण कागद उत्पादक मुद्रण, लेखन,

नवी दिल्ली येथे ३ डिसेंबर ते ६ डिसेंबर २०१९ दरम्यान करण्यात आले आहे. प्रदर्शनाचे उद्घाटन केंद्रीय रस्ते वाहतूक आणि महामार्ग मंत्री नितीन गडकरी यांच्या हस्ते करण्यात येणार आहे.

राज्यातील २९ सहभागींसह या वेळी या 'पेपरएक्स २०१९' मध्ये महाराष्ट्रातील विशेष राज्य दालन असणार आहे. महाराष्ट्रातील ३०० हून अधिक एमएसएमई नव्या कंपन्यांचा यात सहभाग असणार असून त्या जगातील सर्वात मोठ्या कागद प्रदर्शनात पहिल्यांदाच जागतिक दर्जाच्या व्यापाराशी व्यापाराचा अनुभव घेऊ शकणार आहेत. प्रदूषणाची वाढती पातळी

Hyve India holds largest paper fair 'Paperex 2019'

Hyve India recently conducted the world's largest paper fair "Paperex 2019". A study on environmental issues relating to single-use plastic vis-à-vis packing paper was conducted. According to the study, the requirement of better quality packaging products and the demand for other paper are expected to drive the paper and paper products' market in India. The current market size of

Media Coverage

पेपर शो 'पेपर- एक्स 2019' तीन दिसंबर से

डेली न्यूज, नई दिल्ली। विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर- एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 दिसंबर 2019 से 6 दिसंबर 2019 तक आयोजित किया जाना है। 30,000 व्यापार आगंतुक के साथ, 29 देशों के 600 से अधिक प्रतिभागियों को भी प्रगति मैदान की पहली बार नई इमारतों का अनुभव होगा। 'पेपर-एक्स 2019' दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। अगले 5 वर्षों के लिए भारतीय पेपर उद्योग में 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की वृद्धि होने की संभावना है और 2024-25 में कुल कागज खपत वर्तमान में 15 मिलियन टन से बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। एशिया हैइव ग्रुप पीएलसी के क्षेत्रीय निदेशक गॉर्डन पायने ने कहा कि 14वीं पेपर-एक्स इंटरनेशनल प्रदर्शनी दुनिया का सबसे बड़ा पेपर शो है। इस साल पेपर-एक्स 2019 में 28 देशों के 700 से ज्यादा लीडिंग एग्जीबिटर्स मौजूद हैं। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024-25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। पेपर-एक्स को भारत में किसी भी शो में व्यापार आगंतुक द्वारा सबसे अधिक भागीदारी मिलती है। पेपर-एक्स दिल्ली में 3 दिसंबर 2019 से शुरू होगा और व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों आगंतुकों के लिए सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक 6 दिसंबर 2019 तक खुला रहेगा। 2 दिनों के दौरान, बी 2 बी सम्मेलन में पर्यावरण, ग्रीन रसायन विज्ञान और रीसाइक्लिंग पर जोर देने के साथ एक विशेष सत्र है।

लोकतेज

02 सूरत, बुधवार, 27 नवम्बर, 2019

भारतीय पेपर उद्योग आगामी पांच वर्ष में 12 प्रतिशत का वार्षिक वृद्धिदर दर्ज कराए ऐसी संभावना

लोकतेज संवाददाता

अहमदाबाद। भारतीय पेपर उद्योग आगामी पांच वर्ष में 12 प्रतिशत के वार्षिक वृद्धिदर दर्ज कराए ऐसी संभावना है। इस वृद्धिदर के कारण वर्ष 2024-25 तक में समग्र पेपर उपयोग 24 मिलियन टन का होने की धारणा है। फिलहाल यह उपयोग वार्षिक 15 मिलियन टन का है। विश्व का सबसे बड़ा पेपरशो 'पेपरेक्स 2019' 3 दिसम्बर 2019 से 6 दिसम्बर 2019 नई दिल्ली में आयोजित हो रहा है। पेपरेक्स 2019 का उद्घाटन केन्द्रीय मार्ग, परिवहन और हाईवेज विभाग के मंत्री नीतिन गडकरी के हाथों होगा। इस वर्ष पेपरेक्स 2019 में गुजरात का विशेष पैविलियन भी पहली बार रखा गया है। पेपरेक्स 2019 में गुजरात की 68 पेपरमिल्स और कई बड़ी लिस्टेड कंपनियां भाग ले रही हैं। हाईव इंडिया के डायरेक्टर, बिजनेस डेवलपमेन्ट गगन सहानी ने कहा कि 14वां पेपरेक्स इन्टरनेशनल एक्जिबिशन विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो है। इंडियन पेपर एन्ड मेन्यु. एसो. में वीपी और सीईओ जे.पी. नारायण ने कहा कि पेपर उद्योग यह मानवबल आधारित उद्योग होने से कई नई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराएगी।

Media Coverage

UberPremier

Business | India Business | International Business | Sensex | Photos | Videos | GST | Budget | Tax Calculator | FAQs

Budget | IFSC | PAN Card | Aadhaar Card | IPO | Income Tax | Savings Growth Calculator | Income Tax Slabs

NEWS / BUSINESS NEWS / INDIA BUSINESS NEWS / INDIA LIKELY TO SEE PAPER CONSUMPTION OF 24 MT IN FY'25

TOP SEARCHES: Nirmala Sitharaman | SBI IFSC Code | Sensex Today | Air India | Mukesh Ambani | Ratan Tata

India likely to see paper consumption of 24 MT in FY'25

PTI | Nov 25, 2019, 17:21 IST

A- A+

Ad

Season change wali khansi ka solution!

Kofol

TOI

New Delhi, Nov 25 () The paper industry in India is likely to grow 12 per cent per annum for next five years and the overall paper consumption is expected to increase to 24 million tonne in 2024-25 from the present 15 million tonne.

The industry is witnessing a transformation and several industry leaders are investing in capex to expand their capacity to meet the expected demand growth

અવધ ટાઇમ્સ

અમરેલી ૦૯ તા.૨૭-૧૧-૨૦૧૯ બુધવાર

ભારતીય પેપર ઉદ્યોગ આગામી પાંચ વ... ટકાનો વાર્ષિક વૃદ્ધિદર નોંધાવે તેવી શક્યતા

અમદાવાદ,
વિશ્વનો સૌથી મોટો પેપર શો પેપરેક્સ ૨૦૧૯ તા.૩ ડિસેમ્બર ૨૦૧૯ થી તા. ૬ ડિસેમ્બર ૨૦૧૯ નવી દિલ્હીમાં યોજાઈ રહ્યો છે. પેપરેક્સ ૨૦૧૯ નું ઉદ્ઘાટન કેન્દ્રિય માર્ગ ...

પ્રથમવાર રાખવામાં આવ્યું છે. પેપરેક્સ ૨૦૧૯ માં ગુજરાતની ૬૮ પેપર મિલ્સ અને કેટલીક મોટી લિસ્ટેડ કંપનીઓ ભાગ લઈ રહી છે. વિશ્વનાં સૌથી મોટા પેપર શોમાં આ વર્ષે પ્રથમવાર ૭૦૦ એમએસએમઈ ...

ઉત્પાદન કરે છે. ભારતનાં કુલ પેપર ઉત્પાદનમાં ગુજરાતના ૨૧ ટકાનો હિસ્સો છે. ભારતમાંથી છેલ્લા ત્રણ વર્ષમાં કાગળની નિકાસ વાર્ષિક ૬,૬૦,૦૦૦ ટનથી વધીને ૧૫,૦૦,૦૦૦ ટનની થઈ છે. પેપર અને ...

டில்லியில் 'பேப்பரெக்ஸ் 2019'

உலகின் மிகப்பெரிய சர்வதேச கண்காட்சி

சென்னை, நவ. 29: உலகின் மிகப்பெரிய சர்வதேச கண்காட்சியின் 14வது பதிப்பான 'பேப்பரெக்ஸ் 2019' இன் திரைச்சீலை மற்றும் காகிதத் தொழிலின் மாநாடு சென்னையில் செய்யப்பட்டது.

தமிழ்நாட்டில் 59 இயங்கும் ஆலைகள் ஆண்டுக்கு 31 லட்சம் டன் உற்பத்தி செய்கின்றன. கடந்த 3 ஆண்டுகளில் காகித ஏற்றுமதி இந்தியாவில் இருந்து 660,000 டன்னிலிருந்து 15,00, 000 டன்னாக அதிகரித்துள்ளது.

காகித ஆலைகள் கிராமப்புறங்களில் ஆதிக்கம் செலுத்துகின்றன, பெரிய அளவிலான வேலைவாய்ப்பு மற்றும் உயிரோட்டமான ஹப்"களை கிட்டத்தட்ட 50 லட்சம் மக்களுக்கு நேரடியாகவும் மறைமுகமாகவும் வழங்குகின்றன, பெரும்பான்மையானவர்கள் சமூகத்தின் குறைந்த வருமானம் கொண்டவர்கள், அதாவது குறு விவசாயிகள், திறமையான மற்றும் அரை திறமையான தொழிலாளர்கள். கண்காட்சிக்குள்ளேயே பி2பி மாநாட்டில் சுற்றுச்சூழல், பசுமை வேதியியல் மற்றும் மறுசுழற்சி ஆகியவற்றை வலியுறுத்தி ஒரு சிறப்பு அமர்வு உள்ளது, என்று வி.பி., இந்திய காகிதம் மற்றும் உற்பத்தியாளர்கள் சங்கம் மற்றும் செஞ்சுரி பேப்பரின் தலைமை நிர்வாக அதிகாரி, தெரிவித்துள்ளார்.

Media Coverage

लोकसत्य
सत्य के संग, असत्य से जंग

देश

पेपरेक्स 2019 पेपर उद्योग के लिए एकीकृत व्यापार मंच: गडकरी

December 3, 2019

नई दिल्ली (लोकसत्य) सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को प्रगति मैदान पर पेपरेक्स 2019 की 14वीं अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और कांफ्रेंस का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह आयोजन पेपर उद्योग के लिए एकीकृत व्यापार का मंच है।इस अवसर गडकरी ने कहा कि यह प्रदर्शनी नये व्यापार के अवसरों, संयुक्त उद्यमों, निवेश और कागज क्षेत्र के लिये प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और संबद्ध उद्योगों के लिये अच्छा अवसर है।यह दुनिया का सबसे बड़ा पेपर उद्योग शो है। पैंतीस से ज्यादा देशों के 700 से अधिक कंपनियां इसमें हिस्सा ले रही हैं। वहां आये आगंतुकों की विशेष रूचि पेपर ग्लास, पेपर प्लेट और मशीनों को लेकर रही।

तीन से छह दिसम्बर तक चलने वाले इस पेपर शो में देश-विदेश की कई कंपनियों ने भाग ले रही है। इस शो में ऑस्ट्रिया, बंगलादेश, कनाडा, चीन, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, लेबनान, मलेशिया, फिलीपींस, पोलैंड, कोरिया गणराज्य, स्कॉटलैंड, सिंगापुर, स्लोवेनिया, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्वीडन, ताइवान, नीदरलैंड्स, यूएई, ब्रिटेन, अमेरिका, चीन, ताइवान, जर्मनी आदि इसमें भाग ले रहे हैं।दुनिया भर में वर्ष 2025 तक पेपर उद्योग में 4.43 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है।

कागज अपनाओ, पर्यावरण बचाओ

हायवे इंडिया निदेशक संजीव बत्रा ने की लोगों से अपील

निजी संवाददाता-चंडीगढ़

हायवे इंडिया द्वारा आयोजित दुनिया के सबसे बड़े कागजी मेले में हायवे ग्रुप पीएलसीए लंदन की 100 प्रतिशत सहायक कंपनियों ने पर्यावरणीय उपयोग से संबंधित एक विषय पर अध्ययन प्लास्टिक विजएविज पैकिंग पेपर के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें निम्नलिखित मुख्य बिंदु सामने आए। हायवे इंडिया के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कागज अपनाओ, पर्यावरण बचाओ। यह मौलिक और तकनीकी क्रांति के कारण आज हम जो 100 प्रतिशत कागज का उत्पादन करते हैं, वह पुर्नवीनीकरण और बायोडिग्रेडेबल है। पेपरेक्स-2019 ने पर्यावरण को बचाने के लिए आम आदमी पर जोर दिया और हमारे रोजमर्रा के जीवन में इस आवश्यक वस्तु का उपयोग प्रदूषण को कम करने और पुनर्चक्रण को बढ़ावा दे सकता है। आज कागज के उपयोग को पर्यावरण पर प्रभाव के रूप में नहीं माना जा रहा है, जबकि शिक्षा में कागज के उपयोग को भी फिर से महत्व दिया जा रहा है। जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और अब तकनीकी परिवर्तन के कारण पेपर उद्योग कम बिजली और पानी का उपयोग करता है। रीसायकल पेपर की उत्पादन की लागत पुर्नवीनीकरण प्लास्टिक की तुलना में स्थान के आधार पर कम से कम 30 से 40 प्रतिशत सस्ती है। बेहतर गुणवत्ता वाले पैकेजिंग उत्पादों की आवश्यकता और अन्य कागज उत्पादों जैसे टिशू पेपर फिल्टर पेपर टी बैग कार्डबोर्ड आदि की मांग आने वाले वर्षों में भारत में पेपर और पेपर उत्पादों के बाजार को चलाने की उम्मीद है। दिलचस्प बात यह है कि पेपर उद्योग का केंद्र भी अधिक पर्यावरण के अनुकूल सामान और प्रौद्योगिकी की ओर बढ़ रहा है।

- कागज का उपयोग प्रदूषण को कम करने और पुनर्चक्रण को दे सकता है बढ़ावा
- बायोडिग्रेडेबल है कागज का उत्पाद

Media Coverage

विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो पेपर-एक्स 2019 नई दिल्ली में 3 दिसंबर 2019 से 6 दिसंबर 2019 तक आयोजित किया जाना है

फास्ट मीडिया

चंडीगढ, विनोद कुमार। 'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। श्री गॉर्डन पायने, क्षेत्रीय निदेशक- एशिया हैड व ग्रुप पीएलसी ने कहा, पेपर-एक्स आपके लिए खुद को देखने के लिए, नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुरानेपरिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है। भारत को कागज और संबद्ध उद्योगों के ऐसे प्रमुख प्रदर्शन की मेजबानी करने के लिए सही गर्व होना चाहिए जो दुनिया को इस वास्तविक रूप सेउद्यमी देश की तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करता है। 14वीं पेपर-एक्स इंटरनेशनल प्रदर्शनी दुनिया का सबसे बड़ा पेपर शो है। इस साल पेपर-एक्स 2019 सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है,जिसमें 28 देशों के 700 + लीडिंग एग्जीबिटर्स मौजूद हैं। पेपर-एक्स नए व्यवसाय के अवसरों, संयुक्त उद्यमों, निवेश और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए कागज और संबद्ध उद्योगों में पेपर उद्योग के लिए एक एकीकृत व्यापार मंच है। इस वर्ष, पेपर-एक्स2019 28 देशों के 700 + अग्रणी प्रदर्शकों की उपस्थिति के साथ सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है। पेपर-एक्स, को भारत में किसी भी शो में व्यापार आगंतुक द्वारा सबसे अधिक भागीदारीमिलती है। हमारे पास दो और कॉन-करंट टिश्यू-एक्स और करुगेस (Corrugex) हैं। पेपर-एक्स दिल्ली में 3 दिसंबर 2019

से शुरू होगा और व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों आगंतुकों के लिए सुबह 10 बजे सेशाम 6 बजे तक 6 दिसंबर 2019 तक खुला रहेगा।

2 दिनों के दौरान, बी2बी सम्मेलन में पर्यावरण, ग्रीन रसायन विज्ञान और रीसाइक्लिंग पर जोर देने के साथ एक विशेष सत्र है। श्री जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंडमैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और कुछ बड़ी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही हैं- विशिष्ट मांग। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024-25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। मेरा मानना है कि उद्योग के भीतर एक समेकन होगा औरहम अधिक खिलाडियों को एक-दूसरे के पूरक के लिए विलय और अधिग्रहण गतिविधि करते देखेंगे।

चूंकि यह एक जनशक्ति संचालित उद्योग है, इसलिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दोनों ही नौकरियांपैदा होंगी। राष्ट्र के विकास में योगदान करते हुए, भारत के गुणवत्ता वाले कागज निर्माता मुद्रण, लेखन, पैकेजिंग, प्रकाशन, नोटबुक और स्टेशनरी क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करते हैं।

ઇકોનોમિક ટાઇમ્સ | અમદાવાદ | બુધવાર | ૨૭ નવેમ્બર, ૨૦૧૯

ભારતીય પેપર ઉદ્યોગ પાંચ વર્ષમાં 12%નો વાર્ષિક વૃદ્ધિદર નોંધાવશે

ઇટી બ્યૂરો
અમદાવાદ.

ભારતીય પેપર ઉદ્યોગ આગામી પાંચ વર્ષમાં ૧૨ ટકાના વાર્ષિક વૃદ્ધિદર નોંધાવે તેવી શક્યતા છે. આ વૃદ્ધિદરને કારણે વર્ષ ૨૦૨૪-'૨૫ સુધીમાં સમગ્ર પેપર વપરાશ ૨૪ મિલિયન ટનનો થાય તેવી ધારણા છે. હાલમાં આ વપરાશ વાર્ષિક ૧૫ મિલિયન ટનનો છે. વિશ્વનો સૌથી મોટો પેપરશો 'પેપરેક્સ ૨૦૧૯' ૩ ડિસેમ્બરથી ૬ ડિસેમ્બર દરમિયાન નવી દિલ્હીમાં યોજાઈ રહ્યો છે. 'પેપરેક્સ ૨૦૧૯'નું ઉદ્‌ઘાટન કેન્દ્રીય માર્ગ, પરિવહન મંત્રી નીતિન ગડકરીના હસ્તે થશે. આ વર્ષે પેપરેક્સ ૨૦૧૯માં ગુજરાતનું વિશેષ પેવિલિયન પણ પ્રથમવાર રાખવામાં આવ્યું છે, જેમાં ગુજરાતની ૯૮ પેપર મિલ્સ અને કેટલીક મોટી લિસ્ટેડ કંપનીઓ ભાગ લઈ રહી છે. વિશ્વના સૌથી મોટા પેપર શોમાં આ વર્ષે પ્રથમવાર ૭૦૦ એમએસએમઈ નવી કંપનીઓ / ટ્રેડર્સ પણ ભાગ લેશે.

ગુજરાતમાં હાલમાં ૧૨૨ કાર્યરત મિલ્સ છે જે વાર્ષિક ૯૨ લાખ ટન કાગળનું ઉત્પાદન કરે છે. ભારતના કુલ પેપર ઉત્પાદનમાં ગુજરાતના ૨૧ ટકાનો હિસ્સો છે. ભારતમાંથી છેલ્લાં ત્રણ વર્ષમાં કાગળની નિકાસ વાર્ષિક ૬,૬૦,૦૦૦ ટનથી વધીને ૧૫,૦૦,૦૦૦ ટનની થઈ છે. પેપર અને સંબંધિત ઉદ્યોગો ભારતમાં

અંદાજે ૫૦ મિલિયન જેટલા લોકોને પ્રત્યક્ષ અથવા અપ્રત્યક્ષ રીતે રોજગારી પૂરી પાડે છે.

હાઈવ ઇન્ડિયાના ડાયરેક્ટર, બિઝનેસ ડેવલપમેન્ટ ગગન સહાનીએ જણાવ્યું હતું કે, "૧૪મો પેપરેક્સ ઇન્ટરનેશનલ એક્ઝિબિશન વિશ્વનો સૌથી મોટો પેપર શો છે. પેપરેક્સ એ પેપર ઉદ્યોગ માટેનું યુનિફાઇડ બિઝનેસ પ્લેટફોર્મ છે. આ વર્ષે પેપરેક્સમાં ૨૮ દેશોનાં ૭૦૦થી વધુ ટોચના એક્ઝિબિટર્સ ભાગ લઈ રહ્યા છે. ઇન્ડિયન પેપર એન્ડ મેન્યુ એસોસિયેશનના વીપી અને સીઇઓ જે પી નારાયણે જણાવ્યું હતું કે, "પેપર ઉદ્યોગ તે માનવબળ આધારિત ઉદ્યોગ હોવાથી તે ઘણી નવી પ્રત્યક્ષ અને અપ્રત્યક્ષ રોજગારી પૂરી પાડશે."

लोकतेज

02 सूरत, मंगलवार, 10 दिसंबर, 2019

से यस टु पेपर : सिंगल युज प्लास्टिक के विकल्प के तौर पर पर्यावरणमित्र पेपर का उपयोग बढेगा

लोकतेज संवाददाता

अहमदाबाद। हाईव ग्रुप, पीएलसी लंडन की संपूर्ण ...

लिस्टेड कंपनियों ने भाग लिया था। गुजराती 700 एमएसएमई नई कंपनियों ने भाग लिया।

कागद उद्योगातील प्रगतीचा महाराष्ट्र लाभार्थी

व्यापार प्रतिनिधी, मुंबई

पाच वर्षांत १२ टक्के दराने वाढ अपेक्षित

गेल्या तीन वर्षात भारतातून झालेली कागद निर्यात ही ६ लाख ६०,००० टनावरून १५ लाख टनांवर गेली आहे. आगामी पाच वर्षांत कागद उद्योगाची देशांतर्गत उलाढाल १२ टक्के दराने वाढून १५ दशलक्ष टनांवरून, २४ दशलक्ष टन होण्याची अपेक्षा आहे. या वाढीचा सर्वाधिक लाभार्थी जवळपास ...

अप्रत्यक्षरीत्या अडीच कोटी कुटुंबांना रोजगार आणि उदरनिर्वाहाच्या संधी उपलब्ध करून देतात. यामध्ये शेतकरी, कुशल आणि अर्धकुशल कामगार यासारख्या कमी उत्पन्न गटाचा समावेश आहे. कागद उद्योगातील या ...

राज्यातील एनआर अगरवाल, पदमजी पल्प, बिल्ट अशा काही मोठ्या कंपन्यांसह २९ उद्योग सहभागी होत आहेत. ३०० हून अधिक एमएसएमई कंपन्यांचाही सहभाग होत असून ते पहिल्यांदाच जागतिक दर्जाच्या कंपन्यांशी व्यापाराचा अनुभव घेतील.

पेपरएक्सचे आयोजक इंडियन पेपर अँड मॅन्युफॅक्चरर्स असोसिएशनचे उपाध्यक्ष आणि सेंच्युरी पेपरचे ...

Media Coverage

SAY YES TO PAPER ਪਲਾਸਟਿਕ, ਤਕਨੀਕੀ ਬਦਲਾਅ ਅਤੇ ਰੀਸਾਈਕਲਿੰਗ ਦੀ ਸੋਲੋ ਵਰਤੋਂ ਦੇ ਰੂਪ 'ਚ ਪਰਿਆਵਰਣ ਨੂੰ ਵੱਡੇ ਪੱਧਰ ਤੇ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਕਰਨ 'ਚ ਮਦਦ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 6 ਸੰਬਰ (ਸ਼ਬਦੇਵ): ਹਾਯਵੇ ਇੰਡੀਆ (Hyve India) ਵੱਲੋਂ ਆਯੋਜਿਤ ਦੁਨੀਆਂ ਦੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੇ ਕਾਗਜ਼ੀ ਮੇਲੇ 'ਚ ਹਾਯਵੇ ਗਰੁੱਪ ਪੀਐਲਸੀ (Hyve Group Plc), ਲੰਡਨ ਦੀ 100 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਸਹਾਇਕ ਕੰਪਨੀ, ਨੇ ਪਰਿਆਵਰਣ ਉਪਯੋਗ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਇੱਕ ਵਿਸ਼ੇ 'ਤੇ ਇੱਕ ਅਧਿਅਨ ਪਲਾਸਟਿਕ ਵਿਜ-ਏ-ਵਿਜ ਪੈਕਿਗ ਪੇਪਰ ਦੇ ਬਾਰੇ 'ਚ ਵਿਸਥਾਰ ਨਾਲ ਦੱਸਿਆ, ਜਿਸ 'ਚ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਮੁੱਖ ਬਿੰਦੂ ਸਾਹਮਣੇ ਆਏ: ਹਾਯਵੇ ਇੰਡੀਆ (Hyve India) ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ ਸ਼੍ਰੀ ਸੰਜੀਵ ਬੱਤਰਾ ਨੇ ਕਿਹਾ, SAY YES TO PAPER ਮੰਲਿਕ ਅਤੇ ਤਕਨੀਕੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੇ ਕਾਰਨ, ਅੱਜ ਅਸੀਂ ਜੋ 100 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਕਾਗਜ਼ ਦਾ ਉਤਪਾਦਨ ਕਰਦੇ ਹਾਂ, ਉਹ ਦੁਬਾਰਾ ਨਵੀਨੀਕਰਣ ਅਤੇ ਬਾਯੋਡਿਗ੍ਰੇਡੇਬਲ ਹੈ। ਪੇਪਰਐਕਸ-2019 ਨੇ ਪਰਿਆਵਰਣ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਆਮ ਆਦਮੀ 'ਤੇ ਜੋਰ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਰੋਜਾਨਾ ਦੇ ਜੀਵਨ 'ਚ ਇਸ ਜ਼ਰੂਰੀ ਵਸਤੂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕਰਨ ਅਤੇ ਰੀਸਾਈਕਲਿੰਗ ਨੂੰ ਹੁੰਗਾਰਾ ਦੇ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਅੱਜ, ਕਾਗਜ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਪਰਿਆਵਰਣ 'ਤੇ ਪ੍ਰਾਭਵ ਦੇ ਰੂਪ 'ਚ ਨਹੀਂ ਮੰਨਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਸਿੱਖਿਆ 'ਚ ਕਾਗਜ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਫਿਰ ਤੋਂ ਮਹੱਤਵ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਹ ਇਸ ਤੱਥ ਨਾਲ ਸ਼ਲਾਘਾ ਅਤੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਮੰਨਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਡਿਜੀਟਲ ਮਾਧਿਅਮ ਦੀ ਬਜਾਏ ਕਾਗਜ ਨਾਲ ਅਧਿਅਨ ਕਰਨ 'ਤੇ ਅਵਧਾਰਣਾਂ ਪੱਧਰ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ। ਪੇਪਰਐਕਸ 2019 'ਚ ਅਸੀਂ ਇਸ ਸੈਗਮੈਂਟ 'ਚ ਟ੍ਰੇਡ ਵਿਜੀਟਰ ਨਾਲ ਜ਼ਿਆਦਾ ਟ੍ਰੈਕਸ਼ਨ ਦੇਖਿਆ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਆਮ ਉਪਭੋਗਤਾ ਦੇ ਹਿੱਤ ਨੂੰ ਵੀ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਨਵੇਂ ਉਤਪਾਦਾਂ ਨੂੰ ਸਿੱਖਣਾ ਅਤੇ ਅਨੁਭਵ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਪਲਾਸਟਿਕ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਜ਼ਬੂਤ ਹਨ ਅਤੇ ਖਾਦ ਖੇਤਰ 'ਚ ਪਲਾਸਟਿਕ ਦੇ ਲਈ ਬਿਹਤਰ ਵਿਕਲਪ ਹਨ। ਪੇਪਰ ਉਦਯੋਗ 3ਆਰ (ਘੱਟ, ਮੁੜ ਵਰਤੋਂ ਅਤੇ ਰੀਸਾਈਕਲ) ਸਿਧਾਂਤ ਨਾਲ ਵੇਟਿਗ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਐਫਐਮਸੀਜੀ, ਖਾਦ ਡਿਸਟ੍ਰੀਬਿਊਸ਼ਨ ਅਤੇ ਈਕਾਮਰਸ ਕੰਪਨੀਆਂ ਦੇ ਜਿੰਮੇਦਾਰ ਅਤੇ ਸੂਚਿਤ ਕਾਰਪੋਰੇਟਸ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੂਪ ਨਾਲ ਰੀਸਾਇਕੀਲਿੰਗ ਪੇਪਰ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਨਿਯਮਿਤ ਪੈਕਿਗ ਜ਼ਰੂਰਤਾਂ 'ਚ ਸੋਲੋ ਵਰਤੋਂ ਪਲਾਸਟਿਕ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਖਮ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਉੱਚ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ਾਂ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਸ਼੍ਰੀ ਜੇ ਪੀ ਨਰਾਇਣ, ਵੀਪੀ, ਇੰਡੀਅਨ ਪੇਪਰ ਐਂਡ ਮੈਨਿਊਫੈਕਚਰਰਸ ਐਸੋਸਿਏਸ਼ਨ ਅਤੇ ਸੇਂਚੁਰੀ ਪੇਪਰ ਦੇ ਸੀਈਓ ਨੇ ਕਿਹਾ, ਪੇਪਰ ਉਦਯੋਗ ਬਦਲਾਅ ਦੇ ਦੌਰ 'ਚੋਂ ਗੁਜ਼ਰ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਹੁਣ ਤਕਨੀਕੀ ਬਦਲਾਅ ਦੇ ਕਾਰਨ ਪੇਪਰ ਉਦਯੋਗ ਘੱਟ ਬਿਜਲੀ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਰੀਸਾਈਕਲ ਪੇਪਰ ਦੀ ਉਤਪਾਦਨ ਦੀ ਲਾਗਤ ਦੁਬਾਰਾ ਨਵੀਨੀਕਰਣ ਪਲਾਸਟਿਕ ਦੀ ਤੁਲਨਾਂ 'ਚ ਸਥਾਨ ਦੇ ਅਧਾਰ 'ਤੇ ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ 30 ਤੋਂ 40 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਸਸਤੀ ਹੈ। ਬਿਹਤਰ ਕੁਆਲਿਟੀ ਵਾਲੇ ਪੈਕੇਜਿੰਗ ਉਤਪਾਦਾਂ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਅਤੇ ਹੋਰ ਕਾਗਾ ਉਤਪਾਦਾਂ, ਜਿਵੇਂ ਟਿਸ਼ੂ ਪੇਪਰ, ਫਿਲਟਰ ਪੇਪੇ, ਟੀ ਬੈਗ, ਕਾਰਡਬੋਰਡ ਆਦਿ ਦੀ ਮੰਗ ਅਉਣ ਵਾਲੇ ਸਾਲਾਂ 'ਚ ਭਾਰਤ 'ਚ ਪੇਪਰ ਅਤੇ ਪੇਪਰ ਉਤਪਾਦਾਂ ਦੇ ਬਜ਼ਾਰ ਨੂੰ ਚਲਾਉਣ ਦੀ ਆਸ ਹੈ। ਦਿਲਚਸਪ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪੇਪਰ ਉਦਯੋਗ ਦਾ ਕੇਂਦਰ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪਰਿਆਵਰਣ ਦੇ ਅਨੁਕੂਲ ਸਮਾਨ ਅਤੇ ਪ੍ਰੌਦਯੋਗਿਕੀ ਦੇ ਵੱਲ ਵਧ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਪੇਪਰ ਉਦਯੋਗ ਦੇ ਲਈ ਇੱਕ ਵੱਡਾ ਮੌਕਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਭਾਰਤ 'ਚ ਸੋਲੋ-ਵਰਤੋਂ ਪਲਾਸਟਿਕ ਬਜ਼ਾਰ 80000 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ (ਲਗਭਗ) ਦੇ ਕਰੀਬ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਕਾਗਜ ਉਦਯੋਗ ਦਾ ਵਿਸ਼ਵ ਪੱਧਰੀ ਮੁਕਾਬਲਾ ਵਧ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਨਵੇਂ ਉਤਪਾਦਾਂ 'ਚ ਨਵੀਨਤਾ ਦੇ ਨਾਲ ਸਥਿਰ ਕੱਚੇ ਮਾਲ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਜ਼ਿਹੜੀਆਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਚਮਕਦਾਰ ਅਤੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਹਨ, ਇਹ 100 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਮੁੜ ਲਾਗੂ ਭਵਿੱਖ ਦੇ ਉਤਪਾਦ 'ਚ ਹੋਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਿਵੇਸ਼ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਉਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਕਰੇਗਾ।

नवी दिल्लीत भरणार सर्वात मोठे कागद प्रदर्शन

मुंबई : पुढारी वृत्तसेवा

पेपरएक्स २०१९ या जगातील सर्वात मोठ्या कागद प्रदर्शनाचे उद्घाटन रस्ते वाहतूक आणि महामार्ग केंद्रीय मंत्री तसेच सूक्ष्म, लघू आणि मध्यम जहाज उद्योगमंत्री नितीन जयराम गडकरी यांच्या हस्ते ३ डिसेंबर रोजी करण्यात येणार आहे. नवी दिल्ली होणार आहे. हे प्रदर्शन ६ डिसेंबरपर्यंत सकाळी १० ते सायंकाळी ६ पर्यंत ते पाहता येईल. या प्रदर्शनात महाराष्ट्रातील विशेष राज्य दालन असणार आहे.

यावर्षी नवी दिल्लीतील प्रदर्शनात राज्यातील २९ कारखाने आणि एन. आर. अगरवाल, पद्माजी, पल्प, बीआयएलटी अशा काही मोठ्या कंपन्या सहभागी होणार आहेत. तर ३०० हून अधिक नव्या एमएसएमई कंपन्यांचा यात सहभाग असेल.

पुढील ५ वर्षांत भारतीय कागद उद्योगात १२ टक्क्यांनी वाढ होण्याची आणि वर्तमान काळाच्या तुलनेत २०२४-२५ मध्ये एकूण कागद वापर हा १५ दशलक्ष टनावरुन २४ दशलक्ष टन होण्याची शक्यता या क्षेत्रातील व्यावसायिकांनी व्यक्त केली आहे.

याबाबतची माहिती देताना इंडियन पेपर अॅन्ड मॅन्युफॅक्चरर्स असोसिएशनचे उपाध्यक्ष आणि सेंच्युरी पेपरचे सीईओ जे.पी. नरेन म्हणाले की, २०२४-२५ मध्ये एकूण कागदाचा वापर १५ दशलक्ष टनावरून २४ दशलक्ष टन होण्याची शक्यता आहे. हाईव्ह इंडियाचे व्यवसाय विकास संचालक गगन साहनी म्हणाले की, पेपरएक्स हा नव्या कागद आणि संबंधित उद्योगांसाठी व्यापार संधी, संयुक्त उद्योग, गुंतवणूक आणि तंत्रज्ञान हस्तांतरण या दृष्टीने कागद उद्योगासाठी एकीकृत व्यवसाय मंच आहे.

3 दिसम्बर को दिल्ली में आयोजित होगा पेपर शो 'पेपर-एक्स 2019'

देहरादून। 'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। समारोह में बोलते हुए, श्री जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, "पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और कुछ बड़ी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही हैं- विशिष्ट मांग। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024-25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। मेरा मानना है कि उद्योग के भीतर एक समेकन होगा और हम अधिक खिलाड़ियों को एक-दूसरे के पूरक के लिए विलय और अधिग्रहण गतिविधि करते देखेंगे। चूंकि यह एक जनशक्ति संचालित उद्योग है, इसलिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दोनों ही नौकरियां पैदा होंगी। राष्ट्र के विकास में योगदान करते हुए, भारत के गुणवत्ता वाले कागज निर्माता मुद्रण, लेखन, पैकेजिंग, प्रकाशन, नोटबुक और स्टेशनरी क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करते हैं।" गॉर्डन पायने, क्षेत्रीय निदेशक- एशिया हैइव ग्रुप पीएलसी ने कहा, "पेपर-एक्स आपके लिए खुद को देखने के लिए, नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुराने परिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है।

Media Coverage

कागज अपनाओ, पर्यावरण बचाओ

हायवे इंडिया निदेशक संजीव बत्रा ने की लोगों से अपील

निजी संवाददाता-चंडीगढ़

- कागज का उपयोग प्रदूषण को कम करने और पुनर्चक्रण को दे सकता है बढ़ावा
- बायोडिग्रेडेबल है कागज का उत्पाद

हायवे इंडिया द्वारा आयोजित दुनिया के सबसे बड़े कागजी मेले में हायवे ग्रुप पीएलसीए लंदन की 100 प्रतिशत सहायक कंपनियों ने पर्यावरणीय उपयोग से संबंधित एक विषय पर अध्ययन प्लास्टिक विजएविज पैकिंग पेपर के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें निम्नलिखित मुख्य बिंदु सामने आए। हायवे इंडिया के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कागज अपनाओ, पर्यावरण बचाओ। यह मौलिक और तकनीकी क्रांति के कारण आज हम जो 100 प्रतिशत कागज का उत्पादन करते हैं, वह पुर्नवीनीकरण और बायोडिग्रेडेबल है। पेपरेक्स-2019 ने पर्यावरण को बचाने के लिए आम आदमी पर जोर दिया और हमारे रोजमर्रा के जीवन में इस आवश्यक वस्तु का उपयोग प्रदूषण को कम करने और पुनर्चक्रण को बढ़ावा दे सकता है। आज कागज के उपयोग को पर्यावरण पर प्रभाव के रूप में नहीं माना जा रहा है, जबकि शिक्षा में कागज के उपयोग को भी फिर से महत्व दिया जा रहा है। जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और अब तकनीकी परिवर्तन के कारण पेपर उद्योग कम बिजली और पानी का उपयोग करता है। रीसायकल पेपर की उत्पादन की लागत पुनर्नवीनीकरण प्लास्टिक की तुलना में स्थान के आधार पर कम से कम 30 से 40 प्रतिशत सस्ती है। बेहतर गुणवत्ता वाले पैकेजिंग उत्पादों की आवश्यकता और अन्य कागज उत्पादों जैसे टिशू पेपर फिल्टर पेपर टी बैग कार्डबोर्ड आदि की मांग आने वाले वर्षों में भारत में पेपर और पेपर उत्पादों के बाजार को चलाने की उम्मीद है। दिलचस्प बात यह है कि पेपर उद्योग का केंद्र भी अधिक पर्यावरण के अनुकूल सामान और प्रौद्योगिकी की ओर बढ़ रहा है।

दिल्ली में आयोजित होगी दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी

देहरादून/एक्शन इंडिया ब्यूरो

'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। समारोह में बोलते हुए, जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, "पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और कुछ बड़ी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही हैं- विशिष्ट मांग। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024-25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। मेरा मानना है कि उद्योग के भीतर

चूंकि यह एक जनशक्ति संचालित उद्योग है, इसलिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दोनों ही नौकरियां पैदा होंगी

एक समेकन होगा और हम अधिक खिलाड़ियों को एक-दूसरे के पूरक के लिए विलय और अधिग्रहण गतिविधि करते देखेंगे। चूंकि यह एक जनशक्ति संचालित उद्योग है, इसलिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दोनों ही नौकरियां पैदा होंगी। राष्ट्र के विकास में योगदान करते हुए, भारत के गुणवत्ता वाले कागज निमार्ता मुद्रण, लेखन, पैकेजिंग, प्रकाशन, नोटबुक और स्टेशनरी क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करते हैं।

Media Coverage

यूपी विश्व के सबसे बड़े पेपर शो पेपर एक्स 2019 में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा

वाराणसी। 268 प्रतिभागियों के साथ, पेपर-एक्स 2019 में इस बार उत्तर प्रदेश से एक विशेष राज्य मंडप होगा पेपर-एक्स का उद्घाटन 3 दिसंबर 2019 को भारत के सड़क परिवहन और राज मार्ग

मंत्री और भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के शिपिंग मंत्रालय के मंत्री श्री नितिन जयराम गडकरी द्वारा किया जाएगा। पेपरेक्स 2019 'का पर्दा उठाने वाला, दुनिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण लखनऊ में किया गया।भारत में कागज का सबसे बड़ा उत्पादक होने के नाते, इस बार उत्तर प्रदेश से एक विशेष राज्य मंडप होगा जिसमें 168 मीलें और कुछ बड़ी सूचीबद्ध कंपनियां भाग ले रही हैं। उत्तर प्रदेश के 1100 से अधिक डैम् नई कंपनियाँ व्यापारी हैं, जो इस विश्व के सबसे बड़े पेपर शो में वर्ल्ड क्लास बिजनेस टू बिजनेस का अनुभव प्राप्त करने के लिए पहली बार आ रहे हैं।उत्तर प्रदेश में 139 पेपर मीलें हैं, जो प्रतिवर्ष 75 लाख टन के करीब कागज का उत्पादन करती हैं।

कम लागत के निर्माता के रूप में, उत्तर प्रदेश भारत के कुल उत्पादन में 23: का योगदान देता है। पिछले 3 वर्षों में भारत से कागज निर्यात 660,000 टन से बढ़कर 15,00,000 टन हो गया।कागज और संबद्ध उद्योग उत्तर प्रदेश में प्रत्यक्ष औरअप्रत्यक्ष रूप से लगभग 15 लाख नौकरियों का सृजन करते हैं।ग्रामीण क्षेत्रों में पहले से स्थापित पेपरमिल्स, बड़े पैमाने पर रोजगारऔर लगभग 15 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हुड प्रदान करते हैं, बहुमत समाज के निम्न आय वर्ग यानी सीमांत किसानों, कुशल और अर्धकुशल श्रमिकों से हैं।बढ़ते प्रदूषण के स्तर को ध्यान में रखते हुए, प्रदर्शनी में बी 2 बी सम्मेलन में पर्यावरण, ग्रीन रसायन विज्ञान और रीसाइक्लिंग पर जोर देने के साथ एक विशेष सत्र के गगन साहनी, निदेशक, व्यवसाय विकास, Hyve India ने बताया, 14 वीं पेपरेक्स इंटरनेशनल प्रदर्शनी दुनिया का सबसे बड़ा पेपर शो है। हम उत्तर प्रदेश सेअधिकतम एमएसएमई भागीदारी प्राप्त करने के लिए उत्साहित हैं।उत्तर प्रदेश विश्व के सबसे बड़े कागजात के सबसे बड़े पर्चे के रूप में देखा जा सकता है जो व्यापार आगंतुक औरअंतिम उपयोगकर्ता को दर्शाता है। पेपरेक्स एक पेपरइंडस्ट्री के लिए यूनिफाइड बिजनेस प्लेटफॉर्म है, जोन व्यावसायिक अवसरों, संयुक्त उद्यमों, निवेश और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए पेपर और संबद्ध उद्योगों में है।

सौराष्ट्र भूमि जूनागढ आवृत्ति

बुधवार ता. २७ नवेम्बर, २०१९

ભારતીય પેપર ઉદ્યોગ આગામી પાંચ વર્ષમાં ૧૨ ટકાનો વાર્ષિક વૃદ્ધિદર નોંધાવે તેવી શકયતા

અમદાવાદ, તા.૨૭

વિશ્વનો સૌથી મોટો પેપર શો પેપરેક્સ ૨૦૧૯ તા.૩ ડિસેમ્બર ૨૦૧૯થી તા.૬ ડિસેમ્બર ૨૦૧૯ નવી દિલ્હીમાં યોજાઈ રહ્યો છે. પેપરેક્સ રાખવામાં આવ્યું છે.

પેપરેક્સ ૨૦૧૯માં ગુજરાતની ૬૮ પેપર મિલ્સ અને કેટલીક મોટી લિસ્ટેડ કંપનીઓ ભાગ લઈ રહી છે. વિશ્વના સૌથી મોટા પેપર શોમાં

ઉત્પાદન કરે છે. ભારતના કુલ પેપર ઉત્પાદનમાં ગુજરાતનો ૨૧ ટકાનો હિસ્સો છે. ભારતમાંથી છેલ્લા ત્રણ વર્ષમાં કાગળની નિકાસ વાર્ષિક ૬,૬૦,૦૦૦ ટનથી વધીને

देशबन्धु

Influencing Public Opinion Since 1959

पैपरेक्स 2019 पेपर उद्योग के लिए एकीकृत व्यापार मंच: गडकरी

Share:

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री नितिन गडकरी नेआज प्रगति मैदान पर पैपरेक्स 2019 की 14वीं अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी और कांफ्रेस का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह आयोजन पेपर उद्यो के लिए एकीकृत व्यापार क

Reported by: एजेंसी 2019-12-03 18:48:40

BREATHE AIR AT ITS PUREST
AIR PURIFIERS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

तकनीकी परिवर्तन के कारण पेपर उद्योग में बिजली और पानी का उपयोग हुआ कम

लखनऊ। हैवी इंडिया के निदेशक संजीव बत्रा ने कहा कागज अपनाओ। मौलिक और तकनीकी क्रांति के कारण, आज हम जो 100 प्रतिशत कागज का उत्पादन करते हैं, वह पुनर्नवीनीकरण और बायोडिग्रेडेबल है। पेपरेक्स-2019 ने पर्यावरण को बचाने के लिए आम आदमी पर जोर दिया और हमारे रोजमर्रा के जीवन में इस आवश्यक वस्तु का उपयोग प्रदूषण को कम करने और पुनर्चक्रण को बढ़ावा दे सकता है। आज, कागज के उपयोग को पर्यावरण पर प्रभाव के रूप में नहीं माना जा रहा है, जबकि शिक्षा में कागज के उपयोग को भी फिर से महत्व दिया जा रहा है। यह इस तथ्य से सराहना और अच्छी तरह से स्वीकार किया जा रहा है कि डिजिटल माध्यम के बजाय कागज से अध्ययन करने पर अवधारण स्तर बहुत अधिक है। पेपरेक्स 2019 में हमने इस सेगमेंट में ट्रेड विजिटर से अधिकतम ट्रैक्शन देखा है। हमने आम उपभोक्ता के हित को भी देखा है जो नए उत्पादों को सीखना और अनुभव करना चाहते हैं जो प्लास्टिक की तरह मजबूत हैं और खाद्य क्षेत्र में प्लास्टिक के लिए बेहतर विकल्प हैं। जेपी नारायण, वीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और अब तकनीकी परिवर्तन के कारण पेपर उद्योग कम बिजली और पानी का उपयोग करता है। रीसायकल पेपर की उत्पादन की लागत पुनर्नवीनीकरण प्लास्टिक की तुलना में स्थान के आधार पर कम से कम 30 से 40प्रतिशत सस्ती है। बेहतर गुणवत्ता वाले पैकेजिंग उत्पादों की आवश्यकता और अन्य कागज उत्पादों, जैसे टिशू पेपर, फिल्टर पेपर, टी बैग, कार्डबोर्ड आदि की मांग आने वाले वर्षों में भारत में पेपर और पेपर उत्पादों के बाजार को चलाने की उम्मीद है। दिलचस्प बात यह है कि पेपर उद्योग का केंद्र भी अधिक पर्यावरण के अनुकूल सामान और प्रौद्योगिकी की ओर बढ़ रहा है। पेपर उद्योग के लिए एक बड़ा अवसर है क्योंकि भारत में एकल-उपयोग प्लास्टिक बाजार 80000 करोड़ रुपये लगभग के करीब है। इसके अलावा कागज उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। नए उत्पादों में नवीनता के साथ स्थिर कच्चे माल की कीमतें जो अधिक चमकदार और मजबूत हैं।

Media Coverage

Business Standard

HOME | MARKETS | COMPANIES | OPINION | TECH | SPECIALS | PF | PORTFOLIO | MULTIMEDIA | BUDGET 2020

India's overall paper consumption likely to increase to 24 MT in FY'25

The industry is witnessing a transformation and several industry leaders are investing in capex to expand their capacity to meet the expected demand growth

Press Trust of India | New Delhi
Last Updated at November 25, 2019 23:14 IST

7

विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर-एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 से 6 दिसंबर को होगा आयोजित

जलतोदीप वर्मा, जयपुर

विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो 'पेपर- एक्स 2019' नई दिल्ली में 3 दिसंबर 2019 से 6 दिसंबर 2019 तक आयोजित किया जाना है। 30000 व्यापार आगंतुक के साथ, 29 देशों के 600 से अधिक प्रतिभागियों को भी प्रगति मैदान की पहली बार नई इमारतों का अनुभव होगा। 'पेपर-एक्स 2019', दुनिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय पेपर प्रदर्शनी और सम्मेलन का 14 वां संस्करण नई दिल्ली में होने जा रहा है। अगले 5 वर्षों के लिए भारतीय पेपर उद्योग में 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की वृद्धि होने की संभावना है और 2024-25 में कुल कागज खपत वर्तमान में 15 मिलियन टन से बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। समारोह में बोलते हुए श्री गॉर्डन पायने, क्षेत्रीय निदेशक- एशिया हेल्थ ग्रुप पीएलसी ने कहा, 'पेपर-एक्स आपके लिए खुद को देखने के लिए नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों, नए व्यापार भागीदारों के साथ मिलने और पुराने परिचितों को नवीनीकृत करने का एक दुर्लभ मौका है। भारत को कागज और संबद्ध उद्योगों के ऐसे प्रमुख प्रदर्शन की मेजबानी करने के लिए सही गर्व होना चाहिए जो दुनिया को इस वास्तविक रूप से उद्यमी देश की तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करता है। 14 वीं पेपर-एक्स इंटरनेशनल प्रदर्शनी दुनिया का सबसे बड़ा पेपर शो है। इस साल पेपर-एक्स 2019 सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है, जिसमें 28 देशों के 700 से ज्यादा लीडिंग एग्जीबिटर्स मौजूद हैं। समारोह में बोलते हुए, जेपी नारायण, सीपी, इंडियन पेपर एंड मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन और सेंचुरी पेपर के सीईओ ने कहा, ''पेपर उद्योग परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और कुछ बड़ी पेपर कंपनी अपने क्षेत्र या उत्पाद या श्रेणी को पूरा करने के लिए विस्तार कर रही है- विशिष्ट मांग। वर्तमान में पंद्रह मिलियन टन से 2024-25 में कुल मिलाकर कागज की खपत बढ़कर 24 मिलियन टन होने का अनुमान है। मेरा मानना है कि उद्योग के भीतर एक समेकन होगा और हम अधिक खिलाड़ियों को एक-दूसरे के पूरक के लिए विलय और अधिग्रहण गतिविधि करते देखेंगे। चूंकि यह एक जनशक्ति संचालित उद्योग है, इसलिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दोनों ही नौकरियां पैदा होंगी। राष्ट्र के विकास में योगदान करते हुए, भारत के गुणवत्ता वाले कागज निर्माता मुद्रण, लेखन, पैकेजिंग, प्रकाशन, नोटबुक और स्टेशनरी क्षेत्र की आवश्यकता को पूरा करते हैं।'' 'पेपर-एक्स नए व्यवसाय के अवसरों, संयुक्त उद्यमों, निवेश और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए कागज और संबद्ध उद्योगों में 'पेपर उद्योग के लिए एक एकीकृत व्यापार मंच' है। इस वर्ष, पेपर-एक्स 2019, 28 देशों के 700 से ज्यादा अग्रणी प्रदर्शकों की उपस्थिति के साथ सफलता की कहानी दोहराने के लिए तैयार है। पेपर-एक्स, को भारत में किसी भी शो में व्यापार आगंतुक द्वारा सबसे अधिक भागीदारी मिलती है। पेपर-एक्स दिल्ली में 3 दिसंबर 2019 से शुरू होगा और व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों आगंतुकों के लिए सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक 6 दिसंबर 2019 तक खुला रहेगा।'

ગુજરાત ટુડે

બુધવાર ૨૭-૧૧-૨૦૧૯

આગામી વર્ષોમાં ભારતીય પેપર ઉદ્યોગનો વૃદ્ધિદર વધવાની શક્યતા

વિશ્વનો સૌથી મોટો પેપર શો ૩થી ૬ ડિસેમ્બર સુધી દિલ્હીમાં યોજાશે

અમદાવાદ, તા.૨૬ ભારતીય પેપર ઉદ્યોગ આગામી પાંચ વર્ષમાં ૧૨ ટકાના વાર્ષિક વૃદ્ધિદર નોંધાવે તેવી શક્યતાઓ છે. આ વૃદ્ધિદરને કારણે વર્ષ ૨૦૨૪૨૫ સુધીમાં સમગ્ર પેપર વપરાશ ૨૪ મિલિયન ટનનો થાય તેવી ધારણા છે. હાલમાં આ વપરાશ વાર્ષિક ૧૫ મિલિયન ટનનો છે. વિશ્વનો સૌથી મોટો પેપર શો 'પેપરેક્સ ૨૦૧૯' તા.૩ ડિસેમ્બર ૨૦૧૯થી તા.૬ ડિસેમ્બર ૨૦૧૯ નવી દિલ્હીમાં યોજાઈ રહ્યો છે. પેપરેક્સ ૨૦૧૯નું ઉદ્ઘાટન કેન્દ્રિય માર્ગ, પરિવહન અને હાઈવેઝ વિભાગના મંત્રી નીતિન ગડકરીના હસ્તે થશે. આ વર્ષે પેપરેક્સ ૨૦૧૯માં ગુજરાતનું વિશેષ પેવિલિયન પણ પ્રથમવાર રાખવામાં આવ્યું છે.

નવગુજરાત સમય | અમદાવાદ | બુધવાર |

પેપર ઉદ્યોગ આગામી 5 વર્ષમાં 12 ટકાનો વૃદ્ધિદર નોંધાવશે

નવગુજરાત સમય > અમદાવાદ

ભારતીય પેપર ઉદ્યોગ આગામી પાંચ વર્ષમાં 12 ટકાના વાર્ષિક વૃદ્ધિદર નોંધાવે

2019માં ગુજરાતનું વિશેષ પેવિલિયન પણ પ્રથમવાર રાખવામાં આવ્યું છે. પેપરેક્સ 2019માં ગુજરાતની 68 પેપર મિલ્સ અને કેટલીક મોટી લિસ્ટેડ કંપનીઓ ભાગ લઈ રહી

Media Coverage

लोकतेज

02 सूरत, बुधवार, 27 नवम्बर, 2019

भारतीय पेपर उद्योग आगामी पांच वर्ष में 12 प्रतिशत का वार्षिक वृद्धिदर दर्ज कराए ऐसी संभावना

लोकतेज संवाददाता

अहमदाबाद। भारतीय पेपर उद्योग आगामी पांच वर्ष में 12 प्रतिशत के वार्षिक वृद्धिदर दर्ज कराए ऐसी संभावना है। इस वृद्धिदर के कारण वर्ष 2024-25 तक में समग्र पेपर उपयोग 24 मिलियन टन का होने की धारणा है। फिलहाल यह उपयोग वार्षिक 15 मिलियन टन का है। विश्व का सबसे बड़ा पेपरशो 'पेपरेक्स 2019' 3 दिसम्बर 2019 से 6 दिसम्बर 2019 नई दिल्ली में आयोजित हो रहा है। पेपरेक्स 2019 का उद्घाटन केन्द्रीय मार्ग, परिवहन और हाईवेज विभाग के मंत्री नीतिन गडकरी के हाथों होगा। इस वर्ष पेपरेक्स 2019 में गुजरात का विशेष पैविलियन भी पहली बार रखा गया है। पेपरेक्स 2019 में गुजरात की 68 पेपरमिल्स और कई बड़ी लिस्टेड कंपनियां भाग ले रही हैं। हाईव इंडिया के डायरेक्टर, बिजनेस डेवलपमेन्ट गगन सहानी ने कहा कि 14वां पेपरेक्स इन्टरनेशनल एक्जिबिशन विश्व का सबसे बड़ा पेपर शो है। इंडियन पेपर एन्ड मेन्यु. एसो. में वीपी और सीईओ जे.पी. नारायण ने कहा कि पेपर उद्योग यह मानवबल आधारित उद्योग होने से कई नई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराएगी।

कागद उद्योगात १२ टक्के वाढीचा अंदाज, 'पेपरएक्स२०१९' ३ डिसेंबरपासून दिल्लीत

मुंबई – 'पेपरएक्स२०१९' या जगातील सर्वात मोठ्या प्रदर्शनाचे आयोजन नवी दिल्ली येथे ३ डिसेंबर २०१९ ते ६ डिसेंबर २०१९ दरम्यान करण्यात आले असून या प्रदर्शनाचे उदघाटन रस्ते वाहतूक आणि महामार्ग केंद्रीय मंत्री तसेच सूक्ष्म, लघु आणि मध्यम जहाज उद्योगमंत्री नितीन जयराम गडकरी यांच्या हस्ते होणार आहे. त्यात राज्यातील २९ कंपन्या सहभागी होणार असून यावेळी महाराष्ट्राचे विशेष राज्य दालन असणार आहे. या प्रदर्शनाची घोषणा नुकतीच मुंबईत एका वर्षाच छोटेखानी कार्यक्रम मुंबई येथे पार पडला. यावर्षी या परिषदेत महाराष्ट्रातील विशेष राज्य दालन असणार असून त्यात २९ कारखाने आणि एनआर अगरवाल, पदमजी, पल्प, बीआयएलटी अशा काही मोठ्या कंपन्या सहभागी होणार आहेत. महाराष्ट्रातील ३०० हून अधिक एमएसएमई नव्या कंपन्यांचा यात सहभाग असणार असून त्या जगातील सर्वात मोठ्या कागद प्रदर्शनात पहिल्यांदाच जागतिक दर्जाच्या व्यापाराशी व्यापाराचा अनुभव घेऊ शकणार आहेत. महाराष्ट्रात ४९ कार्यरत कारखाने असून ते दरवर्षी जवळपास ३० लाख टन कागद उत्पादन करतात. भारतातील गेल्या तीन वर्षात झालेली कागद निर्यात ही ६६०,००० टनावरून १५,००,००० टनावर गेली आहे, असे इंडियन पेपर न्ड मॅन्युफॅक्चरर्स असोसिएशनचे उपाध्यक्ष आणि सेंच्युरी पेपरचे सीईओ जे. पी. नरेन म्हणाले.

नवी दिल्लीत भरणार सर्वात मोठे कागद प्रदर्शन

मुंबई : पुढारी वृत्तसेवा

पेपरएक्स २०१९ या जगातील सर्वात मोठ्या कागद प्रदर्शनाचे उद्घाटन रस्ते वाहतूक आणि महामार्ग केंद्रीय मंत्री तसेच सूक्ष्म, लघू आणि मध्यम जहाज उद्योगमंत्री नितीन जयराम गडकरी यांच्या हस्ते ३ डिसेंबर रोजी करण्यात येणार आहे. नवी दिल्ली होणार आहे. हे प्रदर्शन ६ डिसेंबरपर्यंत सकाळी १० ते सायंकाळी ६ पर्यंत ते पाहता येईल. या प्रदर्शनात महाराष्ट्रातील विशेष राज्य दालन असणार आहे.

यावर्षी नवी दिल्लीतील प्रदर्शनात राज्यातील २९ कारखाने आणि एन. आर. अगरवाल, पद्मजी, पल्प, बीआयएलटी अशा काही मोठ्या कंपन्या सहभागी होणार आहेत. तर ३०० हून अधिक नव्या एमएसएमई कंपन्यांचा यात सहभाग असेल.

● पुढील ५ वर्षांत भारतीय कागद उद्योगात १२ टक्क्यांनी वाढ होण्याची आणि वर्तमान काळाच्या तुलनेत २०२४-२५ मध्ये एकूण कागद वापर हा १५ दशलक्ष टनावरुन २४ दशलक्ष टन होण्याची शक्यता या क्षेत्रातील व्यावसायिकांनी व्यक्त केली आहे.

याबाबतची माहिती देताना इंडियन पेपर अॅन्ड मॅन्युफॅक्चरर्स असोसिएशनचे उपाध्यक्ष आणि सेंच्युरी पेपरचे सीईओ जे.पी. नरेन म्हणाले की, २०२४-२५ मध्ये एकूण कागदाचा वापर १५ दशलक्ष टनावरून २४ दशलक्ष टन होण्याची शक्यता आहे. हाईव्ह इंडियाचे व्यवसाय विकास संचालक गगन साहनी म्हणाले की, पेपरएक्स हा नव्या कागद आणि संबंधित उद्योगांसाठी व्यापार संधी, संयुक्त उद्योग, गुंतवणूक आणि तंत्रज्ञान हस्तांतरण या दृष्टीने कागद उद्योगासाठी एकीकृत व्यवसाय मंच आहे.

Media Coverage

ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪੇਪਰ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨੀ ਤੇ ਸਮਾਗਮ ਦਾ 14ਵਾਂ ਐਡੀਸ਼ਨ ਹੋਵੇਗਾ ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ 'ਚ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 26 ਨਵੰਬਰ (ਜ.ਬ.)-ਪੇਪਰ ਐਕਸ 2019, ਦੁਨੀਆ ਦੀ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੀ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪੇਪਰ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨੀ ਤੇ ਸਮਾਗਮ ਦਾ 14ਵਾਂ ਐਡੀਸ਼ਨ ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਹੋਣ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸ਼੍ਰੀ ਗਾਰਡਨ ਪਾਯਨੇ, ਖੇਤਰੀ ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ ਏਸ਼ੀਆ ਹੈੱਡ ਤੇ ਗਰੁੱਪ ਪੀ.ਐੱਲ.ਸੀ. ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਪੇਪਰ ਐਕਸ ਤੁਹਾਡੇ ਲਈ ਖੁਦ ਨੂੰ ਦੇਖਣ ਲਈ, ਨਵੀਨਤਮ ਰੁਝਾਨਾਂ ਤੇ ਪ੍ਰੋਦੋਗਿਕੀਆਂ, ਨਵੇਂ ਵਪਾਰਕ ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਮਿਲਣ ਤੇ ਪਹਿਲਾਂ ਤੋਂ ਜਾਣੂ ਦਾ ਨਵੀਨੀਕਰਨ ਕਰਨ ਦਾ ਇਕ ਵਧੀਆ ਮੌਕਾ ਹੈ। ਭਾਰਤ ਨੂੰ ਕਾਗਜ਼ ਤੇ ਸਬੰਧਤ ਉਦਯੋਗਾਂ ਦੇ ਅਜਿਹੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਦੀ ਮੇਜ਼ਬਾਨੀ ਕਰਨ ਦਾ ਮਾਣ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਜਿਹੜਾ ਦੁਨੀਆ ਨੂੰ ਇਸ ਅਸਲੀ ਰੂਪ ਨਾਲ ਉੱਦਮੀ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਤਰੱਕੀ ਨੂੰ ਦਰਸਾਉਂਦਾ ਹੈ। 14ਵੀਂ ਪੇਪਰ ਐਕਸ ਇੰਟਰਨੈਸ਼ਨਲ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨੀ ਦੁਨੀਆ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਪੇਪਰ ਸ਼ੋਅ ਹੈ। ਇਸ ਸਾਲ ਪੇਪਰ ਐਕਸ 2019 ਸਫਲਤਾ ਦੀ ਕਹਾਣੀ ਦੁਹਰਾਉਣ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਿਚ 28 ਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ 700+ ਟਾਪ ਐਗਜ਼ੀਬਿਟਰਜ਼ ਮੌਜੂਦ ਹਨ। ਪੇਪਰ ਐਕਸ ਨਵੇਂ ਵਪਾਰ ਦੇ ਮੌਕਿਆਂ, ਸਾਂਝੇ ਉਦਯੋਗਾਂ ਤੇ ਪ੍ਰੋਦੋਗਿਕੀ ਦਖਲਅੰਦਾਜ਼ੀ, ਕਾਗਜ਼ ਤੇ ਸਬੰਧਤ ਉਦਯੋਗਾਂ ਵਿਚ ਪੇਪਰ ਉਦਯੋਗ ਦੇ ਲਈ ਇਕ ਸਾਂਝਾ ਵਪਾਰਕ ਮੰਚ ਹੈ। ਇਸ ਸਾਲ ਪੇਪਰ ਐਕਸ 2019 28 ਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ 700+ ਮੋਹਰੀ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਮੌਜੂਦਗੀ ਦੇ ਨਾਲ ਸਫਲਤਾ ਦੀ ਕਹਾਣੀ ਦੁਹਰਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੈ। ਪੇਪਰ ਐਕਸ ਨੂੰ ਭਾਰਤ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਸ਼ੋਅ ਵਿਚ ਵਪਾਰ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਸਭ ਨਾਲੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਭਾਗੀਦਾਰੀ ਮਿਲੀ ਹੈ। ਪੇਪਰ ਐਕਸ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ 3 ਦਸੰਬਰ ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਵੇਗਾ ਤੇ ਵਿਅਕਤੀਗਤ ਤੇ ਵਪਾਰਕ ਤੌਰ 'ਤੇ ਆਉਣ-ਜਾਣ ਵਾਲਿਆਂ ਲਈ ਸਵੇਰੇ 10 ਤੋਂ ਸ਼ਾਮ 6 ਵਜੇ ਤੱਕ 6 ਦਸੰਬਰ ਤੱਕ ਖੁੱਲ੍ਹਾ ਰਹੇਗਾ।

SAY YES TO PAPER ਪਲਾਸਟਿਕ, ਤਕਨੀਕੀ ਬਦਲਾਅ ਅਤੇ ਰੀਸਾਈਕਲਿੰਗ ਦੀ ਸੋਲੋ ਵਰਤੋਂ ਦੇ ਰੂਪ 'ਚ ਪਰਿਆਵਰਣ ਨੂੰ ਵੱਡੇ ਪੱਧਰ ਤੇ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਕਰਨ 'ਚ ਮਦਦ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 6 ਦਸੰਬਰ (ਸਚਦੇਵਾ): ਹਾਯਵੇ ਇੰਡੀਆ (Hyve India) ਵੱਲੋਂ ਆਯੋਜਿਤ ਦੁਨੀਆਂ ਦੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੇ ਕਾਗਜ਼ੀ ਮੇਲੇ 'ਚ ਹਾਯਵੇ ਗਰੁੱਪ ਪੀਐਲਸੀ (Hyve Group Plc), ਲੰਡਨ ਦੀ 100 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਸਹਾਇਕ ਕੰਪਨੀ, ਨੇ ਪਰਿਆਵਰਣ ਉਪਯੋਗ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਇੱਕ ਵਿਸ਼ੇ 'ਤੇ ਇੱਕ ਅਧਿਅਨ ਪਲਾਸਟਿਕ ਵਿਜ਼-ਏ-ਵਿਜ਼ ਪੈਕਿੰਗ ਪੇਪਰ ਦੇ ਬਾਰੇ 'ਚ ਵਿਸਥਾਰ ਨਾਲ ਦੱਸਿਆ, ਜਿਸ 'ਚ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਮੁੱਖ ਬਿੰਦੂ ਸਾਹਮਣੇ ਆਏ: ਹਾਯਵੇ ਇੰਡੀਆ (Hyve India) ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ ਸ਼੍ਰੀ ਸੰਜੀਵ ਚੰਤਰਾ ਨੇ ਕਿਹਾ, SAY YES TO PAPER ਮੌਲਿਕ ਅਤੇ ਤਕਨੀਕੀ ਕ੍ਰਾਂਤੀ ਦੇ ਕਾਰਨ, ਅੱਜ ਅਸੀਂ ਜੋ 100 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਕਾਗਜ਼ ਦਾ ਉਤਪਾਦਨ ਕਰਦੇ ਹਾਂ, ਉਹ ਦੁਬਾਰਾ ਨਵੀਨੀਕਰਣ ਅਤੇ ਬਾਇਓਡਿਗ੍ਰੇਡੇਬਲ ਹੈ। ਪੇਪਰਐਕਸ-2019 ਨੇ ਪਰਿਆਵਰਣ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਆਮ ਆਦਮੀ 'ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਦੇ ਜੀਵਨ 'ਚ ਇਸ ਜ਼ਰੂਰੀ ਵਸਤੂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕਰਨ ਅਤੇ ਰੀਸਾਈਕਲਿੰਗ ਨੂੰ ਹੁੰਗਾਰਾ ਦੇ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਅੱਜ, ਕਾਗਜ਼ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਪਰਿਆਵਰਣ 'ਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵ ਦੇ ਰੂਪ 'ਚ ਨਹੀਂ ਮੰਨਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ, ਜਦੋਂ ਕਿ ਸਿੱਖਿਆ 'ਚ ਕਾਗਜ਼ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਫਿਰ ਤੋਂ ਮਹੱਤਵ ਦਿੱਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਹ ਇਸ ਤੱਥ ਨਾਲ ਬਲਾਧਾ ਅਤੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾਲ ਮੰਨਿਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਡਿਜੀਟਲ ਮਾਧਿਅਮ ਦੀ ਬਜਾਏ ਕਾਗਜ਼ ਨਾਲ ਅਧਿਅਨ ਕਰਨ 'ਤੇ ਅਵਧਾਰਣਾ ਪੱਧਰ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ। ਪੇਪਰਐਕਸ 2019 'ਚ ਅਸੀਂ ਇਸ ਸੈਗਮੈਂਟ 'ਚ ਟ੍ਰੇਡ ਵਿਜ਼ੀਟਰ ਨਾਲ ਜ਼ਿਆਦਾ ਟ੍ਰੈਕਸ਼ਨ ਦੇਖਿਆ ਹੈ। ਅਸੀਂ ਆਮ ਉਪਭੋਗਤਾ ਦੇ ਹਿੱਤ ਨੂੰ ਵੀ ਦੇਖਿਆ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਨਵੇਂ ਉਤਪਾਦਾਂ ਨੂੰ ਸਿੱਖਣਾ ਅਤੇ ਅਨੁਭਵ ਕਰਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ਜਿਹੜੇ ਪਲਾਸਟਿਕ ਦੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਜ਼ਬੂਤ ਹਨ ਅਤੇ ਖਾਦ ਖੇਤਰ 'ਚ ਪਲਾਸਟਿਕ ਦੇ ਲਈ ਬਿਹਤਰ ਵਿਕਲਪ ਹਨ। ਪੇਪਰ ਉਦਯੋਗ 3ਆਰ (ਘੱਟ, ਮੁੜ ਵਰਤੋਂ ਅਤੇ ਰੀਸਾਈਕਲ) ਸਿਧਾਂਤ ਨਾਲ ਵੇਂਟਿੰਗ ਨੂੰ ਘੱਟ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਐਫਐੱਮਸੀਜੀ, ਖਾਦ ਡਿਸਟ੍ਰੀਬਿਊਸ਼ਨ ਅਤੇ ਈਕਾਮਰਸ ਕੰਪਨੀਆਂ ਦੇ ਜ਼ਿੰਮੇਦਾਰ ਅਤੇ ਸੁਚਿਤ ਕਾਰਪੋਰੇਟਸ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੂਪ ਨਾਲ ਰੀਸਾਇਕਲਿੰਗ ਪੇਪਰ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਨਿਯਮਿਤ ਪੈਕਿੰਗ ਜ਼ਰੂਰਤਾਂ 'ਚ ਸੋਲੋ ਵਰਤੋਂ ਪਲਾਸਟਿਕ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਖ਼ਤਮ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਉੱਚ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ਾਂ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਸ਼੍ਰੀ ਜੇ ਪੀ ਨਰਾਇਣ, ਵੀਪੀ, ਇੰਡੀਅਨ ਪੇਪਰ ਐਂਡ ਮੈਨਿਊਫੈਕਚਰਰਸ ਐਸੋਸਿਏਸ਼ਨ ਅਤੇ ਸੇਚੁਰੀ ਪੇਪਰ ਦੇ ਸੀਈਓ ਨੇ ਕਿਹਾ, ਪੇਪਰ ਉਦਯੋਗ ਬਦਲਾਅ ਦੇ ਦੌਰ 'ਚੋਂ ਗੁਜ਼ਰ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਹੁਣ ਤਕਨੀਕੀ ਬਦਲਾਅ ਦੇ ਕਾਰਨ ਪੇਪਰ ਉਦਯੋਗ ਘੱਟ ਬਿਜਲੀ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਰੀਸਾਈਕਲ ਪੇਪਰ ਦੀ ਉਤਪਾਦਨ ਦੀ ਲਾਗਤ ਦੁਬਾਰਾ ਨਵੀਨੀਕਰਣ ਪਲਾਸਟਿਕ ਦੀ ਤੁਲਨਾਂ 'ਚ ਸਥਾਨ ਦੇ ਅਧਾਰ 'ਤੇ ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ 30 ਤੋਂ 40 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਸਸਤੀ ਹੈ। ਬਿਹਤਰ ਕੁਆਲਿਟੀ ਵਾਲੇ ਪੈਕੇਜਿੰਗ ਉਤਪਾਦਾਂ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਅਤੇ ਹੋਰ ਕਾਗਾ ਉਤਪਾਦਾਂ, ਜਿਵੇਂ ਟਿਸ਼ੂ ਪੇਪਰ, ਫਿਲਟਰ ਪੇਪੇ, ਟੀ ਬੈਗ, ਕਾਰਡਬੋਰਡ ਆਦਿ ਦੀ ਮੰਗ ਅਉਣ ਵਾਲੇ ਸਾਲਾਂ 'ਚ ਭਾਰਤ 'ਚ ਪੇਪਰ ਅਤੇ ਪੇਪਰ ਉਤਪਾਦਾਂ ਦੇ ਬਜ਼ਾਰ ਨੂੰ ਚਲਾਉਣ ਦੀ ਆਸ ਹੈ। ਦਿਲਚਸਪ ਗੱਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਪੇਪਰ ਉਦਯੋਗ ਦਾ ਕੇਂਦਰ ਵੀ ਜ਼ਿਆਦਾ ਪਰਿਆਵਰਣ ਦੇ ਅਨੁਕੂਲ ਸਮਾਨ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋਦੋਗਿਕੀ ਦੇ ਵੱਲ ਵਧ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਪੇਪਰ ਉਦਯੋਗ ਦੇ ਲਈ ਇੱਕ ਵੱਡਾ ਮੌਕਾ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਭਾਰਤ 'ਚ ਸੋਲੋ-ਵਰਤੋਂ ਪਲਾਸਟਿਕ ਬਜ਼ਾਰ 80000 ਕਰੋੜ ਰੁਪਏ (ਲਗਭਗ) ਦੇ ਕਰੀਬ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਕਾਗਜ਼ ਉਦਯੋਗ ਦਾ ਵਿਸ਼ਵ ਪੱਧਰੀ ਮੁਕਾਬਲਾ ਵਧ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਨਵੇਂ ਉਤਪਾਦਾਂ 'ਚ ਨਵੀਨਤਾ ਦੇ ਨਾਲ ਸੰਖਿਰ ਕੱਚੇ ਮਾਲ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਜਿਹੜੀਆਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਚਮਕਦਾਰ ਅਤੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਹਨ, ਇਹ 100 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਮੁੜ ਨਾਸ਼ੂ ਭਵਿੱਖ ਦੇ ਉਤਪਾਦ 'ਚ ਹੋਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਿਵੇਸ਼ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਉਦਮੀਆਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਕਰੇਗਾ।

Media Coverage

புதுதில்லியில் டிசம்பர் 3 முதல் 6 வரை

உலகின் மிகப்பெரிய பேப்பர் ஷோ 'பேப்பரெக்ஸ் 2019'

சென்னை,

உலகின் மிகப்பெரிய சர்வதேச கண்காட்சியின் 14வது பதிப்பான 'பேப்பரெக்ஸ் 2019'ன் திரைச்சீலை மற்றும் காகிதத் தொழிலின் மாநாடு சென்னையில் செய்யப்பட்டது. தமிழ்நாட்டில் 59 இயங்கும் ஆலைகள் ஆண்டுக்கு 31 லட்சம் டன் உற்பத்தி செய்கின்றன. கடந்த 3 ஆண்டுகளில் காகித ஏற்றுமதி இந்தியாவில் இருந்து 660,000 டன்னிலிருந்து 15,00, 000 டன்னாக அதிகரித்துள்ளது.

காகித ஆலைகள் கிராமப்புறங்களில் ஆதிக்கம் செலுத்துகின்றன, பெரிய அளவிலான வேலைவாய்ப்பு மற்றும் உயிரோட்டமான ஹப்களை கிட்டத்தட்ட 50 லட்சம் மக்களுக்கு நேரடியாகவும் மறைமுகமாகவும் வழங்குகின்றன, பெரும்பான்மையானவர்கள் சமூகத்தின் குறைந்த வருமானம் கொண்டவர்கள், அதாவது குறு விவசாயிகள், திறமையான மற்றும் அரை திறமையான தொழிலாளர்கள். கண்காட்சிக்குள்ளேயே பி 2 பி மாநாட்டில் சுற்றுச்சூழல், பசுமை வேதியியல் மற்றும் மறுசுழற்சி ஆகிய வற்றை வலியுறுத்தி ஒரு சிறப்பு அமர்வு உள்ளது.

திரைச்சீலை ரைசரில் பேசிய வி.பி., இந்திய காகிதம் மற்றும் உற்பத்தியாளர்கள் சங்கம் மற்றும் செஞ்சுரி பேப்பரின் தலைமை நிர்வாக அதிகாரி, "காகிதத் தொழில் உருமாறும் கட்டத்தில் சென்று கொண்டிருக்கிறது, சில பெரிய காகித நிறுவனங்களும் தங்கள் பிராந்தியத்தை அல்லது தயாரிப்பு அல்லது வகையை பூர்த்தி செய்ய விரிவாக்கம் செய்கின்றன. குறிப்பிட்ட தேவை. ஒட்டுமொத்த காகித நுகர்வு தற்போது 15 மில்லியன் டன்னிலிருந்து 2024-25 ஆம் ஆண்டில் 24 மில்லியன் டன்னாக அதிகரிக்கும் என்று எதிர்பார்க்கப்படுகிறது. தேசத்தின் வளர்ச்சிக்கு பங்களிக்கும் வகையில், இந்தியாவின் தரமான காகித உற்பத்தியாளர்கள் அச்சிடுதல், எழுதுதல், பேக்கேஜிங், வெளியீடு, நோட்புக் மற்றும் எழுதுபொருள் துறைகளின் தேவையை பூர்த்தி செய்கிறார்கள், என்றார்.

3 மத்திய அமைச்சர்கள், 14 நாடுகளைச் சேர்ந்த வர்த்தக ஆணையர்கள் மற்றும் 30 பெரிய பொது பட்டியலிடப்பட்ட நிறுவனங்களின் தலைமை நிர்வாக அதிகாரிகள் மற்றும் 200 க்கும் மேற்பட்ட சர்வதேச நிறுவனங்கள் ஒரே மேடையில். உற்பத்தித் திறனை மேம்படுத்தி பயன்பாட்டு தொழில்நுட்பங்களை முன்னிலைப்படுத்துவதே இந்த முயற்சியாகும்.

இந்நிகழ்ச்சியில் தொழில்துறை தலைமை நிர்வாக அதிகாரிகள், பொறியாளர்கள், தொழில்நுட்ப வல்லுநர்கள் மற்றும் விஞ்ஞானிகள் இருப்பதைக் காணலாம். சந்தைப்படுத்தல் தலைவர்கள், கொள்முதல் தலைவர்கள், தொழில் வல்லுநர்கள் மற்றும் ஆலோசகர்கள், கொள்கை வகுப்பாளர்கள் மற்றும் வெளிநாட்டு விளம்பரப் படைகள், தலை ஆர் மற்றும் டி, ஒழுங்குமுறை விவகாரங்கள் மற்றும் தர மேலாளர்கள்; தொழில் சங்கங்கள் மற்றும் சர்வதேச வர்த்தக பிரதிநிதிகள்; உற்பத்தி, தொழில் முனைவோர், உரிமையாளர்கள், இறுதி பயனர்கள்; மற்றும் ஆலோசகர்கள், ஒப்பந்த ஆராய்ச்சி அமைப்பு, ஒப்பந்தம் உலகளாவிய மற்றும் இந்திய சந்தைகளில் இருந்து பயனர் வாங்குபவர்களை தயாரிக்கிறது.

புதுதில்லியில் டிசம்பர் 3 முதல் 6 வரை உலகின் மிகப்பெரிய பேப்பர்ஷோ 'பேப்பரெக்ஸ் 2019'

சென்னை, நவ. 28 :

உலகின் மிகப்பெரிய சர்வதேச கண்காட்சியின் 14 வது பதிப்பான 'பேப்பரெக்ஸ் 2019' இன் திரைச்சீலை மற்றும் காகிதத் தொழிலின் மாநாடு சென்னையில் செய்யப்பட்டது. தமிழ்நாட்டில் 59 இயங்கும் ஆலைகள் ஆண்டுக்கு 31 லட்சம் டன் உற்பத்தி செய்கின்றன. கடந்த 3 ஆண்டுகளில் காகித ஏற்றுமதி இந்தியாவில் இருந்து 660,000 டன்னிலிருந்து 15,00, 000 டன்னாக அதிகரித்துள்ளது.

காகித ஆலைகள் கிராமப்புறங்களில் ஆதிக்கம் செலுத்துகின்றன, பெரிய அளவிலான வேலைவாய்ப்பு மற்றும் உயிரோட்டமான ஹப்களை கிட்டத்தட்ட 50 லட்சம் மக்களுக்கு நேரடியாகவும் மறைமுகமாகவும் வழங்குகின்றன, பெரும்பான்மையானவர்கள் சமூகத்தின் குறைந்த வருமானம் கொண்டவர்கள், அதாவது குறு விவசாயிகள், திறமையான மற்றும் அரை திறமையான தொழிலாளர்கள். கண்காட்சிக்குள்ளேயே பி 2 பி மாநாட்டில் சுற்றுச்சூழல், பசுமை வேதியியல் மற்றும் மறுசுழற்சி ஆகியவற்றை வலியுறுத்தி ஒரு சிறப்பு அமர்வு உள்ளது.

திரைச்சீலை ரைசரில் பேசிய வி.பி., இந்திய காகிதம் மற்றும் உற்பத்தியாளர்கள் சங்கம் மற்றும் செஞ்சுரி பேப்பரின் தலைமை நிர்வாக அதிகாரி, "காகிதத் தொழில் உருமாறும் கட்டத்தில் சென்று கொண்டிருக்கிறது, சில பெரியகாகித நிறுவனங்களும் தங்கள் பிராந்தியத்தை அல்லது தயாரிப்பு அல்லது வகையை பூர்த்தி செய்ய விரிவாக்கம் செய்கின்றன. குறிப்பிட்ட தேவை. ஒட்டுமொத்த காகித நுகர்வு தற்போது 15 மில்லியன் டன்னிலிருந்து 2024-25 ஆம் ஆண்டில் 24 மில்லியன் டன்னாக அதிகரிக்கும் என்று எதிர்பார்க்கப்படுகிறது.

* உலகின் மிகப்பெரிய பேப்பர்ஷோ 'பேப்பரெக்ஸ் 2019' புதுதில்லியில் டிசம்பர் 3 முதல் 6 வரை நடைபெற உள்ளது

சென்னை, நவ.28-

உலகின் மிகப்பெரிய சர்வதேச கண்காட்சியின் 14 வது பதிப்பான 'பேப்பரெக்ஸ் 2019' இன் திரைச்சீலை மற்றும் காகிதத் தொழிலின் மாநாடு சென்னையில் செய்யப்பட்டது. தமிழ்நாட்டில் 59 இயங்கும் ஆலைகள் ஆண்டுக்கு 31 லட்சம் டன் உற்பத்தி செய்கின்றன. கடந்த 3 ஆண்டுகளில் காகித ஏற்றுமதி இந்தியாவில் இருந்து 660,000 டன்னிலிருந்து 15,00, 000 டன்னாக அதிகரித்துள்ளது.

காகித ஆலைகள் கிராமப்புறங்களில் ஆதிக்கம் செலுத்துகின்றன, பெரிய அளவிலான வேலைவாய்ப்பு மற்றும் உயிரோட்டமான ஹப்களை கிட்டத்தட்ட 50 லட்சம் மக்களுக்கு நேரடியாகவும் மறைமுகமாகவும் வழங்குகின்றன, பெரும்பான்மையானவர்கள் சமூகத்தின் குறைந்த வருமானம் கொண்டவர்கள், அதாவது குறு விவசாயிகள், திறமையான மற்றும் அரை திறமையான தொழிலாளர்கள். கண்காட்சிக்குள்ளேயே பி 2 பி மாநாட்டில் சுற்றுச்சூழல், பசுமை வேதியியல் மற்றும் மறுசுழற்சி ஆகியவற்றை வலியுறுத்தி ஒரு சிறப்பு அமர்வு உள்ளது.

திரைச்சீலை ரைசரில் பேசிய வி.பி., இந்திய காகிதம் மற்றும் உற்பத்தியாளர்கள் சங்கம் மற்றும் செஞ்சுரி பேப்பரின் தலைமை நிர்வாக அதிகாரி, "காகிதத் தொழில் உருமாறும் கட்டத்தில் சென்று கொண்டிருக்கிறது, சில பெரிய காகித நிறுவனங்களும் தங்கள் பிராந்தியத்தை அல்லது தயாரிப்பு அல்லது வகையை பூர்த்தி செய்ய விரிவாக்கம் செய்கின்றன. குறிப்பிட்ட தேவை. ஒட்டுமொத்த காகித நுகர்வு தற்போது 15 மில்லியன் டன்னிலிருந்து 2024-25 ஆம் ஆண்டில் 24 மில்லியன் டன்னாக அதிகரிக்கும் என்று எதிர்பார்க்கப்படுகிறது. தொழிற்துறையில் ஒரு ஒருங்கிணைப்பு இருக்கும் என்று நான் நம்புகிறேன், மேலும் ஒருவருக்கொருவர் பிளவுபடுத்துதல் மற்றும் கையகப்படுத்துதல் செயல்பாட்டை அதிக வீரர்கள் செய்வார்கள். இது ஒரு மனிதவளத்தால் இயக்கப்படும் தொழில் என்பதால், இது நேரடியாகவும் மறைமுகமாகவும் வேலைகளை உருவாக்கும். தேசத்தின் வளர்ச்சிக்கு பங்களிக்கும் வகையில், இந்தியாவின் தரமான காகித உற்பத்தியாளர்கள் அச்சிடுதல், எழுதுதல், பேக்கேஜிங், வெளியீடு, நோட்புக் மற்றும் எழுதுபொருள் துறைகளின் தேவையை பூர்த்தி செய்கிறார்கள், என்றார்.

பேப்பரெக்ஸ் 2019 என்பது பல்வேறு தொழில்களில் இருந்து உலகளாவிய இறுதி பயனருக்கு அதன் திறன்கள், வலிமை மற்றும் வாய்ப்புகளை வெளிப்படுத்த காகிதத் தொழிலுக்கு ஒரு முக்கிய தளமாகும். 3 மத்திய அமைச்சர்கள், 14 நாடுகளைச் சேர்ந்த வர்த்தக ஆணையர்கள் மற்றும் 30 பெரிய பொது பட்டியலிடப்பட்ட நிறுவனங்களின் தலைமை நிர்வாக அதிகாரிகள் மற்றும் 200 க்கும் மேற்பட்ட சர்வதேச நிறுவனங்கள் ஒரே மேடையில். காகித்துறை மற்றும் அதனுடன் தொடர்புடைய தொழில்துறையின் வளர்ந்து வரும் புதிய பயன்பாடு குறித்த விழிப்புணர்வை உருவாக்குவதற்கும் பலப்படுத்துவதற்கும் வெற்றிகரமான உத்திகளைக் கொண்டுவருவதும், உற்பத்தித்திறனை மேம்படுத்த பயன்பாட்டு தொழில்நுட்பங்களை முன்னிலைப்படுத்துவதும் இந்த முயற்சியாகும்.

இந்நிகழ்ச்சியில் தொழில்துறை தலைமை நிர்வாக அதிகாரிகள், பொறியாளர்கள், தொழில்நுட்ப வல்லுநர்கள் மற்றும் விஞ்ஞானிகள் இருப்பதைக் காணலாம். சந்தைப்படுத்தல் தலைவர்கள், கொள்முதல் தலைவர்கள், தொழில் வல்லுநர்கள் மற்றும் ஆலோசகர்கள், கொள்கை வகுப்பாளர்கள் மற்றும் வெளிநாட்டு விளம்பரப் படைகள், தலை ஆர் மற்றும் டி, ஒழுங்குமுறை விவகாரங்கள் மற்றும் தர மேலாளர்கள் தொழில் சங்கங்கள் மற்றும் சர்வதேச வர்த்தக பிரதிநிதிகள் உற்பத்தி, தொழில் முனைவோர், உரிமையாளர்கள், இறுதி பயனர்கள் மற்றும் ஆலோசகர்கள், ஒப்பந்த ஆராய்ச்சி அமைப்பு, ஒப்பந்தம் உலகளாவிய மற்றும் இந்திய சந்தைகளில் இருந்து பயனர் வாங்குபவர்களை தயாரிக்கிறது.